जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

Rashtradoot

जयपुर, रविवार 27 सितम्बर, 2026

PRODUCT TYPE	UNIT TYPE	SIZE	PRESENT RATE	30 SEPT. 2026	31 OCT. 2026	30 NOV. 2026	30 DEC. 2026
WALK-UP APARTMENT	2 BHK (GF)	1350 Sq Ft	72 Lacs	74 Lacs	76 Lacs	78 Lacs	80 Lacs
	3 BHK (SF)	1900 Sq Ft	82 Lacs	84 Lacs	86 Lacs	88 Lacs	90 Lacs
	3 BHK (FF)	1900 Sq Ft	90 Lacs	92.5 Lacs	95 Lacs	97.5 Lacs	1 Cr
KOTHI	3 BHK BIG	2000 Sq Ft	1.15 Cr	1.175 Cr	1.20 Cr	1.225 Cr	1.25 Cr
	4 BHK BIGGER	2325 Sq Ft	1.38 Cr	1.41 Cr	1.44 Cr	1.47 Cr	1.50 Cr
	4 BHK BIGGEST	3200 Sq Ft	1.80 Cr	1.85 Cr	1.90 Cr	1.95 Cr	2 Cr

KEDIA®
1800-120-2323
info@kedia.com
www.kedia.com
78770-72737
SCAN QR FOR
• LOCATION
• ROUTE MAP
• SITE 360 TOUR
• E-BROCHURE
• WALKTHROUGH
*T&C Apply

Conditions Apply * Visuals for illustration purpose only*

विचार बिन्दु

जिस काम की तुम कल्पना करते हो उसमें जुट जाओ। साहस में प्रतिभा, शक्ति और जादू है। साहस से काम शुरु करो पूरा अवश्य होगा। –अज्ञात

पसीने से गढ़े गए बाँध की स्मृति

विद्यालयों महाविद्यालयों में गर्मियों की छुट्टियाँ थीं। परीक्षा के बाद का आनंद था। परिणाम की प्रतीक्षा। इस पार कि उस पार। गाँव की दोपहरें तपकर तपाती। हवा आग की लपट जैसी। लुआर चलाती। धरती की साँस सूखी और भारी। ढर्रे और पगडंडियों पर पर पाँव रखना कठिन, जैसे अंगारे पर चलना हो। खेतों में लाल-भूरी मिट्टी फटकर खुल गई थी। दरारें इतनी चौड़ी थीं कि उनमें कोई चिड़िया उतर जाए तो लौट न पाए। हर दरार के भीतर सोई हुई प्यास थी, जैसे पानी मांग-मांग कर थक रही हों। एक बार की खेती कट चुकी थी दरारें नहीं ढेले और कटी फसल की रह गई डंडियाँ सूखकर जमीन से लग गई थीं। कुओं का पानी कम हो गया था।यह कोई 50 साल पहले की बात की बात है।

नरो पहाड़ का दुर्भाग्य यह रहा कि उसके आसपास हमेशा गरीब लोग बसे। खेत छोटे थे, बरसात पर टिके हुए। नहरें बहुत देर से पहुँचीं, तब भी अधूरी। पानी की असली आस तो बरसात ही थी–तालाबों में भरता जल,कुओं में उतरता, खेतों में बहता। तालाब जीवन के थाल जैसे थे, जिनमें वर्षा का जल रखा जाता था। अन्न ही रखा मानिए। मैंने पहाड़ को कई सालों तक अपनी आँखों से देखा। पगडंडियों पर चलते-चलते,जंगल को नापते-नापते। उस समय पहाड़ भरा-पूरा था। वृक्षों की भरमार। ऊँचे-ऊँचे, गहरे और छायादार। उनके बीच मध्यम कद के वृक्ष और झाड़ियाँ भी, जिनमें छोटे जीव छिपते, पक्षी बैठते। पहाड़ की साँस हरी थी, और हर साँस में जीवन का संगीत था।

पहाड़ बड़े बीजों वाले वृक्षों के लिए प्रसिद्ध था। उनके बीज ऐसे कि धरती में गिरें तो जैसे धरती ने कोई गर्भ धारण किया हो। उन्हीं पर पूरा वन टिका था। उन्हीं के बीच घूमते थे सांभर, भालू, कलमुंहा लंगूर, बंदर, खरहा, मोर। बड़े वृक्षों के कोटर उल्लुओं का घर थे। शाम ढलते ही सियारों की आवाज़ गूँजती। जंगल का अंधकार उनकी बोली से भर जाता। जंगली सूअर रात होते ही खेतों में उतरते और किसान अपनी फसलों को बचाने के लिए खेतों में रातभर बने रहने को मजबूर होते। घ्वांपे भरे रहते, धुएँ में मनुष्य और पशु साथ-साथ साँस लेते।

नरो पहाड़ का समय बदल गया। धीरे-धीरे बड़े जानवर गए। शिकार ने उन्हें मिटा दिया। उनके जाने के साथ ही बड़े बीज वाले वृक्षों का भविष्य भी सूख गया। जंगल का वह चक्र, जिसमें प्राणी और वृक्ष एक-दूसरे को जन्म देते रहते थे, टूट गया। जो पुराने विशाल वृक्ष बचे थे, वे लकड़ी बनकर शहर चले गए। छोटे वृक्ष कस्बों के चूल्हों की आग में जल गए। गरीब आबादी ने अपनी भूख मिटाने के लिए पहाड़ को अपना साधन बनाया और उसी साधन को धीरे-धीरे नष्ट कर दिया। कभी जो पहाड़ घनेपन से साँस लेता देता था, अब उसकी साँस टूट-टूटकर आती है। कभी जो झूमते वृक्ष थे, अब सूखे ठूंठ खड़े हैं। कभी जहाँ हिरन दौड़ते थे, अब चराई और खनन की धूल उड़ती है।

फिर भी, नरो पहाड़ की मिट्टी में कहीं न कहीं वह हरा सपना दबा हुआ है। कोई बीज अब भी इंतज़ार कर रहा है कि उसके ऊपर आकाश झुके और पानी बरसे। कोई उल्लू अब भी टूटी शाख पर बैठकर अंधेरे में बोलता है। पहाड़ पूरी तरह गया नहीं है। वह मौन में छिपा हुआ है–जैसे स्मृति, जैसे ध्वंस के भीतर जीवन का छिपा बीज हो।

इसी उजाड़ पहाड़ के पास बाँध बन रहा था। बाँध–जिसका सपना पानी था,और हक़ीक़त मिट्टी और पत्थर थी। गाँव वालों ने ठाना था पंचायत से ठनवाया था–बरसात अगर यूँ ही बह निकली तो जीवन बचेगा नहीं। कुएँ सूख जाएँगे,खेत मैदान हो जाएँगे,बच्चे और मवेशी प्यास से मरेंगे। पुराने तालाब हैं पर पानी कम पड़ने लगा। बाँध एक उम्मीद। पानी को रोकना था, रोककर बाँटना था, बाँटकर जीना था। धूप पैंतालीस डिग्री की। मजदूर एक-एक पत्थर उठाकर बाँध में सजाते। कोई पसीने से भीगा, कोई सिर पर गीला गमछा बाँधे। उनकी पीठ पर पसीने की धाराएँ बहतीं। पैरों में छाले। होंठ फटे। आँखें लाल। लेकिन चेहरों पर एक ज़िद–जैसे वे पत्थर नहीं, आने वाले पानी की गठरी उठा रहे हों। कभी किसी पत्थर के नीचे से बिच्छू निकल आता। मजदूर ठिठकते, फिर आगे बढ़ जाते। डर और ज़हर, भूख और प्यास के सामने मामूली थे।

मैं भी जाता था। मेरी मज़दूरी छोटी रही होगी। मेरे लिए बड़ी। एक पत्थर उठाना,सर में ढोना। एक तगाड़ी मिट्टी खोदना सर पर ढोना–ऐसे ही सभी काम थे। हाथों में छाले, हथेलियाँ खुरदरी। कभी खून की बूँद रिस जाती। लगता था पर शायद ठीक से खून नहीं निकालता रहा होगा। मैं छिपा लेता। मुझे लगता कि मेरी हथेलियों में भी बाँध छप गया। पत्थर सिर पर रखते ही लगता मानो पूरा आसमान उठाकर ले जाया जा रहा है। आसमान तन कर बैठ गया हो। मैं लड़खड़ाता। बाकी साथी मजदूर हँसते और कहते–पत्थर भी आदमी है, उसे भी धीरे से बिठाओ। तब मैं सोचता–क्या सचमुच पत्थर आदमी हैं?या आदमी पत्थर हो चुके हैं? धीरे-धीरे मैंने मिट्टी खोदना सीखा। फावड़ा गाड़ना, शरीर का सारा भार उसमें नहीं डालना। ताकत से पटक कर गाड़ देना, फिर ऊपर डंडे से उठा देना। मिट्टी निकलती। जलते हुए कण बिखरते। उसे ढोकर बाँध में डालना होता। कभी ढेर गलत जगह गिर जाता तो मजदूर हँसते। कहते–धरती भी आदमी को धीरे-धीरे सिखाती है। जेब में कभी-कभी मजदूरी के नाम पर सिक्के मिलते। एकाध नोट भी। बिलकुल कड़क नोट। संभलकर और संभालकर रखना होता था। उन्हें खर्च में नहीं उड़ा सकते। बस जेब में हाथ डालकर पैसे खनक सुननी होती। नोट को खड़खड़ाना नहीं थथोलना होता है। मेहनत की आवाज़ इतने में आ जाती थी।

गर्मी चरम पर थी। कुएँ सूख चुके थे। औरतें घड़ों के लिए झगड़तीं। जानवर जीभ बाहर निकालकर हाँफते। आसमान नीला और कठोर। फिर एक दिन आसमान ने करवट बदली। बादल घिर आए। हवा बदल गई। मिट्टी में भीगने की गंध फैल गई। मजदूर आसमान की ओर देखने लगे। किसी ने दोनों हाथ जोड़ दिए। पहली बूंद गिरी। पत्थर पर पड़ी और बाँध ने साँस ली। फिर दूसरी, तीसरी... और अचानक मूसलाधार बारिश। लोग नाचने लगे।

दोपहर में सब साथ बैठते। सब साथी मजदूर मोटी रोटियाँ लाते। किसी के पास प्याज़,किसी के पास नमक की डली। अदला-बदली भी कर लेते प्रेम से। मैं भी रोटियाँ निकालता। हम सब मिलकर खाते। पसीने और धूल की गंध, और रोटी का स्वाद मिलकर एक अलौकिक तृप्ति देते। पानी घर से ही लाते। घूँट दो घूँट में काम चलाते। बस,गला न सूखे। यह ध्यान रखना होता। लुआर भी चलती थी न। लुआर लग जाए तो फिर अगले दिन कैसे आते। मूड़े में मोटी ढट्टी बाँध कर रखते।

पास ही छूले के ठूँठ से नई कोमल पत्तियाँ फूट आई थीं। उन्हीं की छाया में कभी कभी बैठते। तुलसीदास जी की चौपाई जोर जोर से गाते –जो अति आतपब्याकुलहोई। तरु छाया सुख जानइसोई।।–धूप में तपती धरती पर यह छोटी छाया किसी सुन्दर स्वर्ग का ठंडा टुकड़ा होती। कोई मजदूर गीत उठाता–धरती, बैल, और पानी के। कोई हँसी उड़ाता। धूप थोड़ी हल्की हो जाती। अरे नहीं,हल्की नहीं होती, हल्की नहीं होती,हल्की लगती रही होगी। खाने के बाद गर्मी की घनघोर धूप हल्की लगती होगी। भरे पेट लुआर भी नहीं मारती। बहुत देर नहीं बैठ सकते न। बंधा कैसे बनता फिर। कभी मजदूर पूछते–तू रोज़ क्यों आता है? तेरे बब्बा जानेंगे तो नाराज़ होंगे। मैं चुप रहता। क्या कहता? कि मुझे यह सब देखना अच्छा लगता है। सीखना चाहता हूँ कि बाँध कैसे बनता है, पसीना कैसे बरसात को बुलाता है? सबकी आँखों में इंतज़ार था। कोई कहता–बरसात आए तो धान बो दूँगा। कोई–कुआँ भर जाए तो बेटी की शादी कर दूँगा। कोई–पहले जान बच जाए, फिर काम देखेंगे। उनके पास सपना छोटा था, पर पसीना बड़ा। वे गीत और विनोद में थकान को थका देते। गाँव में ऐसे ही जिया जाता है।

एक दिन मिट्टी खोदते हुए एक मजदूर को साँप मिला। सब भागे। मैं वहीं खड़ा रहा। सांप भी। साँप आँखों से आँखों में देखता रहा होगा। कोई रहस्य कह रहा होगा। फिर झाड़ियों में घुस गया। शायद बोलकर गया हो–बारिश आएगी। हमने सिरनहीं हिलाया। साँप की भविष्यवाणी सुनते तब न हिलाते। बिना सुने हिलाते तो सब हंसते। धीरे-धीरे बाँध ऊँचा हुआ। पत्थरों की कतारें पहाड़ की छाती पर उठकर वहां बैठ रही जैसी। हम आसमान देखते। पर आकाश नीला और कठोर था।

पिता जी प्राथमिक विद्यालय में मास्टर थे। जल्दी में सब माटसाब कह कर बुलाते। जानते थे कि मैं मजदूरों के साथ जाता हूँ। वे चुप रहते। माटसाबकी चुप्पी को मैं अनुमति मान लेता। मान लेना ठीक रहता है। वे न रोकते,न बुलाते। पर मुझे लगता था कि वे सब जानते हैं। उनके भीतर चिंता भी रही होगी और गर्व भी रहा होगा। पता नहीं। कभी बताया नहीं उन्होंने। मैं डरता था। बाप से डरना भी आवश्यक माना जाता है। इसलिए डरता था। शाम को घर लौटते समय, बिना पूछे ही उनकी आँखें पढ़ लेता। वे नहीं कहते–थक गया? पर उनके मौन में वह प्रश्न था। मैं भी नहीं कहता–थक गया। पर मेरी चुप्पी में उत्तर था। यही उनका ढंग था–बोलकर नहीं, मौन में सब जान जाना। मौन में प्रश्न, मौन में उत्तर। मौन में गुस्से से कूट भी देते हों, शायद। बाप का मौन बेटे को गंभीरता से लेने का नियम है। कूटे हुए मान लेते थे, अपने को। हम।

गर्मी चरम पर थी। कुएँ सूख चुके थे। औरतें घड़ों के लिए झगड़तीं। जानवर जीभ बाहर निकालकर हाँफते। आसमान नीला और कठोर। फिर एक दिन आसमान ने करवट बदली। बादल घिर आए। हवा बदल गई। मिट्टी में भीगने की गंध फैल गई। मजदूर आसमान की ओर देखने लगे। किसी ने दोनों हाथ जोड़ दिए। पहली बूंद गिरी। पत्थर पर पड़ी और बाँध ने साँस ली। फिर दूसरी, तीसरी... और अचानक मूसलाधार बारिश। लोग नाचने लगे। पसीने और धूल से भीगे शरीर अब पानी में भीग गए। बाँध का खाली पेट भरने लगा। पानी नीचे से ऊपर चढ़ा। उम्मीद अब सच थी। मैं भीगते-भीगते सोच रहा था–यह बाँध सिर्फ़ पानी नहीं रोक रहा, यह हम सबको जोड़ रहा है। हर पत्थर में मजदूर का पसीना,हर मिट्टी में उनकी साँस। हर बूंद में हमारी प्रतीक्षा।

बरसात कई दिनों तक चली। बाँध भर गया। गाँव के कुएँ धीरे धीरे जीने लग रहे थे। बरसात में खेतों में धान लहलहाने लगी। रबी की और भी फसलें। बच्चे बाँध पानी में तैरने जाने लगे। पेट में डूब गए वे ठूँठ भी, जिनकी फुटान की छाया में हम रोटी खाते थे। छूले की छाया अब पानी के नीचे थी। बिच्छू, साँप, सब छिप गए थे। लगा जैसे यादें भी पानी में डूब गई हों और वहीं नई जड़ें जमा रही हों। बाँध बन गया था–और उसके साथ मैं भी बदल गया था। मजदूरी सिर्फ़ काम नहीं, जीवन का पाठ है। पत्थर सिर्फ़ पत्थर नहीं होते, उनमें भविष्य का जल छिपा होता है। पसीना सिर्फ़ पसीना नहीं होता–वह बादल बुलाने का मंत्र है। पिता की चुप्पी ही शिक्षा थी, और बाँध मनुष्य की सामूहिक जिद का रूप था।

-अतिथि सम्पादक,
डॉ. दीप नारायण पाण्डेय,
(भारतीय वन सेवा से सेवानिवृत्त तथा वर्तमान में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान में विजिटिंग प्रोफेसर)
(यह लेखक के निजी विचार हैं और 'सार्वभौमिक कल्याण के सिद्धांत' से प्रेरित हैं)

पर्यटन संस्कृति का हो प्रसार

27 सितम्बर, विश्व पर्यटन दिवस पर विशेष.....

डॉ. अरुणा व्यास

भारत आने वाला हर तीसरा पर्यटक राजस्थान आता है। इसकी खास वजह यहां के चित्ताकर्षक पर्यटन स्थल तो है ही साथ ही वह अपनापे की संस्कृति भी है जिसमे पावणों यानी मेहमानों के लिए विशेष आदर भाव है। और फिर पर्यटन की जितनी विविधता राजस्थान में है उतनी किसी दूसरे प्रदेश में नहीं। समुद्र और बर्फ के अलावा सब कुछ तो है राजस्थान के पर्यटन में। दूर तक फैले रेत के धोरे, किले, महलों के साथ ही झीलें, कलात्मक स्थापत्य से संपन्न बावड़ियां और तालाबों के अलावा अरावाली की पर्वत श्रृंखला से जुड़े पर्यटन स्थल यहां आने वाले पर्यटकों को अपने सौन्दर्य से मुग्ध करते है। गौरवमयी इतिहास से जुड़ी कथा-कहानियां, रंग-रंगीली संस्कृति और उत्सवप्रिय यहां के लोगों की आवभगत आने वाले पर्यटकों को अपना बना लेती है। यही कारण है कि सुदूर देशों से पर्यटक एक बार यहां आता है तो फिर बार-बार आता है।

राजस्थान में पर्यटन की परम्परा आरंभ से ही रही है। तब से ही जब रियासतों का एकीकरण नहीं हुआ था। राजा-महाराजाओं ने पर्यटन के महत्व को देखते हुए ही अपने किले-महलों के द्वार सुदूर देशों से आने वाले पर्यटकों के लिए खोल दिए थे। बाद में जब रियासकों का एकीकरण हुआ तो बड़ा संकट उन राजपूत ठिकानेदारों के सामने यह भी खड़ा हो गया कि कैसे बड़े-बड़े किले-महलों की सार संभाल करें। प्रदेश के मुख्यमंत्री और बाद में देश के उपराष्ट्रपति रहे स्व. भैरोसिंह की पहल से तब एक महत्वपूर्ण पहल राजस्थान में 'हेरिटेज होटल' योजना के अंतर्गत हुई। 75 वर्ष से पुरानी हवेली, किले महल आदि को 'हेरिटेज' की श्रेणी में रखते पर्यटन की दृष्टि से उनके संवर्द्धन और विकास पर रियायतें, अनुदान की शुरूआत हुई और देखते ही देखते प्रदेशभर में हेरिटेज होटलों की एक श्रृंखला बनती चली गई। आज भी देशभर में सर्वाधिक 'हेरिटेज होटल' राजस्थान में हैं। इससे न केवल हमारी ऐतिहासिक धरोहरों को संजोया जा सका बल्कि पर्यटन की दृष्टि से भी राजस्थान में आकर्षण में तेजी से इजाफा हुआ।

यह सही है, पर्यटन की प्रदेश में अभी भी अपार संभावनाएं हैं। एशिया के छठे बेस्ट होलीडे डेस्टिनेशन होने के बावजूद जितनी आय पर्यटन से राजस्थान को होनी चाहिए हो नहीं रही है। जरूरत इस बात की है कि प्रदेश की पर्यटन क्षमताओं को दृष्टिगत रखते हुए पर्यटन की स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप नीतियां बने। इसके लिए सबसे बड़ी जरूरत पर्यटन शिक्षा के ढांचे को सुदृढ करने की भी है। उद्योग के रूप में पर्यटन कैसे संचालित हो, इस पर तो वर्तमान पर्यटन शिक्षा में जोर है परन्तु तीर्थाटन से पर्यटन की हमारी विरासत वहां नदारद है। घुमक्कड़ी से जुड़ा भारतीय दर्शन वहां बहुत से स्तरों पर नहीं है। यह होगा तभी हम संस्कृति के संरक्षण के साथ पर्यटन का प्रभावी विकास कर पाएंगे। यह समझे जाने की जरूरत है कि पर्यटन जन उद्योग है, इसका संचालन अन्य उद्योगों की भांति नहीं किया जा सकता। इसके लिए आम जन को जोड़ना अधिक जरूरी है।

जरूरी यह भी है कि राज्य में उपलब्ध पर्यटन सुविधाओं का व्यावहारिकता के स्तर पर आकलन कर उनका विकास किया जाए। अभी चिर-परिचित स्थानों के विपणन पर तो बहुत कुछ किया जा रहा है परन्तु बहुत से कम जाने-पहचाने स्थानों के विकास पर ध्यान नहीं है। उन पर ध्यान दिए जाने की जरूरत है। जालोर का किला, सुंधा माता का रोपवे, परमारकालीन संस्कृत पाठशाला, चूरू, नवलगढ़ की हवेलियां, बांसवाड़ा में आथूणा के मंदिर, बाड़मेर में किराडू का शिल्प सौन्दर्य, बीकानेर में गजनेर, उदयपुर में जयसमंद और रूठी रानी के महल, अलवर में भानगढ़, भरतपुर के जल महल और ऐसे ही बहुत से और पर्यटन आकर्षण है, जो पर्यटन मानचित्र पर ठीक से उभरे नहीं है। इनके विकास के साथ ही पर्यटन पथों का इस तरह से विकास किए जाने की जरूरत है कि पर्यटक पैकेज के रूप में कम परिचित स्थानों का दृश्यावलोकन कर सके। इसके साथ ही धार्मिक और घरेलू पर्यटन पर भी विशेष रूप से ध्यान दिए जाने की जरूरत है। जरूरत इस बात की भी है कि राज्य सरकार अपने कर्मियों को पर्यटन के लिए प्रोत्साहित करने की नीति पर भी कार्य करे। इन्टरनेट को टूरनेट के रूप में विकसित करने की पहल करें। पर्यटन केन्द्रों पर लेखकों, पत्रकारों की यात्रा भी इस दिशा में सकारात्मक पहल हो सकती है। लेखक, पत्रकारों को कम परिचित पर्यटन स्थलों पर ले जाए जाए। वे वहां जाएंगे तो उन स्थानों के सौन्दर्य और संभावनाओं पर लिखेंगे, स्वाभाविक ही है कि जितना खर्च उनके विज्ञान पर नहीं खर्च करना पड़ेगा उससे अधिक सरकार का प्रचार हो जाएगा। मूल बात है कि हम राज्य के पर्यटन का विपणन इस रूप में करें कि देशी-विदेशी पर्यटकों के आकर्षण के साथ ही यहां की उन पर्यटन क्षमताओं का भी अधिकाधिक दोहन हो सकें, जिन पर अभी तक ध्यान नहीं दिया गया है। इसी से पर्यटन में राजस्थान देशभर में अग्रणी हो सकता है।

–डॉ. अरुणा व्यास,
पर्यावरण और संस्कृति अध्येता।

ग्रामीण पर्यटन : किलों और महलों से आगे बढ़ता राजस्थान

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का नया विजनः मरुधरा के गांवों की चौपाल और संस्कृति से खुलेगा समृद्धि का नया द्वार

अलका सक्सेना

राजस्थान की माटी केवल किलों और महलों के साथ ही इसके गांवों की चौपालों, खेतों की मेड़ों और लोक कलाओं में भी एक जीवंत संस्कृति रचती है। इसी समृद्ध विरासत को विकास की नई धारा से जोड़ते हुए मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने राज्य में ग्रामीण पर्यटन को बढ़ावा देने का एक ऐतिहासिक और अभिनव विजन प्रस्तुत किया है। उनके नेतृत्व में राजस्थान सरकार ने पर्यटन को महज पत्थरों की ऐतिहासिक इमारतों और प्रमुख शहरों तक सीमित रखने के बजाय प्रदेश की वास्तविक आत्मा-हमारे गांवों-तक पहुँचाने का अभूतपूर्व प्रयास किया है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के इस दूरदर्शी प्रयास ने न केवल मरुधरा के पारंपरिक पर्यटन को एक नया और व्यापक आयाम दिया है, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था, स्थानीय कला, कृषि और युवाओं के लिए स्वरोजगार का एक सशक्त मार्ग भी प्रशस्त किया है।

पर्यटन आज केवल यात्रा या मनोरंजन का साधन मात्र नहीं रह गया है; यह आर्थिक स्वावलंबन, स्थानीय उद्यिमता और व्यापक सामाजिक बदलाव का एक अत्यंत सामर्थ्यवान माध्यम बन चुका है। राजस्थान वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर सदैव आकर्षण का केंद्र रहा है। यहाँ के विशाल किले, हेरिटेज संपदाएँ और मरुस्थलीय सौंदर्य देश-दुनिया के पर्यटकों को लुभाते रहे हैं। परंतु, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की सोच ने इस बात को रेखांकित किया कि राजस्थान का असली सांस्कृतिक वैविध्य और सजीवता इन ऐतिहासिक स्मारकों की परिधि से आगे, गांवों के सहज जीवन-प्रवाह में बसती है।

गांवों की जीवंत धरोहर और पर्यटन का नया क्षितिज -राजस्थान के गांवों में लोक संगीत की तान, खड़ताल और सारंगी की गूंज, कालबेलिया व घूमर नृत्य, कठपुतली कला, बंधेज व हस्तशिल्प, पारंपरिक व्यंजन, मेलों-त्योहारों की रंगत, कृषि परंपराएं और ग्रामीण आतिथ्य जैसी अदम्य सांस्कृतिक धरोहरें पीढ़ियों से संजोई गई हैं। गांवों में बसी इस जीवित विरासत को केवल संठाहालयों के कांच के शोकेस में सहेज कर नहीं रखा जा सकता; इसका वास्तविक अनुभव तभी संभव है जब पर्यटक इसे इसके मूल परिवेश में-खेत-खलिहानों, मिट्टी की सोंधी महक और चौपालों में-प्रत्यक्ष महसूस करे। यह पहल पर्यटक को महज दर्शक न बनाकर गांव के जीवन का भागीदार बना देती है। खेत, चौपाल, मिट्टी के घर, स्थानीय व्यंजन, पशुपालन और लोक गाथाएं मिलकर एक ऐसा अविस्मरणीय अनुभव रचते हैं, जो पर्यटकों के मन पर छाप छोड़ता है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की इस दूरगामी सोच का मुख्य ध्येय यह है कि पर्यटन से अर्जित होने वाला आर्थिक लाभ केवल बड़े शहरों या बड़े होटल समूहों तक सीमित न रहे, बल्कि उसका प्रत्यक्ष फायदा सीधे गांव के किसान, शिल्पकार, लोक कलाकार, महिलाओं और युवाओं तक पहुंचे। इस सोच को राजस्थान ग्रामीण पर्यटन योजना तथा राजस्थान पर्यटन नीति-2025 के माध्यम से एक सुदृढ़ नीतिगत और व्यावहारिक आधार प्रदान किया गया है। राजस्थान पर्यटन नीति-2025 में विविधीकरण, आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर, सतत विकास, निवेश और कौशल विकास पर जोर दिया गया है। साथ ही राजस्थान ग्रामीण पर्यटन योजना के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष पर्यटन इकाइयों के विकास को प्रोत्साहित किया जा रहा है। पर्यटकों को प्रामाणिक ग्रामीण परिवेश में ठहराने और स्थानीय आतिथ्य का सीधा अनुभव कराने की व्यवस्था है। कैंपिंग साइट्स एवं एडवेंचर इकाईयों के ग्रामीण परिदृश्य में प्रकृति के समीप साहसिक व सांस्कृतिक गतिविधियों का संचालन आकर्षण केन्द्र है।

इन प्रावधानों का मूल उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में स्थायी रोजगार का सृजन करना और स्थानीय संसाधनों तथा हुनर को आर्थिक अवसरों में बदलना है। इस पहल से किसान, शिल्पकार, लोक कलाकार, ग्रामीण युवा और विशेषकर महिलाएं पर्यटन की मुख्यधारा से जुड़कर आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रही हैं। ग्रामीण पर्यटन की सबसे बड़ी शक्ति यह है कि यह हमारी सांस्कृतिक विरासत को सीधे आजीविका और अर्थव्यवस्था से जोड़ देता है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के इस मॉडल से एक स्थानीय शिल्पकार को अपने हस्तशिल्प का उचित मूल्य और खरीदार गाँव में ही मिल जाता है। लोक कलाकारों को अपनी प्रतिभा के प्रदर्शन के लिए अपने घर के समीप मंच और सम्मान प्राप्त होता है, किसान के लिए कृषि पर्यटन अतिरिक्त आय का जरिया बनता है, और ग्रामीण परिवारों के लिए होमस्टे स्वरोजगार का माध्यम बनता है।

राज्य सरकार द्वारा स्थानीय लोक कलाकारों, शिल्पकारों तथा ग्रामीण स्टार्ट-अप्स को प्राथमिकता देने और वित्तीय प्रोत्साहन प्रदान करने के निर्णयों से ग्रामीण क्षेत्रों में निवेश का मार्ग सुगम हुआ है। इसके साथ ही, मुख्यमंत्री की प्राथमिकताओं के अनुरूप ग्रामीण क्षेत्रों को मुख्य पर्यटन सर्किट से जोड़ने के लिए सड़कें, बिजली, पानी, स्वच्छता, इंटरनेट कनेक्टिविटी, सुरक्षा और दिशा-सूचक बोर्ड जैसी आधारभूत सुविधाओं का भी समानांतर विकास किया जा रहा है। आधुनिकता और शहरी पलायन के इस दौर में ग्रामीण पर्यटन हमारी संकटापन्न लोक कलाओं और पारंपरिक कला-कौशल को नया जीवन दे रहा है। जब किसी पारंपरिक कला या उत्पाद की मांग बढ़ती है, तो उससे जुड़ा हुनर जीवित रहता है। जब नई पीढ़ी यह देखती है कि उनकी अपनी सांस्कृतिक विरासत से उन्हें सम्मान और आजीविका दोनों मिल सकते हैं, तो वे पलायन के बजाय अपने गाँव में रहकर ही उद्यमी बनने के लिए प्रेरित होते हैं।

महिलाओं की भागीदारी इस पूरी प्रक्रिया को सामाजिक सशक्तीकरण में बदल रही है। पारंपरिक खान-पान, हस्तशिल्प, होमस्टे संचालन और आतिथ्य सेवाओं के माध्यम से ग्रामीण महिलाएं आर्थिक रूप से स्वावलंबी बन रही हैं। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के इन अभिनव प्रयासों की ही परिणति है कि राजस्थान के इन प्रयासों को राष्ट्रीय स्तर पर भी सराहा गया है। वर्ष 2024 में जयपुर में आयोजित इंडिया ट्रैवल मार्ट में राजस्थान पर्यटन को ग्रामीण पर्यटन को प्रोत्साहन - गाँव की हवेली, गांव का घर श्रेणी में सम्मानित किया गया, जो इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि राजस्थान की पर्यटन यात्रा अब राजसी महलों से आगे बढ़कर गांव की चौपालों तक सफलतापूर्वक पहुंच रही है।

ग्रामीण पर्यटन की सफलता का मूल मंत्र नीति, संस्कृति और समुदाय का समन्वय है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के दूरदर्शी नेतृत्व में राजस्थान ने यह साबित कर दिखाया है कि गांवों को शहरों की प्रतिकृति बनाए बिना भी उनकी मौलिक पहचान, मिट्टी की सोंधी महक और पारंपरिक आतिथ्य के साथ उन्हें वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर स्थापित किया जा सकता है। राजस्थान की पहचान जितनी उसके अजर-अमर किलों और महलों से है, उतनी ही उसके गांवों की पावन माटी और आतिथ्य सत्कार से भी है। मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के इन अभिनव प्रयासों के बदौलत अब वह समय आ गया है जब दुनिया राजस्थान को केवल दूर से देखे ही नहीं, बल्कि उसके गांवों में रहकर सच्चे और जीवंत राजस्थान को अनुभव करे।

–अलका सक्सेना,
अतिरिक्त निदेशक जनसंपर्क (सेनि.)

50 साल पुराने कुएं को राजस्व रिकॉर्ड में स्थान मिला

मांडल तहसील कार्यालय में आयोजित राजस्व शिविर में प्रकरण का निस्तारण किया

भीलवाड़ा, (निसं)। विकसित भारत जन सेवा अभियान के तहत सेवा सेतु अभियान के अंतर्गत आयोजित शिविर आमजन की वर्षों पुरानी समस्याओं के समाधान का माध्यम बन रहे हैं। मांडल तहसील कार्यालय में आयोजित राजस्व शिविर में एक लंबे समय से लंबित प्रकरण का निस्तारण करते हुए करीब 50 साल पुराने कुएं को राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज करने की कार्रवाई की गई।

शिविर में प्रकरण सामने आने पर तहसीलदार एवं शिविर प्रभारी नीरज रावत ने पटवारी रिपोर्ट एवं उपलब्ध राजस्व दस्तावेजों की गहनता से जांच करवाई। जांच में खातेदारी भूमि में

■ शिविर में पटवारी रिपोर्ट एवं उपलब्ध राजस्व दस्तावेजों की जांच करवाई

स्थित पुराने कुएं के संबंध में आवश्यक तथ्य सामने आने के बाद इसे राजस्व रिकॉर्ड में दर्ज करने के आदेश दिए गए। तहसीलदार ने संबंधित अधिकारियों को खसरा एवं जमाबंदी अभिलेखों में आवश्यक शुद्धि कर रिकॉर्ड को अपडेट करने के निर्देश दिए, जिससे वर्षों से लंबित मामला विधिवत दर्ज होकर निस्तारित हो सका।

इस कार्रवाई से रतनलाल, सांवरलाल, रामचंद्र एवं शिवशंकर लुहार आदि को लम्बे समय बाद बड़ी राहत मिली। वर्षों से लंबित राजस्व प्रकरण का शिविर में समाधान होने पर लाभार्थियों ने राज्य सरकार की जनसेवा की पहल एवं प्रशासन का आभार व्यक्त किया।

राशिफल रविवार 27 सितम्बर, 2026

पंडित अनिल शर्मा

अश्विन मास, कृष्ण पक्ष, प्रतिपदा तिथि, रविवार, विक्रम संवत–2083, उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र दिन 11:08 तक, वृद्धि योग दिन 11:17 तक, बालव करण प्रातः 9:39 तक, चन्द्रमा आज मीन राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति– सूर्य–कन्या, चन्द्रमा–मीन, मंगल–कर्क, बुध–कन्या, गुरू–कर्क, शुक्र–तुला, शनि–मीन, राहु–कुम्भ, केतु–सिंह

आज सर्वार्थ सिद्धि योग सूर्योदय से दिन 11:08 तक है। आज से पितृपक्ष महालय श्राद्ध आरम्भ होगा। आज प्रतिपदा का श्राद्ध, पंचक है। आज क्षमावाणि पर्व और पड़वा ढोक (जैन) है।

श्रेष्ठ चौघड़िया– चर 7:50 से 9:19 तक, लाभ अमृत 9:19 से 12:18 तक, शुभ 1:47 से 3:16 तक,

राहुकाल– 4:30 से 6:00 तक, सूर्योदय 6:21, सूर्यास्त 6:15

मेष

घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज अनर्गल कार्यों में समय खराब हो सकता है। आज मन में असंतोष बना रहेगा।

वृष
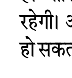
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। आज महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

मिथुन
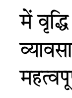
अपने अति आवश्यक और महत्वपूर्ण कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। आज प्रयासों में उचित सफलता मिल सकती है। परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा।

कर्क
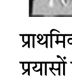
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आज आवश्यक कार्यों के लिए बाहर जाना हो सकता है।

सिंह

अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा में दुर्घटना का भय है।

कन्या
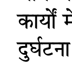
परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। घर-परिवार में सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी।

तुला
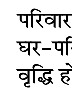
स्वास्थ्य में सुधार होगा। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। परिवार में आपसी सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

वृश्चिक
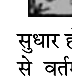
व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

धनु

परिजनों के व्यवहार के कारण दुःख हो सकता है। आपसी ईर्ष्या-वैमनस्यता के कारण परेशानी हो सकती है। महत्वपूर्ण मामलों में दुविधा बनी रहेगी। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर
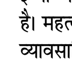
घर-परिवार में अतिथियों के आगमन से उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में धार्मिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

कुंभ
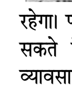
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आर्थिक विवादों का निपटारा हो सकता है। परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे।

मीन
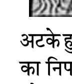
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में उचित सोच-विचार हो सकता है।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

ARBIT

BAB AL-MANDAB THE NEW CARD...

Houthis used the period of relative calm to refit, rearm, recruit, improve domestic weapons production and expand their missile and drone capabilities

The Saree Named After 52 Motifs

Dambhodbhava and the Birth of Karna

यूएनजीए में ईरान ने काफी हद तक अपनी स्थिति स्पष्ट की और सहानुभूति पाई

ईरान ने यूएस के समक्ष शांति प्रस्ताव रखा और कहा कि सम्मानजनक शर्तों पर समझौता हुआ तो वह होर्मुज़ स्ट्रेट खोल देगा

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- **यूनाइटेड नेशन्स जनरल असैम्बली (यूएनजीए) की मीटिंग में सबसे ज्यादा प्रशंसा बटोरी नेपाल के राष्ट्रप्रमुख युवा प्रधानमंत्री बालेन शाह ने। उन्होंने नेपाल में आई भयावह बाढ़ के लिए विकसित देशों में पर्यावरण के साथ हो रहे खिलवाड़ को दोषी ठहराया और बहुत प्रभावशाली ढंग से अपनी बात कही तथा मांग की कि अंतर्राष्ट्रीय समुदाय को अपने एक्शन के नतीजों के प्रति जवाबदेह होना चाहिए।**
- **ध्यान देने वाली बात यह है कि नेपाल में हुए महाविनाश के लिए सीधे तौर पर चीन जिम्मेदार है और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग यूएनजीए की बैठक में नहीं आए और ना ही आएंगे, हालांकि इस दौरान शी वॉशिंगटन गए थे।**

नई दिल्ली, 26 सितम्बर। स्पष्ट रूप से युद्ध को समाप्त करने और वह भी सम्मानजनक शर्तों पर समाप्त करने के लिए भारी दबाव में ईरान ने न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूनाइटेड नेशन्स जनरल असैम्बली- यूएनजीए) के सत्र का इस्तेमाल अमेरिका के खिलाफ स्थिति पलटने के लिए किया।

अमेरिका द्वारा होर्मुज़ स्ट्रेट की नाकेबंदी और ईरान के लिए हिंद महासागर के व्यापक समुद्री मार्गों तक पहुंच के सभी रास्ते बंद किए जाने से देश की अर्थव्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हो रही है। ऐसे में ईरान अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण अपने तेल की बिक्री पर लगे प्रतिबंध और अरबों डॉलर की विदेशी संपत्तियों के फ्रीज़ होने से गंभीर आर्थिक दबाव में है।

यदि ईरानी जहाजों की देश से बाहर आवाजाही पर अमेरिकी नाकेबंदी जारी रहती है तो ईरान पूरी तरह आर्थिक पतन के कगार पर पहुंच सकता है। ऐसे में ईरान का अमेरिका को तत्काल युद्धविराम का प्रस्ताव देना समझ में आता है। लेकिन यह संकट में घिरे, अपने रुख पर अड़े और आक्रामक अमेरिकी राष्ट्रपति के लिए भी एक जीवनरेखा साबित हो सकता है।

साथ ही, खाड़ी के अरब देशों पर ईरान के हमलों और मध्य पूर्व में उसके सहयोगी संगठनों द्वारा क्षेत्र के तेल निर्यातक देशों में पैदा की जा रही तबाही ने भी ईरान के खिलाफ व्यापक नाराज़गी पैदा कर दी थी।

अब तक ईरान को काफी हद तक एक ऐसे अलग-थलग देश के रूप में देखा जा रहा था, जो खाड़ी के अरब देशों पर बेतरतीब ढंग से बमबारी कर रहा था, वैश्विक तेल व्यापार की एक प्रमुख लाइफ लाइन होर्मुज़ स्ट्रेट को अवरुद्ध कर रहा था और पूरी दुनिया में तेल तथा ऊर्जा उत्पादों की आपूर्ति बाधित कर रहा था।

लेकिन ईरान के राष्ट्रपति महमूद पेजेशकियन के बयानों और ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची द्वारा संयुक्त राष्ट्र महासभा से इतर की गई द्विपक्षीय वार्ताओं ने विश्व नेताओं तक ईरान का पक्ष पहुंचाने में मदद की है।

ईरान ने अमेरिका के सामने एक संधि प्रस्ताव रखा है और कहा है कि यदि समझौते की उसकी शर्तें स्वीकार कर ली जाती हैं तो एक सप्ताह के भीतर युद्धविराम किया जा सकता है और महत्वपूर्ण होर्मुज़ स्ट्रेट को फिर से खोला जा सकता है। ईरान ने कहा है कि शत्रुता समाप्त करने की उसकी सभी शर्तें जून में हुए समझौता ज्ञापन (एओयू) में पहले ही शामिल हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

निम्स अस्पताल के ऑपरेशन थिएटर में आग लगी

जयपुर, 26 सितम्बर। जयपुर-दिल्ली हाईवे स्थित चंदवाजी के निम्स अस्पताल एवं मेडिकल कॉलेज में शुक्रवार देर रात आग लगने से अफरा-तफरी मच गई। ग्राउंड फ्लोर पर स्थित ऑपरेशन थिएटर की छत की फॉल सीलिंग से आग की लपटें उठीं और देखते ही देखते ओटी व एमआईसीयू क्षेत्र में धुआं भर गया। अस्पताल में चारों तरफ धुआं फैलने से भर्ती मरीजों और उनके परिजनों में दहशत फैल गई। गनीमत रही कि हादसे में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। प्रारंभिक जांच में आग का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है।

- **आईसीयू में धुआं भरा, मरीजों को वॉर्ड से बाहर निकाला गया।**

सूचना मिलते ही, चंदवाजी थाना पुलिस और दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। जमवारामगढ़ डीएसपी रामकिशन विश्नोई के अनुसार, अस्पताल के वार्डों में बड़ी संख्या में मरीज भर्ती थे। धुएं के बीच पुलिसकर्मियों ने मुंह पर कपड़ा बांधकर मरीजों और उनके परिजनों को सुरक्षित बाहर निकाला। अस्पताल प्रबंधन ने भी मरीजों को वार्डों से बाहर निकलवाया। दमकलकर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग की सूचना के बाद अस्पताल परिसर में काफी देर तक अफरा-तफरी का माहौल रहा। कई गंभीर मरीजों और उनके परिजनों को रात खुले में बितानी पड़ी। कुछ परिजन अपने मरीजों को लेकर अन्य स्थानों पर चले गए। प्रारंभिक जांच

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भजन क्लबिंग, भजनों को पॉप स्टाइल में गाना अच्छा या बुरा नहीं पर अटपटा जरुर है

भजन क्लबिंग एक नवीनतम ट्रैंड है जिसमें हिंदू भजन कीर्तन को आधुनिक अंदाज़ में कॉन्सर्ट के रुप में पेश किया जाता है भारी तड़क-भड़क के साथ

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- **प्रधानमंत्री ने 25 सितम्बर को नई दिल्ली में एक भजन क्लबिंग कार्यक्रम में भाग लिया, जिसकी कांग्रेस सहित कई विपक्षी नेताओं ने आलोचना की।**
- **उत्तराखंड में बद्रीनाथ धाम में हुए ऐसे ही भजन क्लबिंग कार्यक्रम की तो भाजपा के ही वरिष्ठ नेता मुरली मनोहर जोशी ने कड़ी आलोचना की और कहा कि यह तीर्थ स्थल की पवित्रता के साथ खिलवाड़ है।**

नई दिल्ली, 26 सितम्बर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के राजधानी में एक जोशीले भक्ति संगीत कार्यक्रम में शामिल होने के बाद भजन क्लबिंग को लेकर राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। कांग्रेस ने इसकी आलोचना की है। यह विवाद ऐसे समय में सामने आया है, जब भाजपा के वरिष्ठ नेता डॉ. मुरली मनोहर जोशी ने उत्तराखंड के बद्रीनाथ मंदिर के बाहर हाल ही में आयोजित एक अलग डीजे जैसे कार्यक्रम पर आपत्ति जताई है।

भजन क्लबिंग एक हालिया चलन है, जिसमें पारंपरिक हिंदू भजनों और कीर्तनों को आधुनिक, कंसर्ट जैसे प्रारूप में प्रस्तुत किया जाता है। ऐसे आयोजनों में तेज आवाज वाला संगीत, इलेक्ट्रॉनिक या अकॉस्टिक बीट्स, स्टेज लाइटिंग और मुख्य रूप से युवा दर्शकों की जोशीली भागीदारी होती है, जो तालियां बजाते हैं, गाते हैं और कभी-कभी नृत्य भी करते हैं, जबकि गीतों के बोल भक्ति पर आधारित रहते हैं। इस प्रारूप का उद्देश्य आध्यात्मिकता को आधुनिक प्रस्तुति के साथ जोड़ना है और दिल्ली जैसे शहरों में जेन ज़ी के बीच यह लोकप्रिय हुआ है। मोदी ने जनवरी 2026 में अपने "मन की बात" संबोधन में भी इसकी सराहना की थी और इन आयोजनों को वैश्विक कंसर्ट से कम नहीं बताते हुए कहा था कि इनमें भजनों की पवित्रता बरकरार रहती है।

शुक्रवार, 25 सितंबर को, भारतीय जनसंघ के नेता पंडित दीनदयाल उपाध्याय की 110वीं जयंती के अवसर पर, दीनदयाल उपाध्याय पार्क में आयोजित भजन क्लबिंग कार्यक्रम में शामिल हुए। वे दर्शकों के बीच बैठे नज़र आए और राम भजन के दौरान तालियां बजाने के साथ-साथ, खंजरी जैसे एक वाद्य यंत्र को भी बजाते दिखे। बाद में उन्होंने एक्स पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसके साथ कैप्शन था, "दिल्ली में भजन क्लबिंग। शानदार!"

कांग्रेस नेता और कर्नाटक के गृह मंत्री प्रियांक खड़गे ने प्रधानमंत्री के कार्यक्रम में शामिल होने की आलोचना की। उन्होंने पर लिखा, "प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पास "भजन क्लबिंग" के लिए समय है, लेकिन चुनाव आयोग के जरिए लोकतंत्र की क्लबिंग जैसे गंभीर सवालों का जवाब देने के लिए समय नहीं है।" उन्होंने कहा, "13 वर्षों से एक जाना-पहचाना पैटर्न रहा है, जब सरकार के सामने मुश्किल सवाल आते हैं, तो प्रधानमंत्री उनका जवाब देने के मामले में साफ तौर पर अनुपस्थित रहते हैं। समारोहों में उनकी मौजूदगी होती है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ज्ञानेश प्रकरण पर लीपापोती करने की पूरी कोशिश की जा रही है

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने दो अन्य चुनाव आयुक्तों के साथ मीटिंग कर यह दिखाने का प्रयास किया कि सब ठीक है, पर नतीजा कुछ नहीं निकला

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- **कांग्रेस ज्ञानेश कुमार के खिलाफ एक महाभियोग प्रस्ताव तैयार कर रही है, जिसे 29 सितंबर को कांग्रेस कार्य समिति की बैठक में स्वीकृति दी जाएगी।**
- **यह प्रस्ताव 30 सितंबर को इंडिया गठबंधन की बैठक में भी रखा जाएगा, जहाँ इस पर चर्चा होगी।**

नई दिल्ली, 26 सितम्बर। मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार द्वारा समूचे विवाद पर लीपापोती करने की कोशिश की जा रही है। "सब कुछ ठीक है" दिखाने के उद्देश्य से उन्होंने दोनों चुनाव आयुक्तों के साथ मीटिंग की, पर इस कोशिश के बावजूद इस बैठक से कोई ठोस नतीजा सामने नहीं आया है।

भाजपा और पूरा संघ परिवार बराबर कह रहे हैं कि ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे का कोई सवाल ही नहीं है, लेकिन विपक्ष ने उन्हें हटाने के लिए देशव्यापी आंदोलन शुरू कर दिया है।

कांग्रेस मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव का मसौदा तैयार कर रही है, जिसे 29 सितंबर को होने वाली कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक में मंजूरी दिए जाने की संभावना है।

इसके बाद, इसे 30 सितंबर को होने वाली विपक्षी गठबंधन "इंडिया" की बैठक के सामने रखा जाएगा। बैठक में पिछले कई वर्षों के दौरान भाजपा और चुनाव आयोग द्वारा कथित तौर पर चुराए गए वोटों की संख्या पर चर्चा की जाएगी।

एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि ज्ञानेश कुमार देशद्रोह के लिए एकदम उपयुक्त मामला हैं, जो उन्होंने सरकार के शीर्ष दो नेताओं के समर्थन से किया है।

मोदी सरकार ने एक ऐसा कानून पारित किया था, जिसके तहत मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ कोई मामला दर्ज नहीं किया जा सकता। संभवतः सरकार को पूरी तरह से एहसास था कि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मुख्य स्कूल शिक्षा सचिव कृष्ण कुणाल के खिलाफ जमानती वारंट जारी

जयपुर, 26 सितंबर। राजस्थान हाईकोर्ट ने अदालत की ओर से जारी नोटिस तामील होने के बाद भी अदालत में स्वयं या अधिवक्ता के पेश नहीं होने पर नाराजगी जताई है। इसके साथ ही, अदालत ने आगामी सुनवाई पर उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए प्रमुख स्कूल शिक्षा सचिव को पांच हजार रुपए के जमानती वारंट से तलब किया है। जस्टिस अनुरूप सिंघी की एकलपीठ ने यह आदेश प्रदीप व अन्य की ओर से दायर अवमानना याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

- **नोटिस तामील होने के बाद भी वे स्वयं अथवा अधिवक्ता के द्वारा हाई कोर्ट में पेश नहीं हुए थे।**

सुनवाई के दौरान, राज्य सरकार की ओर से उपस्थित अधिवक्ता ने कहा कि मामले में पक्षकार बनाए गए प्रमुख

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पंजाब की राजनीति का 60 साल का अनुभव, पर भाजपा में उनसे राय नहीं ली जाती

पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा नेता अमरिंदर सिंह ने सार्वजनिक मंच से पीड़ा जाहिर की

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- **पूर्व क्रिकेटर बिशन सिंह बेदी पर लिखी गई पुस्तक "बिशन विद लव" के विमोचन के अवसर पर सिंह ने कहा, मैं पंजाब को लेकर अपनी पार्टी को सलाह देना चाहता हूँ, यह मेरा कर्तव्य है।**
- **वर्ष 2022 में कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुए कैप्टन अमरिंदर सिंह ने भाजपा छोड़ने की संभावना से इनकार किया।**

नई दिल्ली, 26 सितम्बर। वर्ष 2022 में भाजपा में शामिल हुए पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह इस बात से नाराज़ हैं कि पंजाब की राजनीति में छह दशक का अनुभव होने के बावजूद, पार्टी राज्य से जुड़े मामलों में उनकी राय नहीं लेती। उनकी यह टिप्पणी पंजाब में अगले विधानसभा चुनाव से कुछ महीने पहले आई है, जबकि भाजपा राज्य में जीत की उम्मीद कर रही है।

पंजाब के दो बार मुख्यमंत्री रह चुके सिंह ने कहा कि राज्य का कामकाज संभालने वाले भाजपा के कुछ पदाधिकारियों को पंजाब की राजनीति में एक साल भी पूरा नहीं हुआ है। इसके बावजूद, उन्होंने कहा कि पार्टी उनसे सलाह लेना जरूरी नहीं समझती, जबकि उन्होंने करीब 60 वर्षों तक पंजाब और उसके मामलों को करीब से देखा है।

सिंह ने कहा, "मैं और मेरे सहयोगी पंजाब की चुनावी राजनीति में 60 साल गुजार चुके हैं। हमने पंजाब को कई उथल-पुथल से गुजरते देखा है। हमने कई काम किए हैं। हम केवल इतना चाहते हैं कि भाजपा अनुभव पर आधारित हमारी राय ले और उसे महत्व दे।"

सिंह ने 2022 में अपनी पार्टी "पंजाब लोक कांग्रेस" का भाजपा में विलय कर दिया था। उन्होंने 2021 में कांग्रेस से मतभेद के बाद पार्टी छोड़ दी और अपनी पार्टी बनाई थी।

उनके यह बयान ऐसे समय में आए हैं, जब अटकलें लगाई जा रही हैं कि सिंह चुनाव से पहले कांग्रेस में वापस लौट सकते हैं। इस संभावना के बारे में पूछे जाने पर सिंह ने कहा कि राजनीतिक दल बदलते रहते हैं, लेकिन उन्होंने स्पष्ट किया कि वे भाजपा छोड़ने पर विचार नहीं कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, "मैंने यह नहीं कहा कि कांग्रेस या भाजपा में अब मेरी कोई प्रासंगिकता नहीं है। राजनीतिक दल बदलते रहते हैं। जब मैं कांग्रेस में था, तब, ऑपरेशन ब्लू स्टार के बाद, मैं अकाली दल में भी गया था और बाद में कांग्रेस में लौट आया था। इसका यह मतलब नहीं है कि अब मैं भाजपा छोड़कर किसी दूसरी पार्टी में चला जाऊंगा।"

सिंह ने बाद में दोहराया कि पंजाब को लेकर अपनी राय रखना, भाजपा सदस्य के रूप में, उनकी जिम्मेदारी का हिस्सा है।

पीटीआई की एक रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने कहा, "मैं अपनी पार्टी को यह बताना अपना कर्तव्य समझता हूं कि मैं पंजाब के बारे में क्या महसूस करता हूं। इसका यह मतलब नहीं है कि मैं पार्टी छोड़ रहा हूं।"

अपनी उम्र को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में सिंह ने कहा कि वे 84 वर्ष के हैं, लेकिन उन्होंने संकेत दिया कि उम्र का मतलब यह नहीं है कि

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ट्रंप ने ईरान का शांति प्रस्ताव ठुकराया

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 26 सितम्बर। खबरों के मुताबिक, राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने ईरान के सात दिन के युद्धविराम के प्रस्ताव को ठुकरा दिया है और अमेरिका में नवंबर में होने वाले मध्यावधि चुनावों के बाद, तेहरान पर फिर से बमबारी शुरू होने की संभावना है।

- **नवंबर में मध्यावधि चुनाव के बाद ईरान पर फिर से हमले किए जाने की संभावना है।**

तेहरान ने प्रस्ताव दिया था कि यदि अमेरिका उसकी मांगें मान लेता है तो रणनीतिक जलमार्ग होर्मुज़ स्ट्रेट को फिर से खोल दिया जाएगा और लड़ाई सात दिनों के भीतर समाप्त कर दी जाएगी। यह लड़ाई इस वर्ष 28 फरवरी को उस समय शुरू हुई थी, जब अमेरिका और इज़रायल ने ईरान पर संयुक्त हमले किए थे। ईरान के विदेश

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अमेरिका में राष्ट्रपति ट्रंप की लोकप्रियता 44 प्रतिशत से घटकर मात्र 37 प्रतिशत रह गई

एनजीआर/पीबीएस न्यूज़/मारिस्ट के इस सर्वे में पता चला है कि रजिस्टर्ड वोटर्स के बीच डैमोक्रेट्स को रिपब्लिकन्स पर 12 प्रतिशत की अच्छी बढ़त मिली है

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

- **इस सर्वे में ट्रंप की अप्रूवल रेटिंग मात्र 39 प्रतिशत है तथा 59 प्रतिशत लोगों ने उनके काम से असहमति जताई है और 53 प्रतिशत ने तो राष्ट्रपति के कार्यकाल को सख्त नापसंद करार दिया।**
- **ट्रंप, जिन्होंने अपने समर्थकों व पार्टी नेताओं से खुले तौर पर कहा था कि वे मिड टर्म चुनावों को राष्ट्रपति कार्यकाल पर जनमत संग्रह के रूप में देखें, इन नतीजों से अवश्य ही चिंतित हुए होंगे।**
- **मिड टर्म पोल में जनता, डैमोक्रेट्स तथा निर्दलीय प्रत्याशियों के प्रति भारी उत्साह दिखा रही है।**

नई दिल्ली, 26 सितम्बर। अमेरिका में 2026 के मिडटर्म चुनाव नजदीक आने के साथ, डॉनल्ड ट्रंप के लिए राजनीतिक चेतावनी की घंटी बज रही है। बढ़ती कीमतें, ईरान में युद्ध और उनके राष्ट्रपति कार्यकाल को लेकर बढ़ता असंतोष चुनावी माहौल को बदल रहा है। कांग्रेस पर नियंत्रण की लड़ाई में डेमोक्रेट्स को रिपब्लिकन से दोहरे अंकों की बढ़त मिल रही है।

एनपीआर/पीबीएस न्यूज़/मारिस्ट के एक नए सर्वेक्षण में उन पंजीकृत मतदाताओं के बीच डेमोक्रेट्स को 53 प्रतिशत और रिपब्लिकन को 41 प्रतिशत समर्थन मिला, जिनसे पूछा गया था कि वे कांग्रेस के लिए किस पार्टी के उम्मीदवारों को चुनना पसंद करेंगे। बारह अंकों की यह बढ़त मतदाताओं की सोच में महत्वपूर्ण बदलाव का संकेत देती है और कांग्रेस पर अपना नियंत्रण बनाए रखने की रिपब्लिकन पार्टी की उम्मीदों पर दबाव डालती है।

14-15 सितंबर को 1,280 लोगों के बीच किए गए इस सर्वेक्षण में यह भी पाया गया कि डेमोक्रेट्स उन मुद्दों पर भी बढ़त बना रहे हैं, जो परंपरागत रूप से रिपब्लिकन पार्टी के चुनावी मुद्दों का महत्वपूर्ण हिस्सा रहे हैं, जैसे, अर्थव्यवस्था, इमिग्रेशन, ईंधन की कीमतें और विदेश नीति।

ट्रंप की अप्रूवल रेटिंग केवल 39 प्रतिशत है, जबकि 59 प्रतिशत लोग उनके कामकाज से सहमत नहीं हैं। इससे भी अधिक चौंकाने वाली बात यह है कि 53 प्रतिशत लोग उनके राष्ट्रपति कार्यकाल को बिल्कुल भी पसंद नहीं करते। 2017 में जब से इस सर्वेक्षण ने इस पैमाने को ट्रैक करना शुरु किया है, तब से यह अब तक का सबसे ऊँचा स्तर है। उनकी कुल लोकप्रियता भी जनवरी 2025 के 44 प्रतिशत से घटकर अब 37 प्रतिशत रह गई है।

राष्ट्रपति की राजनीतिक स्थिति कांग्रेस की चुनावी लड़ाई को तेजी से प्रभावित कर रही है। ट्रंप ने खुले तौर पर रिपब्लिकन नेताओं और समर्थकों से कहा है कि वे मिडटर्म चुनावों को उनके राष्ट्रपति कार्यकाल पर जनमत संग्रह की तरह देखें। उन्होंने इस महीने की शुरुआत में डैलस में हुए एक सम्मेलन में पार्टी सदस्यों से कहा था कि वे बैलट पेपर पर उन्हें ही उम्मीदवार मानें।

पोल से पता चलता है कि मतदाताओं ने इस बात को गंभीरता से लिया है। 45 प्रतिशत लोगों ने कहा कि कांग्रेस के लिए उनका वोट मुख्य रूप से ट्रंप के खिलाफ होगा। इनमें पाँच में से लगभग चार डेमोक्रेट्स और करीब आधे स्वतंत्र मतदाता शामिल हैं। लगभग एक चौथाई लोगों ने कहा कि उनका वोट राष्ट्रपति का समर्थन करने के लिए होगा। इस समूह में अधिकतर रिपब्लिकन और 2024 में ट्रंप को वोट देने वाले लोग हैं। लगभग एक-तिहाई लोगों ने कहा कि उनके फैसले में ट्रंप कोई बड़ा कारण नहीं हैं।

डेमोक्रेट्स को मतदाताओं के उत्साह और निर्दलीय मतदाताओं के समर्थन में भी बढ़त मिलती दिख रही है। रिपब्लिकन झुकाव वाले वोटरों के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मुख्यमंत्री रविवार को फिरोजपुर जाएंगे

जयपुर, 26 सितम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा रविवार को जयपुर में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम को सुनेंगे। इसके बाद, वे पंजाब दौरे के लिए रवाना होंगे, जहां वे फिरोजपुर जिले के गुरु हरसहाय विधानसभा क्षेत्र में गुरुनानक चौक पर दोपहर पौने 2 बजे "नशा विरोधी यात्रा-नशा मुक्त पंजाब" के तहत जनसभा को संबोधित करेंगे। इसके बाद वे फिरोजपुर ग्रामीण विधानसभा क्षेत्र में चपाती चौक, ममदोट में दोपहर 3 बजे नशा विरोधी यात्रा-नशा मुक्त पंजाब के तहत जनसभा को संबोधित करेंगे।

- **वे नशा विरोधी यात्रा की जनसभा को संबोधित करेंगे।**

बयाना क्षेत्र में वन विभाग की टीम पर खनन माफिया ने हमला किया, फॉरेस्टर घायल

हमले में कोट नाके के फॉरेस्टर भगवान सिंह के पैर में फ्रैक्चर आया है, हवाई फायरिंग भी की

भरतपुर, (निसं)। जिले के बयाना क्षेत्र में खनन माफिया के हौसले एक बार फिर बेखौफ नजर आए। कौड़ापुरा गांव के पास डांग इलाके की पाट की खिरकारी में अवैध खनन के खिलाफ कार्रवाई करने पहुंची वन विभाग की टीम पर खनन माफियाओं ने हमला कर दिया। हमले में कोट नाके के फॉरेस्टर भगवान सिंह गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनके पैर में फ्रैक्चर आया है। अन्य वनरक्षक भी चोटिल हुए हैं। वन विभाग की गाड़ियों को भी क्षतिग्रस्त किया गया है।

- कौड़ापुरा गांव के पास डांग इलाके की पाट की खिरकारी में अवैध खनन के खिलाफ कार्रवाई करने पहुंची थी वन विभाग की टीम
- जानलेवा हमले में अन्य वनरक्षक भी चोटिल हुए हैं, वन विभाग की गाड़ियों को भी क्षतिग्रस्त किया गया है

जानकारी के अनुसार वन विभाग को डांग इलाके में अवैध खनन की सूचना मिली थी। सूचना पर टीम मौके पर पहुंची और अवैध खनन में प्रयुक्त एक कंप्रेसर जब्त कर वापस लौट रही थी। तभी बीच रास्ते में करीब 50 की संख्या में एकराय होकर आए खनन माफियाओं ने टीम को घेर लिया और पथराव शुरू कर दिया। आरोप है कि माफियाओं ने हवाई फायरिंग भी की, जिससे इलाके में दहशत फैल गई।

घायल फॉरेस्टर भगवान सिंह ने बताया कि हमलावरों ने उनके पैर पर पत्थर मारकर घायल कर दिया। पहले उन्हें बयाना अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों ने पैर में गंभीर चोट देखते हुए उन्हें भरतपुर के आरबीएम अस्पताल रेफर कर दिया। फिलहाल उनका उपचार आरबीएम अस्पताल में चल रहा है। अन्य घायल वनकर्मियों का भी इलाज जारी है। वन विभाग की ओर से गढ़ी बाजना थाने में मामला दर्ज करा दिया गया है।

घटना की सूचना मिलते ही गढ़ी बाजना थाना पुलिस मौके पर पहुंची। बयाना एएसपी रामगोपाल बसवाल भी घटनास्थल पर पहुंचे और हालात का जायजा लिया। पुलिस ने डांग इलाके में आरोपियों की तलाश के लिए सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है, लेकिन अभी तक किसी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है।

गौरतलब है कि भरतपुर संभाग में अवैध खनन लंबे समय से गंभीर समस्या बना हुआ है। कार्रवाई करने जाने वाली टीमों पर हमले की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। वन विभाग के अधिकारियों का कहना है कि दोषियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। वहीं स्थानीय लोगों ने भी प्रशासन से खनन माफिया पर नकेल कसने की मांग की है।

अवैध मादक पदार्थ एमडीएमए तथा डोडा-पोस्त बरामद

दो अलग-अलग मामलों में पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया

जालोर, (निसं)। नशे के कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) ने बालोतरा और हनुमानगढ़ जिले में कार्रवाई करते हुए 229 ग्राम अवैध मादक पदार्थ एमडीएमए तथा 18.260 किलोग्राम डोडा-पोस्त बरामद किया है। दोनों मामलों में पुलिस ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

एएनटीएफ के अनुसार पहली कार्रवाई में जालोर व बालोतरा जिले के धोरीमन्ना थाना क्षेत्र में एएनटीएफ टीम ने स्थानीय पुलिस के सहयोग से कार्रवाई की। सूचना के आधार पर एनएच-68 के पास एक युवक को संदिग्ध परिस्थितियों में पकड़ा गया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 229 ग्राम अवैध मादक पदार्थ एमडीएमए बरामद हुआ। पुलिस ने आरोपी जगदीश कुमार पुत्र चुन्नीलाल विश्नोई, निवासी बरसल की बेरी, थाना चितलवाना, जिला जालोर, हाल मेडजी, थाना सेडवा क्षेत्र को गिरफ्तार किया।

दूसरी कार्रवाई हनुमानगढ़ जिले के पीलीबंगा थाना क्षेत्र में की गई। एएनटीएफ को सूचना मिली थी कि तीन युवक पीठ पर बैग लेकर बस अड्डा पीलीबंगा की ओर जा रहे हैं। सूचना पर स्थानीय पुलिस के साथ संयुक्त कार्रवाई की गई। बस अड्डा परिसर में तलाशी के दौरान तीनों युवक मौके पर नहीं मिले। पुलिस ने आसपास तलाश की तो तीनों युवक पीठ पर बैग लेकर रेलवे रोड की ओर जाते दिखाई दिए। पुलिस को देखकर युवकों ने गली में घुसने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस ने पीछा कर उन्हें पकड़ लिया। पूछताछ में आरोपियों की पहचान सुखजीत सिंह, सुखविन्द्र सिंह तथा अरमान सिंह उर्फ अनमोल के रूप में हुई। तीनों की पीठ पर रखे बैग की तलाशी लेने पर 18.260 किलोग्राम अवैध डोडा-पोस्त बरामद हुआ। एएनटीएफ अधिकारियों के अनुसार दोनों मामलों में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

लोहावट तहसील के बीडीओ के घर में एसीबी को डेढ़ करोड़ का सोना मिला

बीकानेर, (निसं)। फलोदी जिले की लोहावट तहसील के विकास अधिकारी नारायण सुथार के बीकानेर स्थित घर से एसीबी को एक किलो सोना मिला। इसके अलावा जयपुर में दो प्लॉट के डॉक्यूमेंट मिले हैं, जो पिता के नाम से लिए हुए हैं।

एसीबी ने भीनासर चेकिंग पॉइंट पर बीडीओ की कार से 8.14 लाख रुपए बरामद किए थे। इसके बाद एसीबी ने विश्वकर्मा क्षेत्र स्थित उनके घर पर सर्च किया था। शाम सात बजे से शुरू हुई छापेमारी रात एक बजे तक चली। एसीबी की स्थानीय चौकी ने पूरे मामले की रिपोर्ट जयपुर मुख्यालय भेज दी है। अब मुख्यालय से जांच अधिकारी नियुक्त किया जाएगा। बीडियो के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति का मामला दर्ज किए जाने की प्रक्रिया चल रही है।

- एसीबी को जयपुर में दो प्लॉट के डॉक्यूमेंट भी मिले हैं, जो पिता के नाम से लिए हुए हैं
- एसीबी ने भीनासर चेकिंग पॉइंट पर बीडीओ की कार से 8.14 लाख रु. बरामद किए थे, बाद में जांच की
- बीडियो के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति से जुड़े मामले में कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू की गई है

एसीबी के एएसपी आशीष कुमार ने बताया कि एसीबी को शुक्रवार शाम को सूचना मिली थी कि फलोदी जिले की लोहावट तहसील के बीडीओ नारायण सुथार की गाड़ी में करीब 8 लाख रुपए की नकदी है। इसके आधार पर एसीबी टीम ने भीनासर के पास ट्रैफिक पॉइंट पर गाड़ियों की जांच शुरू की। चेकिंग के दौरान बीडीओ नारायण सुथार की कार वहां पहुंची, जिसे एसीबी टीम ने रोककर तलाशी ली। तलाशी में एक बैग से 8 लाख 14 हजार रुपए बरामद हुए। पूछताछ में बीडीओ ने बताया कि ये रुपए उनके एक दोस्त के हैं, जो किसी को देने के लिए जा रहा था। हालांकि उनके इस दावे से एसीबी संतुष्ट नहीं हुई। इसके बाद उनके घर पर भी सर्च किया गया, जहां से 1 किलो सोना मिला, जिसकी अनुमानित कीमत करीब डेढ़ करोड़ रुपए है। इसके अलावा टीम को जयपुर में 2 प्लॉट के दस्तावेज भी मिले। इनकी कीमत का आकलन किया जा रहा है। एसीबी के एएसपी आशीष कुमार ने बताया कि बीडियो नारायण सुथार रात को कार से मिले रुपयों को लेकर कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सके। घर से मिले एक किलो सोने और प्लॉट के दस्तावेजों को लेकर भी संतोषजनक जानकारी नहीं दी है। ऐसे में मामले की विस्तृत जांच के लिए जांच अधिकारी नियुक्त किया जाएगा।

एबीसी ने बताया कि यह कार्रवाई अचानक निरीक्षण के तहत की गई थी। इसी कारण बीडियो नारायण सुथार को डिटेन किया गया था, उनकी गिरफ्तारी नहीं की गई थी। आवश्यकता पड़ने पर एसीबी की ओर से आगे की कार्रवाई की जाएगी। एएसपी आशीष कुमार ने बताया कि पूरे मामले की रिपोर्ट जयपुर स्थित मुख्यालय को भेजी गई है। मुख्यालय स्तर से जांच अधिकारी तय होने के बाद मामले की आगे की जांच की जाएगी। फिलहाल बीडियो के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति से जुड़े मामले में कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू की गई है।

जोधपुर की फैक्टरी में लगी आग में झुलसे एक फायर फाइटर की मौत

जोधपुर, (कासं)। बासनी औद्योगिक क्षेत्र में श्रमिक कॉलोनी स्थित एक केमिकल फैक्टरी में गत बुधवार शाम को हुई आगजनी की घटना में झुलसे एक फायर फाइटर प्रीतेश प्रजापत की सुबह एमजीएच में मौत हो गई। उसकी मौत की खबर फैलते ही परिजनों में आक्रोश फैल गया और शव को उठाने से इंकार कर दिया। इधर सुबह केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने एमजीएच पहुंचकर घायलों की कुशलक्षेम पूछने के साथ उनके परिजन से मुलाकात की। शेखावत के अस्पताल पहुंचने के समय अस्पताल अधीक्षक फतेहसिंह भाटी और स्टाफ भी मौजूद रहा। वहीं आवश्यक दिशा निर्देश भी केंद्रीय मंत्री ने दिए।

- फैक्टरी में आग के दौरान केमिकल से भरे ड्रमों में ब्लास्ट से फायर ब्रिगेड के 14 कर्मचारी झुलस गए थे
- महात्मा गांधी हॉस्पिटल में भर्ती अन्य सात लोगों में 3 वेंटिलेटर और 4 ऑक्सीजन पर हैं

जानकारी के अनुसार आग में झुलसे छह फायर फाइटर्स को गुरूवार को ग्रीन कॉरिडोर बनाकर जयपुर भेजा गया था। गत बुधवार शाम को फैक्टरी में आग के दौरान केमिकल से भरे ड्रमों में ब्लास्ट से फायर ब्रिगेड के 14 कर्मचारी झुलस गए थे। इनमें से 6 फायर फाइटर्स को ग्रीन कॉरिडोर बनाकर एंबुलेंस से महात्मा गांधी हॉस्पिटल से जयपुर के एसएमएस अस्पताल भेजा गया है। एंबुलेंस में हर मरीज के साथ एक-एक डॉक्टर और एक-एक नर्सिंग स्टाफ मौजूद रहा। इधर फैक्टरी मालिक के पुत्र को बासनी पुलिस ने शांतिभंग में गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इस संबंध में मानव जीवन संकट में डालने का केस दर्ज किया था।

महात्मा गांधी हॉस्पिटल के सुपरिंटेंडेंट डॉक्टर फतेहसिंह भाटी ने बताया कि अभी 12 लोगों का इलाज चल रहा है। मोहम्मद हनीफ, प्रकाश, जोगाराम, आशिक खान, प्रेम तम्बोली और अविनाश को जयपुर भेजा गया है। वहीं महात्मा गांधी हॉस्पिटल में भर्ती अन्य सात लोगों में 3 वेंटिलेटर और 4 ऑक्सीजन पर हैं। जब झुलसे हुए 6 फायर फाइटर्स को शिफ्ट किया जा रहा है, उस दौरान इनमें से एक की मां बेसुध हो गई।

थानाधिकारी नितिन दवे ने बताया कि आगजनी की घटना के बाद फैक्टरी मालिक चौपासनी हाउसिंग बोर्ड सेक्टर 11 निवासी स्पर्श पुत्र राजेंद्र को फिलहाल शांतिभंग में पकड़ा गया है। श्रमिक कॉलोनी में आवासीय क्षेत्र में इस फैक्टरी को संचालित किया जा रहा था। आरोपी का पिता फरार है और बेटा पुलिस अभिरक्षा में चल रहा है।

हैंडीक्राफ्ट फैक्टरी में आग के दौरान केमिकल से भरे ड्रमों में ब्लास्ट के बाद आसपास रहने वाले लोगों को घर खाली कर रिश्तेदारों के यहां जाना पड़ा है। रात रिश्तेदारों के ही बिताई। गुरुवार सुबह लोग घरों पर वापस आए तो आसपास के इलाकों में केमिकल की गंध इतनी ज्यादा है कि घर के पास खड़े भी नहीं हो पाए। परिवारों को वापस रिश्तेदारों के पास भेजना पड़ा। वहीं घटना के आसपास के करीब 20 मकानों को खाली करवाया गया है। आग की वजह से फैक्टरी से सटे मकानों की दीवारों में दरारें आ गई। ब्लास्ट इतना भयंकर था कि फैक्टरी के आरसीसी की छत तक टूटकर गिर गई। आग लगने के बाद सभी घरों को खाली करवा दिया गया था।

निर्माणाधीन मकान में युवक ने आत्महत्या की

डूंगरपुर, (निसं)। जिले के रामसागडा गांव में एक युवक ने निर्माणाधीन मकान में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना मिलने पर रामसागडा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को मोर्चरी में रखवाया और पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया।

रामसागडा निवासी मगन खाट ने बताया कि उनके छोटे बेटे ईश्वर ने अपने निर्माणाधीन मकान में बल्ली पर फंदा लगाकर जान दे दी। ईश्वर सड़क किनारे बने अलग मकान में परिवार के साथ रहता था। उसकी शादी नहीं हुई थी। घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीण जमा हो गए। पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से शव को नीचे उतारा और एंबुलेंस से जिला अस्पताल की मोर्चरी पहुंचाया। पिता की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर लिया गया है।

रामसागडा थाना के एएसआई विद्याशंकर ने बताया कि आत्महत्या के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

भारत-अमेरिका युद्ध अभ्यास में स्काई स्टाइकर ने दुश्मनों के ठिकाने उड़ाए

''युद्ध अभ्यास-2026'' भारत-अमेरिका संयुक्त सैन्य अभ्यास का 22वां संस्करण है

बीकानेर, (निसं)। जिले के महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में भारत और अमेरिकी आर्मी के बीच "युद्ध अभ्यास-2026" चल रहा है। इसमें नई टैक्नोलोजी, ड्रोन और दुश्मन के ठिकाने पर सटीक प्रहार की क्षमताओं का प्रदर्शन किया जा रहा है। अभ्यास के दौरान लोइटरिंग म्युनिशन ने महाजन रेंज में निर्धारित लक्ष्य पर सटीक प्रहार कर अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया।

यह लक्ष्य क्षेत्र के ऊपर उड़ते हुए निर्धारित क्षेत्र में निगरानी कर सकता है। ऑपरेटर/सिस्टम लक्ष्य को निर्धारित करता है। सटीक हमला स्काई स्टाइकर लक्ष्य की ओर तेजी से बढ़ता है और वारहेड के जरिए प्रहार करता है। हमला करने के बाद सिस्टम वापस नहीं लौटता। ये मानवरहित प्रणाली है, इससे दुश्मन के ठिकाने पर सटीक लक्ष्य भेजा जा सकता है। लक्ष्य क्षेत्र में कुछ समय तक मंडराने की क्षमता है। पारंपरिक हथियारों की तुलना में लक्ष्य के बेहद करीब जाकर हमला करने की क्षमता है। युद्ध अभ्यास-2026 में महाजन फील्ड फायरिंग रेंज पर इसका प्रदर्शन इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि इससे भारतीय सेना के अभ्यास में आधुनिक मानवरहित और सटीक प्रहार वाली तकनीक के इस्तेमाल को प्रदर्शित किया गया। इस वर्ष के युद्ध अभ्यास में तकनीक को खास महत्व दिया गया है। महाजन रेंज में आधुनिक हथियार प्रणालियों के प्रदर्शन के साथ ड्रोन और ऑटोनॉमस सिस्टम के जरिए निगरानी, लक्ष्य पहचान और युद्धक्षेत्र में प्रतिक्रिया की क्षमताओं का अभ्यास किया जा रहा है।

"युद्ध अभ्यास-2026" भारत-अमेरिका संयुक्त सैन्य अभ्यास का 22वां संस्करण है। इसकी शुरुआत 15 सितंबर को हुई थी और अभ्यास उत्तराखंड के औली और राजस्थान की महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में एक साथ चल रहा है।

दोनों देशों के करीब 600-600 सैन्यकर्मी इसमें भाग ले रहे हैं। अभ्यास का उद्देश्य दोनों सेनाओं के बीच इंटरऑपरेबिलिटी, संयुक्त योजना और कई परिस्थितियों में समन्वित सैन्य अभियानों की क्षमता को मजबूत करना है। महाजन में चल रही गतिविधियों में आर्टिलरी फायरिंग से लेकर रॉकेट सिस्टम, अटैक हेलीकॉप्टर, एयर डिफेंस और ड्रोन-विरोधी प्रणालियों तक का संयुक्त इस्तेमाल दिखाई दे रहा है। सटीक प्रहार इसी तकनीक-केंद्रित प्रशिक्षण का एक प्रमुख प्रदर्शन रहा।

सूने मकान से लाखों के जेवर और नगदी चोरी

जोधपुर, (कासं)। शहर के प्रतापनगर सदर थाना क्षेत्र में सूने मकान में चोरों ने सैंध लगाकर लाखों के जेवरात, नगदी, लैपटॉप और मोबाइल चोरी कर ले गए। घर की मालकिन की तरफ से इस बारे में अब पुलिस में मामला दर्ज कराया गया है।

प्रतापनगर सदर पुलिस ने बताया कि सी-60 महालक्ष्मी स्कूल के नजदीक रहने वाली नीलू दइया पत्नी चंद्र प्रकाश भाटी की तरफ से रिपोर्ट दी गई। इसमें बताया कि 19 से 25 सितंबर के बीच उसका घर सूना था। इस बीच अज्ञात चोरों ने घर में सैंध लगाकर वहां से सोने के कंगन, चेन, लूंग जोड़ी, चांदी की पायल, कंगन और च्लास आदि के साथ दो मोबाइल, एक लेपटॉप और कुछ नगदी चोरी कर ले गए। घटना को लेकर पुलिस ने मौका मुआयना किया और आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज से चोरों की पहचान के साथ तलाश आरंभ की है। प्रतापनगर सदर थानाधिकारी सुंदरकला की तरफ से जांच की जा रही है।

सीएम ने पंचायत चुनाव को लेकर प्रतापगढ़ में कार्यकर्ताओं की बैठक ली

पंचायत चुनाव में शत प्रतिशत जीत के लक्ष्य के साथ जुटें कार्यकर्ता : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

प्रतापगढ़ में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कार्यकर्ताओं को संबोधित किया।

प्रतापगढ़/जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के संगठन की शक्ति कार्यकर्ताओं में निहित है। कार्यकर्ताओं की संकल्प, समर्पण और मेहनत के बल पर ही बीजेपी को निकाय चुनाव में शानदार जीत मिली है और अब आगामी पंचायत चुनाव में शत प्रतिशत जीत के लक्ष्य के साथ काम करना है। प्रत्येक ग्राम पंचायत, पंचायत समिति एवं जिला परिषद वार्ड में भाजपा की जीत सुनिश्चित करने के लिए कार्यकर्ता अभी से पूरी ताकत के साथ जुट जाएं।

मुख्यमंत्री शनिवार को प्रतापगढ़ में भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि संगठन के वरिष्ठ कार्यकर्ताओं, जनप्रतिनिधियों एवं पार्टी पदाधिकारियों को सक्रिय भूमिका निभाते हुए चुनावी रणनीति की कमान संभालनी होगी। ग्राम पंचायत, पंचायत समिति और जिला परिषद वार्ड की जिम्मेदारी तय करते हुए कार्यकर्ताओं को क्षेत्र में सक्रिय किया जाए। नगरीय निकायों में निर्वाचित जनप्रतिनिधियों के साथ-साथ वरिष्ठ कार्यकर्ताओं को भी पंचायत चुनाव की जिम्मेदारियां दी जाएं, ताकि संगठन की पूरी शक्ति के साथ चुनावी मैदान में उतरकर प्रत्येक सीट पर जीत का लक्ष्य हासिल किया जा सके।

उन्होंने कहा कि भाजपा में संगठन के सामान्य कार्यकर्ता को भी आगे बढ़ने का अवसर मिलता है। उन्होंने अपने संबोधन में पार्टी के विभिन्न वरिष्ठ नेताओं के राजनीतिक सफर का उल्लेख करते हुए कहा कि अनेक नेता कार्यकर्ता के रूप में संगठन में सक्रिय रहे और आगे चलकर विधायक, सांसद एवं मंत्री बने। यही भाजपा संगठन की विशेषता है कि समर्पित कार्यकर्ता को आगे बढ़ने का अवसर मिलता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में वन स्टेट, वन इलेक्शन की दिशा में आगे बढ़ने से बार-बार होने वाले चुनावों में लगने वाला समय और संसाधन बचेंगे तथा सरकार एवं प्रशासन को विकास कार्यों पर अधिक समय देने का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा कि बार-बार चुनाव होने से सरकारी मशीनरी और सार्वजनिक संसाधनों पर अतिरिक्त भार पड़ता है। एक साथ चुनाव होने से बचने वाले संसाधनों का उपयोग विकास कार्यों में किया जा सकेगा।

अलवर मेडिकल कॉलेज की मैस में 70 किलो खाद्य सामग्री में इल्लियां मिलीं

खाद्य सामग्री में इल्लियां मिलने के बाद टीम ने सामान को मौके पर ही नष्ट करवा दिया

अलवर, (निसं)। अलवर के राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय की मैस में जांच के दौरान करीब 70 किलो खाद्य सामग्री में इल्लियां मिलीं। साफ-सफाई की स्थिति संतोषजनक नहीं मिली, जिसके चलते मैस संचालक को नोटिस दिया गया।

जानकारी के अनुसार अलवर स्वास्थ्य विभाग की ओर से राजकीय और निजी अस्पतालों के अंदर और आसपास चल रहे रेस्टोरेंट व अन्य खाद्य प्रतिष्ठानों की लगातार जांच की जा रही है। इसी अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने शुक्रवार को जेल सर्किल स्थित राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय की मैस का निरीक्षण किया। जांच के दौरान मैस में रखी खाद्य सामग्री की स्थिति देखकर टीम भी हैरान रह गई।

अलवर के चिकित्सा महाविद्यालय की मैस में आटा, मैदा, बेसन और मूंग दाल में इल्लियां मिलीं।

- जांच के दौरान मैस में फंगस लगी पुरानी ब्रेड और पाव भी मिले, टीम ने इन्हें भी मैस से हटवाया
- खाद्य सुरक्षा टीम ने वहां इस्तेमाल किए जा रहे सोयाबीन तेल और मसाले के एक-एक नमूने लिए

सीएमएचओ डॉ. योगेन्द्र शर्मा ने बताया कि खाद्य सुरक्षा अधिकारी दल ने मैस में रखे खाने-पीने के सामान की जांच की। इस दौरान करीब 70 किलो आटा, मैदा, बेसन, अरहर दाल और मूंग दाल में इल्लियां मिलीं। खाद्य सामग्री में इल्लियां मिलने के बाद टीम ने इन सभी सामान को मौके पर ही नष्ट करवा दिया, ताकि इनका इस्तेमाल खाने में न किया जा सके। जांच के दौरान मैस में फंगस लगी पुरानी ब्रेड और पाव भी मिले। टीम ने इन्हें भी मैस से हटवाया और मौके पर ही नष्ट करा दिया। इसके अलावा खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने वहां इस्तेमाल किए जा रहे सोयाबीन तेल और मसाले के एक-एक नमूने लिए। दोनों नमूनों को जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा गया है। रिपोर्ट आने के बाद खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता को लेकर स्थिति और साफ होगी।

निरीक्षण के दौरान मैस में साफ-सफाई की व्यवस्था भी संतोषजनक नहीं मिली। खाद्य सुरक्षा टीम ने इस पर मैस संचालक को नोटिस जारी किया है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से अस्पतालों और उनके आसपास खाद्य सामग्री की गुणवत्ता और साफ-सफाई को लेकर इस तरह की जांच आगे भी जारी रहने की बात कही गई है।

टेल्को सर्किल के समीप एक रेस्टोरेंट की किचन में भी साफ-सफाई ठीक नहीं मिली। संचालक को नोटिस देने के साथ रेस्टोरेंट से सर्विलांस के तहत दो नमूने लिए गए। भगत सिंह सर्किल के पास एक रसोई से सोयाबीन तेल तथा आसपास के ढाबों से लाल मिर्च पाउडर और दही के नमूने जांच के लिए लिए गए। संबंधित प्रतिष्ठानों को साफ-सफाई सुधारने के लिए इम्प्रूवमेंट नोटिस जारी किए गए। इस दौरान केशव गोयल, विश्व बंधु गुप्ता, जयसिंह यादव, अशोक लखेरा, नीरज रावत, अंजली मीणा, अलका, नितेश और राजेश पूनिया मौजूद रहे।

हादसे में व्याख्याता की मौत

पाटन, (निसं)। जीलो-नीमकाथाना मार्ग पर रामनगर के पास हुए दर्दनाक सड़क हादसे में श्यामपुरा राजकीय विद्यालय के भौतिक विज्ञान के व्याख्याता नरेश सैनी (37) की मौत हो गई। हादसे की खबर से शिक्षा जगत और क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई।

जानकारी के अनुसार नरेश सैनी विद्यालय में छुट्टी होने के बाद मोटरसाइकिल से अपने घर नीमकाथाना छावनी लौट रहे थे। इसी दौरान रामनगर के पास टाटा 407 वाहन ने उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद नरेश सैनी गंभीर रूप से घायल हो गए। आसपास के लोगों ने उन्हें उपचार के लिए राजकीय अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। साथी शिक्षकों के अनुसार नरेश सैनी सामान्य तौर पर क्रेटा गाड़ी से विद्यालय आना-जाना करते थे, लेकिन हादसे वाले दिन वह मोटरसाइकिल से स्कूल गए थे। नरेश सैनी मूल रूप से सिरोही, नीमकाथाना के रहने वाले थे और पिछले करीब 40 वर्षों से नीमकाथाना छावनी में रह रहे थे।

नरेश सैनी के पिता झाबरमल सैनी टाइल मिस्त्री का कार्य करते हैं। नरेश सैनी अपने पीछे माता-पिता, पत्नी, दो बेटियां तथा एक दो वर्षीय बेटे को छोड़ गए हैं। उनकी बेटियों की उम्र छह और चार वर्ष बताई गई है।हादसे की सूचना मिलते ही विद्यालय परिवार, साथी शिक्षक और क्षेत्रवासी राजकीय अस्पताल पहुंचे। नरेश सैनी के आकस्मिक निधन से शिक्षा जगत में गहरा शोक व्याप्त है।

नाबालिग ने की आत्महत्या

तारानगर, (निसं)। तारानगर कस्बे के एक निजी स्कूल में अध्ययनरत 16 वर्षीय नाबालिग ने शिक्षक की प्रताड़ना से तंग आकर हॉस्टल के कमरे में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना को लेकर पिता की ओर से शिक्षक के खिलाफ प्रताड़ना का मामला दर्ज करवाया है।

पुलिस ने अनुसार नोपाराम पुत्र हीराराम मेघवाल निवासी दलूसर, भानीपुरा थाना ने रिपोर्ट दी कि उसका पुत्र तरुण (16) जो टैगोर स्कूल में कक्षा 12 में अध्ययनरत था और गुरुदेव छात्रावास में रह रहा था। स्कूल के गणित विषय के अध्यापक मुकेश पूनिया निवासी ढाणी पूनिया तहसील राजगढ़ आए दिन खुद के हॉस्टल में ले जाने के उद्देश्य से बार बार प्रताड़ित करता था।

सेंट्रल पार्क से मर्सडीज़ कार सवार सीए का अपहरण करने वाला बदमाश गिरफ्तार

बदमाशों ने फिरौती वसूलने के लिए चाकू व नकली पिस्टल की नोंक पर किया था अपहरण

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। अशोक नगर थाना क्षेत्र स्थित सेन्ट्रल पार्क से मर्सिडीज सवार चार्टर्ड अकाउंटेंट का अपहरण करने के सनसनीखेज मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने वारदात में शामिल मुख्य और फरार चल रहे आरोपी वीर प्रताप सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी पर पुलिस की ओर से 20 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था।

10 सितंबर की सुबह राजीव गुप्ता सेन्ट्रल पार्क में मॉर्निंग वॉक के लिए आए थे। इसी दौरान दो बदमाशों ने चाकू और नकली पिस्टल की नोक पर उन्हीं की मर्सिडीज कार में उनका अपहरण कर लिया। आरोपी उन्हें फिरौती की नीयत से शहर से बाहर किसी सुनसान जगह ले जा रहे थे। तभी चलती कार में जब पीड़ित राजीव गुप्ता ने बदमाशों के चंगुल से छूटने की कोशिश की, तो आरोपियों ने उनसे मारपीट की और उनकी आंख-मुंह बांधने का प्रयास किया। अपनी जान बचाने के लिए पीड़ित ने चलती कार का स्टीयरिंग घुमा दिया, जिससे

गिरफ्तार आरोपी वीर प्रताप सिंह

अनियंत्रित होकर मर्सिडीज सड़क किनारे गड्ढे में जा गिरी। हादसे के बाद आसपास के लोगों

- जयपुर से फरार होते समय आमेर क्षेत्र में कार अनियंत्रित होकर गड्ढ़े में जा गिरी थी, लेकिन आरोपी फरार हो गए थे
- इस घटना के बाद पुलिस ने आरोपी पर 20 हजार रु. इनाम घोषित किया था
- हरिद्वार और जम्मू-कश्मीर में छिपकर फरारी काट रहा था आरोपी

को आता देख दोनों बदमाश पास के जंगलों और पहाड़ियों की तरफ भाग निकले। भागने के दौरान बदमाशों ने एक बाइक सवार को भी टक्कर मारी थी।

घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण के निर्देशन में विशेष टीमों का गठन किया गया। पुलिस ने सेन्ट्रल पार्क, दिल्ली रोड, आमेर, ब्रह्मपुरी, ट्रांसपोर्ट नगर और आगरा रोड सहित दर्जनों इलाकों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले।

तकनीकी अनुसंधान और मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने 18 सितंबर को वारदात के मास्टरमाइंड चेतन शर्मा समेत तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया था।

मामले में शामिल आरोपी वीर प्रताप सिंह (22), निवासी आगरा (उत्तर प्रदेश), घटना के बाद से ही पुलिस को चकमा देकर फरार चल रहा था। पुलिस से बचने के लिए वह जम्मू-कश्मीर, हरिद्वार और आगरा में ठिकाने बदल-बदल कर छिपा रहा। 25 सितंबर को आरोपी के आगरा रोड जामडोली, स्थित पुरानी चुंगी आने की सटीक सूचना मिलते ही अशोक नगर थाना पुलिस और डीएसटी दक्षिण की टीम ने घेराबंदी कर उसे दबोच लिया। फिलहाल पुलिस आरोपी से आगे की पूछताछ कर रही है।

सिम बंद कराने के बावजूद खाते से 1.24 लाख रु.पार

जयपुर। मालपुरा गेट थाना क्षेत्र में मोबाइल चोरी के बाद सिम बंद कराने और डुप्लीकेट सिम जारी करवाने के बावजूद बैंक खाते से 1.24 लाख रुपए यूपीआई के जरिए निकालने का मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। राधा बल्लभ मार्ग निवासी दिव्या छीपा ने पुलिस को बताया कि 14 सितंबर को वह सेक्टर-35 स्थित बाजार में सब्जी खरीदने गई थीं। भीड़ का फायदा उठाकर अज्ञात व्यक्ति उनकी जेब से मोबाइल चोरी कर ले गया। मोबाइल चोरी होने की जानकारी मिलते ही उन्होंने कस्टमर केयर पर संपर्क कर तत्काल सिम ब्लॉक करवा दी, ताकि उसका दुरुपयोग नहीं हो सके। दिव्या के अनुसार, 15 सितंबर को उन्होंने सर्विस सेंटर जाकर उसी नंबर की डुप्लीकेट सिम भी जारी करवा ली। इसके बावजूद 17 सितंबर को उनके मोबाइल पर बैंक खाते से यूपीआई के माध्यम से 1.24 लाख रुपए निकाले जाने के मैसेज आए। रकम निकलने की जानकारी मिलते ही उन्होंने पुलिस से शिकायत की। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि सिम बंद होने और डुप्लीकेट सिम जारी होने के बावजूद आरोपियों ने बैंक खाते और यूपीआई तक पहुंच कैसे बनाई।

नाबार्ड अध्यक्ष डॉ. शाजी कृष्णन ने मुख्य सचिव से मुलाकात की

जयपुर (कासं)। राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) के अध्यक्ष डॉ. शाजी कृष्णन वी. ने राजस्थान सरकार के मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास (आईएएस) से मुलाकात कर ग्रामीण विकास को गति देने पर उच्चस्तरीय चर्चा की। बैठक में जल सुरक्षा, जलवायु अनुकूलन, डिजिटल कृषि, ग्रामीण ऋण, कृषि बाजार और उद्यम-संचालित सहकारिता को प्राथमिकता देने पर जोर दिया गया।

नाबार्ड अध्यक्ष ने कहा कि अब केवल परिसंपत्ति निर्माण के बजाय त्वरित क्रियान्वयन, ग्रामीण उद्यम, जलवायु अनुकूलन और मापने योग्य आजीविका परिणामों पर ध्यान दिया जाना चाहिए। जल सुरक्षा के लिए सिंचाई आधुनिकीकरण, जल-उपयोग दक्षता, भूजल पुनर्भरण, वाटरशेड विकास और नदी-जोड़ो परियोजनाओं में आरआईडीएफ सहित अन्य वित्तीय माध्यमों से सहयोग बढ़ाने की बात कही गई। बैठक में पैक्स और सहकारी संस्थाओं को ऋण प्रदाता से आगे

बढ़ाकर कृषि इनपुट, खरीद, भंडारण, प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन और ग्रामीण कारोबार के केंद्र के रूप में विकसित करने पर जोर दिया गया। साथ ही एग्रीस्टैक, डिजिटल भूमि रिकॉर्ड, डिजिटल फसल सर्वेक्षण, यूएलआई और कृषिका ऐप के माध्यम से किसानों को आसान और समयबद्ध ऋण उपलब्ध कराने पर चर्चा हुई। राजस्थान में ई-नाम को मजबूत करने तथा किसानों, एफपीओ, सहकारी समितियों और खरीदारों के बीच बाजार संपर्क बढ़ाने पर भी जोर दिया गया।

पूर्व सरपंच से 13.38 लाख रु. की वसूली पर रोक

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने दौसा की ग्राम पंचायत बालाहेड़ा के पूर्व सरपंच के खिलाफ 7 अप्रैल 2026 के डिमांड नोटिस के जरिए होने वाली 13.38 लाख रुपए की वसूली पर अंतरिम रोक लगा दी है। इसके साथ ही अदालत ने वहीं मामले में राज्य सरकार सहित संबंधित अफसरों से जवाब देने के लिए कहा है। जस्टिस सुदेश बंसल ने यह आदेश पूर्व सरपंच सीताराम मीणा की ओर से दायर याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए। याचिका में अधिवक्ता प्रेमचंद देवंदा ने बताया कि मामला याचिकाकर्ता के साल 2014 से 2020 के कार्यकाल के दौरान कराए गए निर्माण व विकास कार्यो में कथित अनियमितताओं का है। याचिकाकर्ता के खिलाफ 13 जुलाई 2026 को चार्जशीट जारी की गई, जबकि डिमांड नोटिस अप्रैल 2026 में ही दे दिया था। यह मामला कई साल पहले के विकास कार्य का है, जिसकी संबंधित जांच इतने सालों तक लंबित रखी।

कैंसर से जंग लड़ रहे नन्हे योद्धाओं के चेहरे पर खिले मुस्कान के रंग

'द हीरोज' कार्यक्रम में संगीत और जादू से बच्चों का बढ़ाया उत्साह

जयपुर। बाल कैंसर जागरूकता माह के अवसर पर शनिवार को भगवान महावीर कैंसर हॉस्पिटल में कैंसर केयर (वुमन विंग) एवं पीडियाट्रिक ऑन्कोलॉजी विभाग की ओर से 'द हीरोज' कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य कैंसर से जूझ रहे बच्चों में सकारात्मकता, उत्साह और खुशियां बांटना तथा उनके साहस को सम्मानित करना था।

कार्यक्रम में बॉलीवुड सिंगर रवीन्द्र उपाध्याय ने संगीत प्रस्तुति देकर बच्चों का मनोरंजन किया और उनके साथ समय बिताकर उत्साह बढ़ाया। उनकी प्रस्तुतियों ने बच्चों, पेरेंट्स और हॉस्पिटल स्टाफ को भी झूमने पर मजबूर कर दिया। उपचाररत बच्चों के लिए मैजिक शो भी आयोजित किया गया, जिसमें उन्होंने उत्साह से भाग लिया। चिकित्सालय की वरिष्ठ उपाध्यक्षा एवं कैंसर केयर की अध्यक्षा अनिला कोठारी ने बताया कि बाल कैंसर रोगियों के लिए नियमित रूप से ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। चिकित्सालय के अधिशासी निदेशक मेजर जनरल एस.सी. पारीक ने बताया कि जागरूकता माह के तहत शहर के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में जागरूकता कार्यक्रम और पोस्टर गतिविधियां भी हुईं, जिनमें चयनित पोस्टर प्रदर्शित किए गए। पीडियाट्रिक ऑन्कोलॉजी विशेषज्ञ ने कहा कि बाल कैंसर की समय पर पहचान और उचित उपचार बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए महत्वपूर्ण है। अस्पताल में उपचार के साथ बच्चों और उनके परिवारों को भावनात्मक सहयोग एवं सकारात्मक वातावरण उपलब्ध कराने पर भी ध्यान दिया जाता है।

कोल्ड ड्रिंक में जहर देकर पति की हत्या का आरोप

पत्नी और उसके पिता समेत पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज

जयपुर। कानोता थाना इलाके में कोल्ड ड्रिंक में जहर देकर युवक की हत्या करने का मामला सामने आया है। मृतक की मां ने उसकी पत्नी सुनीता, ससुर प्रकाश मीणा, साले रामावतार तथा भतीजे गोलू और दीपक पर हत्या की साजिश रचने और जहर देने का आरोप लगाया है। पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर शुक्रवार दोपहर हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले में लगाए गए आरोपों की पुलिस जांच कर रही है।

एसएचओ वीरेन्द्र सिंह के अनुसार बैनाड़ा निवासी मन्नी देवी ने अपने बेटे बबलू मीणा की मौत को लेकर रिपोर्ट दर्ज कराई है। रिपोर्ट के मुताबिक बबलू की शादी मई 2024 में सुनीता से हुई थी। मां ने आरोप लगाया कि बबलू को पत्नी के किसी अन्य व्यक्ति से संबंध होने का शक था। इसी वजह से उसने सुनीता का मोबाइल अपने पास रख लिया था। सुनीता अपने माता-पिता और भाइयों से बात करने के लिए बबलू का मोबाइल इस्तेमाल करती थी और मोबाइल में बातचीत रिकॉर्ड होती थी।

रिपोर्ट के अनुसार 19 जुलाई 2026 को सुनीता घर छोड़कर अपने मामा के घर बिहारीपुरा चली गई थी। 22 जुलाई को उसने बबलू को अपने पिता प्रकाश और भाइयों से बातचीत के लिए बिहारीपुरा बुलाया। आरोप है कि बातचीत के दौरान सुनीता और उसके परिजनों ने कोल्ड ड्रिंक में जहर मिला दिया। इसके बाद बबलू को घर जाने के लिए कह दिया गया। दोपहर में घर पहुंचने के बाद बबलू ने तेज सिरदर्द और उल्टी की शिकायत की। परिजन और पड़ोसी उसे नवजीवन अस्पताल लेकर गए। चिकित्सकों ने जहर दिए जाने की आशंका जताते हुए एसएमएस अस्पताल ले जाने की सलाह दी।

एसएमएस अस्पताल ले जाते समय बबलू ने परिजनों को बताया कि बिहारीपुरा में उसके ससुर प्रकाश, गोलू, दीपक और पत्नी सुनीता ने उसे कोल्ड ड्रिंक में जहर दिया है। एसएमएस अस्पताल में उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया था।

मृतक की मां ने रिपोर्ट में बताया कि बबलू के मोबाइल की रिकॉर्डिंग जांचने पर सुनीता और उसके पिता प्रकाश की बातचीत मिली।

मां का आरोप है कि रिकॉर्डिंग में दोनों बबलू को जहर देने की बात कर रहे हैं। पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर शुक्रवार को हत्या का मामला दर्ज किया है। पुलिस अब पोस्टमार्टम रिपोर्ट, मोबाइल रिकॉर्डिंग, कॉल डिटेल और अन्य साक्ष्यों के आधार पर मामले की जांच कर रही है।

"कॉकरोच जनता पार्टी" नाम बदलकर 'इस्तीफा जनता पार्टी' रख ले : अठावले

जयपुर। केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री और रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामदास अठावले ने शनिवार को पिंक सिटी प्रेस क्लब में मीडिया से बातचीत में एसआईआर को लेकर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग पर कॉकरोच जनता पार्टी पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि पार्टी को अपना नाम बदलकर 'इस्तीफा जनता पार्टी' रख लेना चाहिए। सीजेपी ने ज्ञानेश कुमार से इस्तीफे के लिए 48 घंटे का अल्टीमेटम दिया है। अठावले ने कहा कि सीजेपी नीट पेपर लीक आंदोलन के दौरान चर्चा में आई थी, लेकिन हर मामले में इस्तीफे की मांग करना उचित नहीं है। उन्होंने चुनाव आयोग और एसआईआर का बचाव करते हुए कहा कि आयोग स्वतंत्र और निष्पक्ष तरीके से काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि एसआईआर का उद्देश्य मतदाता सूची में अपात्र नाम हटाना और पात्र लोगों के नाम जोड़ना है। मुख्य चुनाव आयुक्त पर लगाए गए आरोपों की जांच सरकार कराएगी। उन्होंने राहुल गांधी पर ईवीएम को लेकर सवाल उठाने का आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस के जीतने पर ईवीएम पर सवाल नहीं उठाए जाते, जबकि एनडीए की जीत पर ईवीएम को जिम्मेदार ठहराया जाता है। अठावले ने दावा किया कि मोदी 15 वर्ष तक प्रधानमंत्री रहेंगे और 2029 में भी एनडीए सरकार बनेगी।

छात्रों के बैंक खाते किराए पर लेकर साइबर ठगी करने वाले गिरफ्तार

पुलिस ने आरोपियों से 1.50 लाख रु. नकद, थाईलैंड की विदेशी मुद्रा, स्कॉर्पियो कार, एटीएम कार्ड और चार मोबाइल जब्त किए

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। महेश नगर थाना पुलिस और जयपुर दक्षिण साइबर सेल की टीम ने प्रदेश भर में चलाए जा रहे ऑपरेशन म्यूल हंटर के तहत साइबर अपराधियों पर शिकंजा कसते हुए एक संगठित गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने ठगी के इस नेटवर्क में शामिल तीन शातिर साइबर ठगों को धर दबोचा है। पुलिस ने आरोपियों के पास से एक लाख पचास हजार रुपए नकद, थाईलैंड की विदेशी मुद्रा, एक स्कॉर्पियो कार, एटीएम कार्ड और 4 मोबाइल फोन जब्त किए गए हैं।

चाय की थड़ियों से बिछाते थे जाल

पुलिस जांच में सामने आया कि यह गिरोह जयपुर के पॉश इलाकों में चाय की थड़ियों पर बैठकर स्कूल और कॉलेज के छात्रों को पैसों का लालच देता था। आरोपी कमीशन का लालच देकर छात्रों और सीधे-सादे

महेश नगर थाना पुलिस ने साइबर ठग गिरोह को गिरफ्तार किया।

लोगों से उनके बैंक खाते किराए पर लेते थे। इसके बाद ऑनलाइन गेमिंग और फर्जी वेबसाइट्स के जरिए लोगों से ठगी गई राशि इन खातों में डलवाकर एटीएम से तुरंत कैश निकलवा लेते थे।

ऐसे हुआ मामले का पर्दाफाश

25 सितंबर को महेश नगर थाने में रेस्टोरेंट संचालक सत्येंद्र कुमार मीणा ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि आदिल नाम का एक युवक पिछले 3-4 महीनों से उनके रेस्टोरेंट में आता था। जान-पहचान बनने पर आदिल ने उनका अकाउंट नंबर ले लिया और उसमें साइबर फ्रॉड का पैसा मंगवाने लगा। पीड़ित को इस बात की खबर नहीं थी कि पैसा कहां से आ रहा है। रिपोर्ट के आधार पर मामला दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की। पुलिस ने मामला दर्ज होने के बाद जांच-पड़ताल शुरु की। जांच के बाद पुलिस ने आदित्य उर्फ आदिल बागड़िया (27), निवासी बीकानेर, हाल किराएदार अग्रसेन नगर, महेश नगर, हरिदास स्वामी (27), निवासी गांव पालास (चूरू), हाल किराएदार एसएफएस मानसरोवर,लक्ष्मण दास स्वामी (28), निवासी गांव पालास (चूरू), हाल किराएदार एसएफएस मानसरोवर को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस आरोपियों से गहनता से पूछताछ कर रही है, जिससे इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों और अन्य बैंक खातों का भी खुलासा होने की संभावना है।

अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त ललित कुमार शर्मा और सहायक पुलिस आयुक्त जुल्फिकार अली के सुपरविजन में महेश नगर थानाधिकारी हवासिंघ मंगावा तथा साइबर सेल के लोकेश कुमार, भीम सिंह, विमलेश कुमार, प्रहलाद कुमार और जितेंद्र की विशेष टीम ने इस पूरी कार्रवाई को अंजाम दिया।

दोस्ती कर रेस्तरां मालिक के बैंक खाते को बनाया साइबर ठगी का अड्डा

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। महेश नगर इलाके में रेस्टोरेंट मालिक से दोस्ती कर उसके बैंक खाते का इस्तेमाल साइबर ठगी की रकम मंगवाने और आगे ट्रांसफर करने का मामला सामने आया है। आरोपी ने पहले विश्वास में लेकर रेस्टोरेंट मालिक से बैंक खाता नंबर लिया और इसके बाद अलग-अलग लोगों से खाते में रकम डलवाने लगा। खाते में आई रकम को पीड़ित के मोबाइल से नेट बैंकिंग और यूपीआई के जरिए करीब 11-12 अलग-अलग बैंक खातों में ट्रांसफर कर दिया। बैंक खाता होल्ड होने के बाद पीड़ित को साइबर ठगी में खाते के इस्तेमाल का पता चला।

थानाधिकारी हवा सिंह के अनुसार सूर्य नगर निवासी सत्येन्द्र कुमार मीना त्रिवेणी चौराहे के पास 'श्री उम्मेद जायका' नाम से रेस्टोरेंट चलाते हैं। करीब तीन-चार महीने पहले आदिल खान नाम का व्यक्ति उनके रेस्टोरेंट पर खाना और चाय पीने के लिए आने लगा। लगातार आने-जाने के कारण दोनों में जान-पहचान हुई और आरोपी ने सत्येन्द्र से दोस्ती कर ली।

करीब 15-20 दिन पहले आदिल ने अपने बैंक खाते के होल्ड होने की बात बताकर परेशानी जताई। उसने किसी अन्य व्यक्ति से रुपए मंगवाने की बात कहते हुए सत्येन्द्र से उनका बैंक खाता नंबर मांग लिया। विश्वास में आकर सत्येन्द्र ने उसे अपना खाता नंबर दे दिया।

इसके बाद आदिल अलग-अलग स्थानों से लोगों से सत्येन्द्र के बैंक खाते में रुपए डलवाने लगा। खाते में रकम आने के बाद आरोपी पीड़ित के मोबाइल से नेट बैंकिंग और यूपीआई के जरिए इसे करीब 11-12 अलग-अलग बैंक खातों में ट्रांसफर करता रहा। लगातार संदिग्ध लेन-देन के बाद बैंक ने सत्येन्द्र का खाता होल्ड कर दिया।

लेन-देन बंद होने पर सत्येन्द्र ने बैंक से जानकारी ली तो पता चला कि उसके खाते में साइबर ठगी की रकम आई थी। उसने आदिल को इसकी जानकारी दी तो आरोपी ने सब कुछ ठीक कर देने का आश्वासन दिया। बाद में सत्येन्द्र को अपने साथ हुए धोखे का एहसास हुआ। इसके बाद उसने शुक्रवार को महेश नगर थाने में आदिल खान के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस मामले में बैंक लेन-देन और साइबर ठगी की रकम से जुडे खातों की जांच कर रही है।

साइबर अपराधों में ठगी की रकम को दूसरे लोगों के बैंक खातों में मंगवा कर आगे ट्रांसफर करना 'म्यूल अकाउंट' के तौर पर इस्तेमाल किए जाने वाले तरीकों में शामिल है।

सार-समाचार

कनक बिहारी मंदिर में बधाई गान उत्सव

जयपुर। दिल्ली रोड स्थित श्री कनक बिहारीजी मंदिर में सियाराम दास महाराज के जन्मदिवस पर बधाई गान उत्सव श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। मंदिर परिसर को फूल मालाओं, लता-पताकाओं एवं आकर्षक सजावट से सजाया गया। महाराज-श्री के सानिध्य में भगवान श्री कनक बिहारी जी का पंचामृत अभिषेक कर नूतन पोशाक धारण कराई गई और फूलों से श्रृंगार किया गया। विभिन्न भजन मंडलों ने राम नाम संकीर्तन एवं बधाई गान प्रस्तुत किए। इत्र एवं पुष्प वर्षा के साथ श्रद्धालुओं के बीच कपड़े, खिलौने, ट्रॉफी एवं सूखे मेवों की उछाल हुई। मंदिर प्रवक्ता राजकुमार चतुर्वेदी ने बताया कि बडी संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर महाराज श्री का आशीर्वाद लिया। कार्यक्रम में पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अशोक परनामी, पूर्व महापौर कुसुम यादव, जयपुर शहर उपाध्यक्ष अजय यादव, डॉक्टर एसपी यादव एवं अक्षय यादव सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे। उत्सव में छोटी काशी के विभिन्न मंदिरों से संत-महंत भी पहुंचे। उनका माला, प्रसाद, दुपट्टा एवं भगवान की छवि भेंट कर सम्मान किया गया। संत-महंतों एवं श्रद्धालुओं ने ठाकुर जी की प्रसादी ग्रहण की। मंदिर परिसर में जयकारों, भजनों और राम नाम संकीर्तन से देर तक भक्तिमय माहौल बना रहा।

मानव सेवा ट्रस्ट को 'शिक्षक गौरव अवार्ड'

जयपुर। शिक्षा एवं सामाजिक सेवा के क्षेत्र में पिछले 10 वर्षों से किए जा रहे उल्लेखनीय कार्यों के लिए मानव सेवा ट्रस्ट राजस्थान को अंतरराष्ट्रीय समरसता मंच की ओर से 'शिक्षक गौरव अवार्ड' से सम्मानित किया गया। नई दिल्ली स्थित दी इंडियन सोसाइटी ऑफ इंटरनेशनल लॉ के सेमिनार हॉल में 25 राष्ट्रों के राष्ट्रीय ध्वजों की मौजूदगी में आयोजित राष्ट्रीय समारोह में ट्रस्ट की ओर से यह सम्मान प्रबंध निदेशक कौशल सत्यार्थी ने प्राप्त किया। समारोह में मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति जे.के. रांका, अध्यक्ष रिटायर्ड सर्वोच्च न्यायालय एवं उच्च न्यायालय जजेज एसोसिएशन, न्यायमूर्ति डॉ. ईशरत मसरूर कुद्दूसी, पूर्व मुख्य न्यायाधीश उडीसा उच्च न्यायालय, भुवनेश्वर, नागेंद्र राव उर्फ अनन्त महाराज, सांसद, राज्यसभा तथा डॉ. हुकुम चन्द गणेशिया कुलपति, रोमा इंटरनेशनल कल्चर सहित अन्य गणमान्यजनों ने सम्मान प्रदान किया। वरिष्ठ होम्योपैथ आचार्य एवं मीडिया प्रभारी प्रो. डॉ. राजीव सक्सेना ने दी है।

अरशद हुसैन का सम्मान किया

जयपुर। आगरा में वेडिंग इंडस्ट्री एसोसिएशन, उत्तर प्रदेश की ओर से आयोजित इंडियन वेडिंग इंडस्ट्री कॉन्क्लेव में आईडब्लूटीसी के संस्थापक निदेशक एवं इवेंट मैनेजर्स डे के ग्लोबल कन्वीनर इवेंट गुरु अरशद हुसैन को वेडिंग एवं इवेंट इंडस्ट्री में उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। उन्हें यह सम्मान राजस्थान को डेस्टिनेशन वेडिंग में सिरमौर बनाने, इंडस्ट्री को संगठित करने और प्रोफेशनल्स को एक मंच से जोड़ने के प्रयासों के लिए दिया गया। वेडिंग इंडस्ट्री एसोसिएशन उत्तर प्रदेश के अध्यक्ष मनीष अग्रवाल और महासचिव संदीप उपाध्याय ने उन्हें सम्मानित किया। कॉन्क्लेव में अरशद हुसैन ने इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टीज और राजस्थान वेडिंग इंडस्ट्री पर व्याख्यान दिया।

पूर्णिमा विवि. में महिला नेतृत्व पर कार्यशाला

जयपुर। भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित ज्ञान प्रसार कार्यशाला "वीमेन इन लीडरशिप: नेविगेटिंग करियर पाथवेज, ब्रेकिंग बैरियर्स एंड बिल्डिंग फ्यूचर लीडर्स" का आयोजन शनिवार को पूर्णिमा विश्वविद्यालय जयपुर में किया गया। यह कार्यशाला परिषद् की पुण्यश्लोक देवी अहिल्याबाई होल्कर विशेष शोध परियोजना के तहत आयोजित की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। कार्यशाला की मुख्य अतिथि, महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री डॉ. मंजू बाघमार ने अपने संबोधन में कहा कि समाज और राष्ट्र की प्रगति के लिए समावेशी विकास अत्यंत आवश्यक है और महिला सशक्तीकरण की शुरुआत हमेशा घर से होनी चाहिए। परिवार में बेटियों को बराबरी का अवसर, शिक्षा और सम्मान मिलने पर ही समाज में वास्तविक बदलाव संभव है। पूर्णिमा विश्वविद्यालय के अध्यक्ष डॉ. सुरेश चंद्र पाढी ने स्वागत उद्बोधन दिया। उन्होंने प्रो-प्रेसिडेंट डॉ. चांदनी किरपलानी के साथ मिलकर अतिथियों का अभिनंदन किया। इस अवसर पर बैंकिंग, वित्तीय सेवाएं एवं बीमा, स्वास्थ्य सेवा एवं उच्च शिक्षा क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाली महिलाओं को "वीमेन लीडरशिप अवार्ड्स" से सम्मानित किया गया। स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में महिला नेतृत्व सत्र में डॉ. कृति तांबी, डॉ. सोनिका शर्मा, सुश्री अपर्णा झा एवं श्रीमती तृप्ति भट्टाचार्य ने भाग लिया। उच्च शिक्षा क्षेत्र में महिला नेतृत्व पर विषय पर आधारित इस सत्र में डॉ. पल्लवी जैन, डॉ. कृष्णा गुप्ता, डॉ. ममता जैन, डॉ. पल्लवी चतुर्वेदी एवं डॉ. रितु मल्होत्रा ने अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ।

डीएचएल एक्सप्रेस की दरों में बढ़ोतरी

मुंबई। डीएचएल एक्सप्रेस ने भारत में 2027 के लिए सालाना प्राइस एडजस्टमेंट की घोषणा की है। इसके तहत 1 जनवरी 2027 से दरों में 8.9 प्रतिशत की बढ़ोतरी लागू होगी। डीएचएल एक्सप्रेस साउथ एशिया के एसवीपी आर. एस. सुब्रमण्यम ने कहा कि बदलते वैश्विक व्यापार और लगातार जटिल होती सप्लाई चेन के बीच कंपनी अपने ग्लोबल नेटवर्क, डिजिटल क्षमताओं, सुरक्षा ढांचे और टिकाऊ लॉजिस्टिक्स समाधानों में निवेश जारी रखे हुए है। वार्षिक प्राइस एडजस्टमेंट से सेवा और विश्वसनीयता के उच्च स्तर को बनाए रखने में मदद मिलेगी। कंपनी का कहना है कि कीमतों में वार्षिक बदलाव महंगाई, मुद्रा विनिमय में उतार-चढ़ाव और उद्योग से जुड़े लागत विकास को ध्यान में रखकर किया जाता है। डीएचएल एक्सप्रेस 220 से अधिक देशों और क्षेत्रों में सेवाएं देता है। कंपनी ने 28 बोइंग 777 फ्रेटर विमानों वाले अपने फ्लीट की डिलीवरी पूरी कर ली है और अधिक ईंधन-कुशल विमानों को भी शामिल किया है।

बॉलीवुड गीतों का कार्यक्रम आज

जयपुर। संगीत संस्था राग एन साज दकी ओर से रविवार, 27 सितंबर को शाम 6 बजे जवाहर कला केंद्र में बॉलीवुड संगीत कार्यक्रम का आयोजन होगा। कार्यक्रम में शहर के अनेक गायक बॉलीवुड के लोकप्रिय गीतों से संगीतप्रेमियों का मनोरंजन करेंगे। इस आगामी कार्यक्रम को लेकर संस्था के संस्थापक एवं निदेशक सिद्धार्थ मुखर्जी ने बताया कि संस्था लगातार ऐसे मंच उपलब्ध कराने का प्रयास कर रहा है, जहां नए और प्रतिभाशाली गायक अपनी आवाज़ और कला को बड़े मंच पर प्रस्तुत कर सकें।

Celebrating Responsible Travel

World Tourism Day, celebrated on September 27 each year, emphasizes the role of tourism in fostering cultural exchange, economic growth, and global unity. Established by the United Nations World Tourism Organization (UNWTO), the day highlights the importance of making travel responsible, sustainable, and accessible to all. Tourism connects people, supports livelihoods, and promotes understanding across diverse communities. However, it must also safeguard the environment and respect local cultures. On this day, governments, industry leaders, and travelers are reminded to work together in creating a tourism model that balances exploration with conservation, ensuring its benefits for generations to come.

#MAHABHARATA

Dambhodbhava and the Birth of Karna

Surya appeared before him and told him that everything that is born must eventually die. Dambhodbhava then asked for another form of protection...

In the great assembly of King Dhritarashtra in Hastinapura, the story of Dambhodbhava and Parashurama reveals a profound truth about power, pride, penance, and destiny.

Dambhodbhava was a mighty king, but his greatest weakness was his ignorance. He believed that his strength made him invincible, and he desperately wanted to find an enemy powerful enough to defeat him. Driven by pride, he travelled to Badrikashrama, where two great sages, Nara and Narayana, were deep in meditation. Instead of respecting the sages, Dambhodbhava attacked them with his army. The sages did not respond with an army of their own. One of them simply picked up a blade of grass. Through the power of his penance, that single blade transformed into thousands of weapons and destroyed Dambhodbhava's entire army.

Dambhodbhava finally understood that true power does not always come from weapons or armies. It can arise from discipline, knowledge, and years of penance. He then turned to Surya, the Sun God, and performed severe penance, seeking immortality.

Surya appeared before him and told him that everything that is born must eventually die. Dambhodbhava then asked for another form of protection. He received a remarkable boon: a thousand protective armours, known as *Sahasra Kavacha*. Only one armour could be broken at a time. However, the person who broke an armour would die after doing so, and only someone who had performed penance for a thousand years would possess the strength to attempt it.

Dambhodbhava became known as Sahasrakavacha and returned to challenge Nara and Narayana. The two sages fought him in turns. While one sage fought for a thousand years, the other remained in meditation. When the fighting sage died after breaking one armour, the meditating sage revived him, and they continued the battle.

One by one, 999 armours were destroyed. Realising that only one armour remained, Dambhodbhava fled to Surya for protection. The conflict came to an end, but the story did not. According to this traditional narrative, Dambhodbhava was later reborn as Karna, the son of Surya. Nara and Narayana were likewise reborn in the Mahabharata tradition as Arjuna and Krishna.

Thus, the ancient story connects the events of the Mahabharata with an older cycle of penance, divine protection, and rebirth. It reminds us that physical power may create fear, but spiritual strength, knowledge, and destiny can shape the course of history.

In emerging conflicts, disrupting critical logistics infrastructure is often more strategically effective than conducting a conventional military invasion. Modern economies depend on uninterrupted trade and energy flows, making maritime chokepoints particularly attractive targets in hybrid warfare.

BAB AL-MANDAB THE NEW CARD IN THE WAR

Maj Gen Jagatbir Singh, VSM (RETD)

The Houthis current offensive has its focus on the Bab Al-Mandab Strait that connects the Red Sea to the Gulf of Aden and the Indian Ocean. Even though an Iranian spokesperson has said that the Houthis are independent and do not take orders from anyone, but most analysts are aware that they remain an Iranian proxy.

There is no doubt that the Memorandum of Misunderstanding and the recent rise in tensions in the Gulf have led to the Iranians to apply pressure elsewhere. The centre of gravity identified being Bab Al-Mandab,the narrow channel connecting the Red Sea to the Gulf of Aden, which is a crucial route for global shipping and energy supplies.

Also known as the Gate of Tears, it is barely 30 kms at its narrowest and sees roughly 12 percent of global maritime trade pass through every day, while at least 90 percent of Europe-Asia internet capacity runs through cables laid along the same route.

Iran's proxies, be it the Hamas, Hezbollah or Houthis have always offered Iran the advantage of plausible deniability. Iran can claim that they act on their own. However, it has been reported that senior leaders from the Islamic Revolutionary Guard Corps traveled to Sanaa to support the group. The capture of Mokha and the closing in on Bab Al-

> The renewed fighting comes at a particularly volatile moment in the region. As the Houthis and Saudi Arabia directly exchange blows once again, they do so amid an intensifying Iran-US confrontation. On 11 September, the Houthis captured Perim, a strategic island in the Bab Al-Mandab, and have also captured Dhubab, a Red Sea coastal town facing Perim and Greater and Lesser Hanish. This has opened the possibility of them capturing territory overlooking the chokepoint. This would not only strengthen their position in Yemen...

Mandab is part of a pattern of Iran's escalation against Washington, while targeting Saudi Arabia.

Yemen

In 2022, however, the Ansarullah movement, also known as the Houthis war in Yemen, remained largely frozen since a UN-brokered truce halted major fighting and has now launched a major offensive on the country's Western coast.

The UN has estimated that more than 80,000 people have been displaced in the past two weeks, including over 2,000 people who fled by boat to Djibouti.

The fighting has reignited a war that, for more than a decade, brought disaster to Yemen, killing more than 150,000 people and driving the country to the brink of famine. Since 2014, the Houthis have controlled the North, including the capital, Sanaa, and much of the Western heartland of the country where most of the population is located. The internationally recognized government, backed by an array of disparate militias, controls the South and East, including the key port of Aden.

#WAR GAMES

Houthi attacks in the Bab al-Mandab.

The renewed fighting comes at a particularly volatile moment in the region. As the Houthis and Saudi Arabia directly exchange blows once again, they do so amid an intensifying Iran-US confrontation.

On 11 September, the Houthis captured Perim, a strategic island in the Bab Al-Mandab, and have also captured Dhubab, a Red Sea coastal town facing Perim and Greater and Lesser Hanish. This has opened the possibility of them capturing territory overlooking the chokepoint. This would not only strengthen their position in Yemen but also enable them to threaten maritime traffic.

Djibouti is approximately 20 kilometres from Perim Island. This places the Houthis with their drone, missile and maritime capabilities extremely close to a country that hosts US, Chinese, French, Italian and Japanese military bases.

The Houthis benefited from surprise and military preparation. But the offensive also exposed the fragmentation of the anti-Houthi forces which include a variety of autonomous armed groups, who were previously supported by different regional patrons and had competing political ambitions even as Saudi Arabia has tried to bring them under a more coherent command structure since early 2026.

Meanwhile, the Houthis used the period of relative calm following the 2022 truce to retrain, refit, rearm, recruit, improve domestic weapons production and expand their missile and drone capabilities. As a result, the Houthis now have more advanced capabilities than government forces in several areas.

The Ansarullah movement already possesses the ability to threaten commercial vessels using missiles and drones, but gaining control of territory and coastline near the Strait would give it additional and potentially more effective options. A direct fallout will be Iran gaining greater leverage in the wider regional crisis.

Impact on Saudi Arabia

The renewed fighting has a direct impact on Saudi Arabia. Riyadh has spent the past several years trying to avoid being drawn back into the kind of direct military intervention that defined its military involvement in 2015 to restore the rule of Yemen's government. But recent Houthi attacks on Southern Saudi Arabia have damaged energy infrastructure and caused civilian casualties. Saudi Arabia has responded with airstrikes. With the Strait of Hormuz closed due to the war, oil from Saudi's Eastern oil fields near Abqaiq across the Arabian Peninsula to its Red Sea port of Yanbu, bypassing the Strait of Hormuz, this pipeline transports up to 7 million barrels of crude per day to the Red Sea port of Yanbu, of which 2 million barrels feed refineries on the Western coast and 5 million are exported. This 1,200 km pipeline has now been temporarily closed due to a drone strike traced to Maysan in Iraq.

Hence, they face a dilemma; allowing the Houthis to advance unfettered could strengthen a threat along its Southern border and around a vital international waterway. On the other hand, a major military response could revive a costly conflict that Saudi Arabia has spent years trying to avoid particularly amid the Kingdom's focus on its Vision 2030 economic diversification program.

The US

The US, a close supporter of Saudi Arabia, had reached a truce with the Houthis in May 2025, after conducting airstrikes against the group following its attacks on shipping in the Red Sea.

For the US, the recent Houthi advance creates a difficult choice. Trump has a close relationship with Saudi Crown Prince Mohammed bin

> Modern economies depend on uninterrupted trade and energy flows, making maritime chokepoints particularly attractive targets in hybrid warfare. Iran played the Strait of Hormuz card early in the war and saw the advantages. Has it now decided to play yet another of its Trump Cards? Iran and its proxies now have the capacity to exert pressure on two of the world's most strategically important maritime chokepoints. These have now become part of the same strategic equation rather than separate security challenges.

Salman, and the US retains a fundamental interest in Saudi security. At the same time, Washington has strong incentives to avoid reopening a direct war with the Houthis.

The Houthis equally do not want a repeat of the US airstrikes which caused serious damage. This creates a peculiar situation: Washington and the Houthis both have reasons to avoid attacking one another, even while the Houthis increase pressure on one of the US's closest regional partners. However, this equilibrium may not hold if the Houthis escalate attacks on Saudi territory and Washington could find itself pulled towards confrontation.

Further, Iran is wanting to put pressure on President Donald Trump before the midterm elections. Tensions in crucial global arteries will push up the price of crude, which will negatively affect the popularity of Trump and the Republicans. If the Republicans lose both the House of Representatives and the Senate, the entire war could be brought into question. It could also lead to investigations into the war by Congress. Though, President Trump could exercise his executive powers to continue operations against Iran. But navigating a hostile political ecosystem to bring the conflict to a close will be challenging.

In emerging conflicts, disrupting critical logistics infrastructure is often more strategically effective than conducting a conventional military invasion. Modern economies depend on uninterrupted trade and energy flows, making maritime chokepoints particularly attractive targets in hybrid warfare.

Iran played the Strait of Hormuz card early in the war and saw the advantages. Has it now decided to play yet another of its Trump Cards? Iran and its proxies now have the capacity to exert pressure on two of the world's most strategically important maritime chokepoints. These have now become part of the same strategic equation rather than separate security challenges.

For now, the Houthis are converting military momentum into political and economic leverage without provoking an international response large enough to reverse their gains. But can Yemen be treated as a distant theatre? The battle for Bab Al-Mandab is therefore a test of whether the conflict will enter another cycle of regional military escalation or whether the parties can use existing diplomatic frameworks to prevent a return to another open-ended conflict. The crisis in Yemen therefore needs to be contained as the stakes reach far beyond its borders.

rajeshsharma1049@gmail.com

Bab Al-Mandab Strait.

Iran reportedly signals Houthis to block Bab al-Mandab.

#BAWAN BUTI

The Saree Named After 52 Motifs

When people think of Bihar's artistic traditions, they may immediately think of Bhagalpuri silk or Madhubani. But Bawan Buti deserves a place in that conversation

India has a saree tradition whose very name is connected to a number: 52. It is called *Bawan Buti*, a distinctive weaving tradition from Nalanda, Bihar, known for its intricate motifs woven into the fabric. For generations, it was considered an important part of a Bihari bride's trousseau. Then, like many traditional crafts, it came dangerously close to disappearing. And not just once.

A saree carrying a map of Bihar

The word "Bawan" means fifty-two, while "Buti" refers to a small motif or decorative design. The name is often associated with the idea of 52 motifs, but there is an important detail: a Bawan Buti saree does not necessarily contain exactly 52 motifs. The number is part of the tradition's identity rather than a strict requirement that every saree must follow. What makes the craft fascinating is the vocabulary of its designs. The motifs can include bodhi trees, lotus flowers, leaves, fish, deer, conch shells and other symbols drawn from the cultural and natural world of Bihar. Seen together, they almost feel like a visual map of the region. The saree becomes more than a piece of clothing. Its small repeated motifs carry fragments of the landscape, religious traditions and artistic heritage of the place where it was made.

The craft almost disappeared

For generations, Bawan Buti was an important part of Bihar's textile heritage.

But changing tastes, industrially produced textiles and declining demand put enormous pressure on the traditional craft. By the middle of the 20th century, the weaving tradition was in serious danger of disappearing.

Then came an important figure in its revival: Upendra Maharathi, an artist, designer and cultural figure who worked extensively to promote traditional Indian crafts. Maharathi played a significant role in encouraging the revival and development of Bawan Buti. He helped bring new attention to the tradition and encouraged experimentation with its motifs and designs.

The idea was not simply to preserve the saree exactly as it had existed in the past, but to help the craft adapt and remain relevant. New motifs were introduced, designs evolved and efforts were made to reconnect the tradition with contemporary audiences.

A second revival

By the early 21st century, Bawan Buti was receiving renewed attention. Weavers, designers, cultural organizations and craft enthusiasts began working to bring the tradition back into wider public consciousness.

The revival was important because traditional weaving does not survive simply by keeping an old design in a museum. It survives when people continue to wear it, buy it, teach it and create it. Today, Bawan Buti remains a relatively lesser-known part of India's enormous textile heritage. When people think of Bihar's artistic traditions, they may immediately think of Bhagalpuri silk or Madhubani painting. But Bawan Buti deserves a place in that conversation. Because hidden within its delicate motifs is a story about Bihar itself, its rivers, nature, religious traditions, symbols and memories. And perhaps, that is what makes this saree so special. It doesn't just carry a pattern. It carries a place.

THE WALL

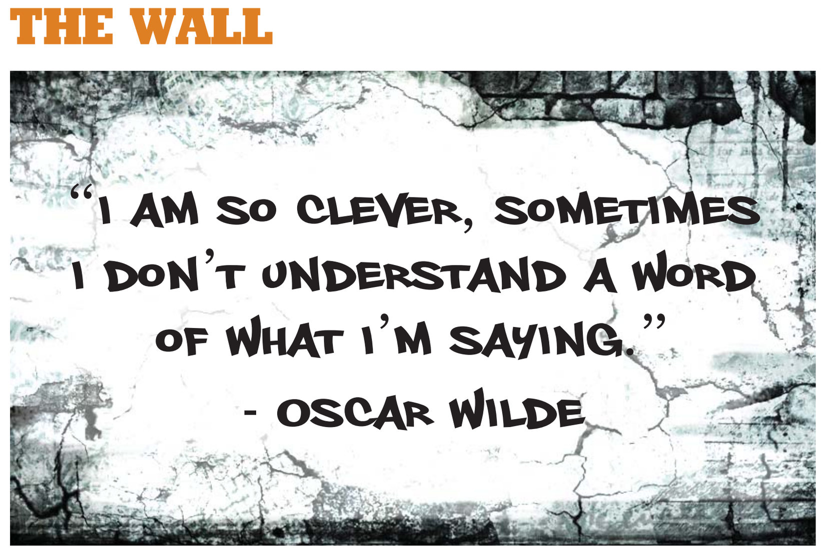

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

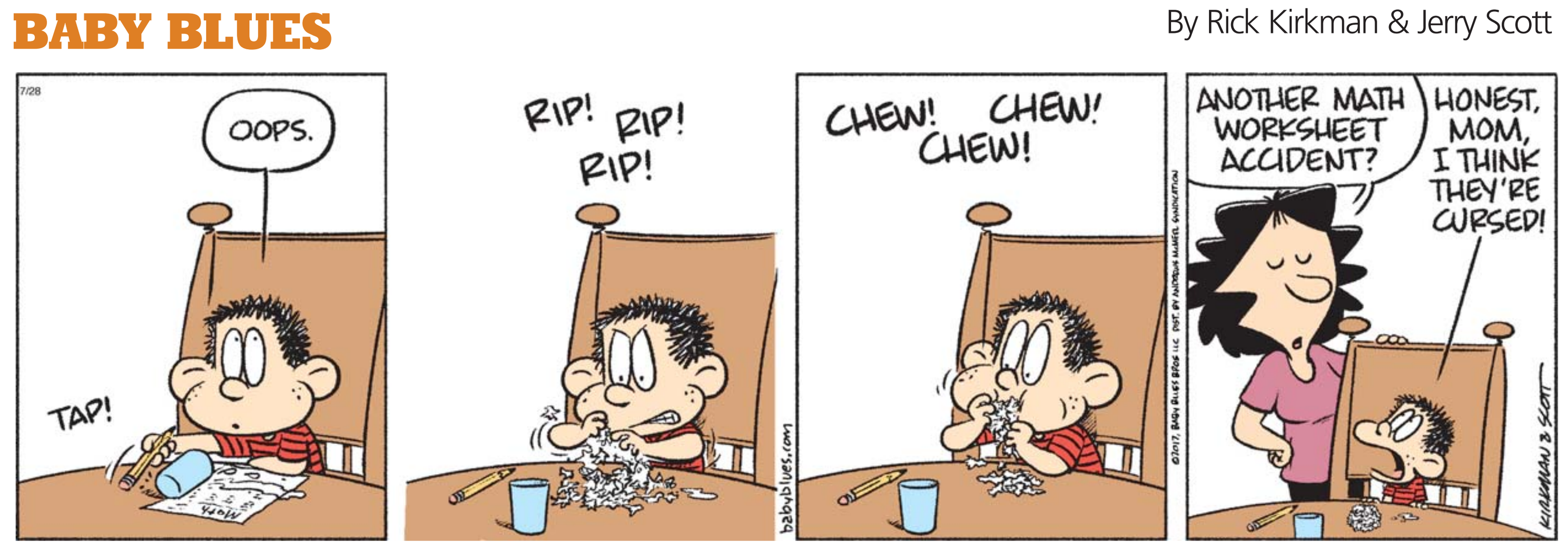

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

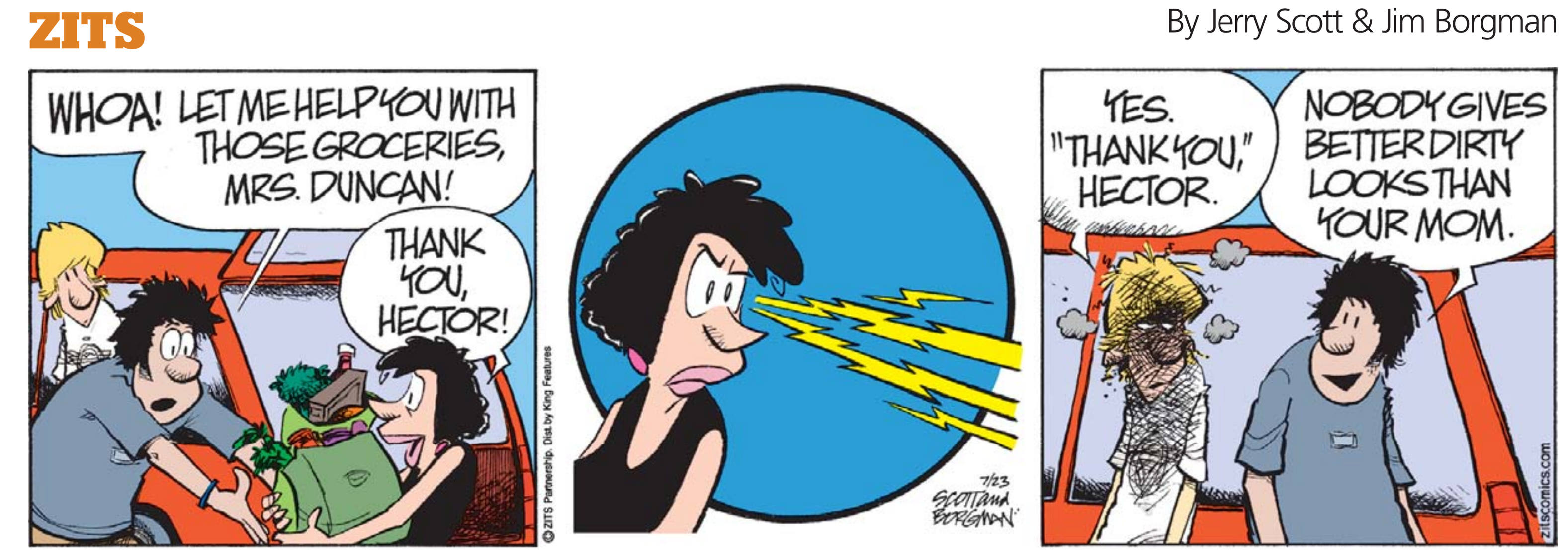

साइबर ठगी के मामले में आरोपी गिरफ्तार

टोंक। जिला पुलिस अधीक्षक रोशन मीना के निर्देशन में चलाये जा रहे साइबर ठगी के खिलाफ विशेष अभियान में अलीगढ थानाधिकारी राजकुमार नेतृत्व में गठित थाना टीम एवं जिला स्पेशल टीम ने संयुक्त कार्यवाही करते हुए अलीगढ क्षेत्र में साइबर फ्रोड करने वाले आरोपी दिलखुश मीना पुत्र सांवलराम मीना उम्र 26 साल निवासी हैदरीपुरा थाना अलीगढ को गिरफ्तार कर सायबर फ्रॉड का पर्दाफाश किया गया हैं।

पुलिस जांच के अनुसार सामने आया है कि दो आरोपियों द्वारा जिन मोबाईल नम्बरों का उपयोग साइबर ठगी में किया हैं उन मोबाईल नम्बरों पर एनसीआरपी पोर्टल पर कई शिकायतें दर्ज है, जो साइबर ठगी की राशि अलग-अलग फर्जी खातों में ट्रान्सफर करवायी गई है। दोनो आरोपी सोशल साईटस के जरिये अज्ञात ग्राहको को ललचाकर ठगी कारित कर पैसे ऐंठना एवं आनलाईन मटका गेम खेलने के लिए प्रसारित करते थे।

चौमूं में मालेश्वर नाथ मन्दिर के सड़क निर्माण कार्य का शुभारंभ

चौमूं /कालाडेरा। भाजपा प्रदेश मुख्य प्रवक्ता एवं पूर्व विधायक रामलाल शर्मा के प्रयासों से चौमूं विधानसभा क्षेत्र के प्रमुख आस्था का केन्द्र ग्राम महार कला स्थित श्री मालेश्वर नाथ महादेव मन्दिर के लिए राज्य सरकार द्वारा बजट 2026-27 में स्वीकृत ग्राम महार कला बस स्टैंड से मालेश्वर नाथ महादेव मन्दिर तक 4 करोड़ की लागत से बनने वाली सुदृढ़ सीसी सड़क निर्माण कार्य का विधिवत शुभारंभ किया गया। शुभारंभ अवसर पर पूर्व विधायक रामलाल शर्मा ने कहा कि मालेश्वर नाथ महादेव मन्दिर संपूर्ण चौमूं क्षेत्र के श्रद्धालुओं की अगाध श्रद्धा और आस्था का केन्द्र है। 4 करोड़ की लागत से बनने वाली यह सीसी सड़क न केवल मन्दिर आने वाले हजारों कांवड़ियों, श्रद्धालुओं एवं पर्यटकों की यात्रा को सुगम व सुरक्षित बनाएगी, रामलाल

विधायक रामलाल शर्मा ने मालेश्वर नाथ महादेव मन्दिर तक 4 करोड़ की लागत से बनने वाली सुदृढ़ सीसी सड़क निर्माण कार्य का विधिवत शुभारंभ किया ।

शर्मा ने चौमूं क्षेत्र की जनता की ओर से राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं प्रदेश की उपमुख्यमंत्री व वित्त मंत्री दिया कुमारी का विकास कार्य की स्वीकृति एवं बजट प्रावधान के लिए आभार एवं धन्यवाद ज्ञापित किया।

कार्यक्रम के दौरान बाबा अमरनाथ कांवड़िया संघ चौमूं एवं महारकला ग्रामवासियों द्वारा पूर्व विधायक रामलाल शर्मा का साफा व माला पहनाकर आत्मीय स्वागत व अभिनन्दन किया गया। शर्मा ने सभी ग्रामवासियों एवं संघ

- **ग्राम महारकला बस स्टैंड से मालेश्वर नाथ महादेव मन्दिर तक बनेगी सीसी सड़क**

के कार्यकर्ताओं का इस स्नेह एवं सम्मान के लिए आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर शंकर लाल गागोरिया, प्रधान रामस्वरूप यादव, महेश शर्मा, दिनेश गोरा, महेश योगी, प्रकाश हाटवाल, एडवोकेट गोपाल दीक्षित, बाबूलाल मालेरिया, चंद्रवीर टाक, राजेन्द्र शर्मा, संतोष सैनी, पवन सैनी, वीरेन्द्र यादव तथा अटल मेठी, डॉ. रमेश देवदा, अनुराग अग्रवाल, रमेश देवदा, अशोक कुमावत सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, कार्यकर्ता एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे।

सार-समाचार

मुख्यमंत्री के बयाना आगमन को लेकर भाजपा ने बैठक की

भरतपुर । राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा बयाना विधानसभा में 28 से को कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करने आ रहे हैं जिसकी तैयारी को लेकर भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय भरतपुर पर जिला अध्यक्ष शिवानी दायमा की अध्यक्षता में एक बैठक का आयोजन किया गया जिसमें मुख्य वक्ता प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य भानू प्रताप राजावत रहे। मुख्य वक्ता भानु प्रताप राजावत ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा की भरतपुर जिले के नगर निगम, नगर परिषद एवं नगर पालिकाओं में भारतीय जनता पार्टी की ऐतिहासिक जीत को लेकर कार्यकर्ता सम्मेलन में कार्यकर्ताओं को धन्यवाद प्रस्ताव देंगे तथा भरतपुर में अब तक किए गए विकास कार्यों का शिलान्यास भी करेंगे। बैठक का संचालन जिला महामंत्री जगत सिंह गुर्जर ने किया। जिला मीडिया प्रभारी डॉ वीरेंद्र पचौरी ने बताया कि बैठक के अवसर पर प्रदेश प्रवक्ता शैलेश कौशिक ,पूर्व जिला अध्यक्ष मनोज भारद्वाज, पूर्व विधायक बच्चू बंसीवाल, गिरधारी गुप्ता , जिलाउपाध्यक्ष बृजेश अग्रवाल, श्याम सुंदर गॉड ,रंजन सिंह महुआ एवं गौरव सरपंच ,जिला महामंत्री गोविंद सिंह चौधरी एवं जगत सिंह गुर्जर, जिला मंत्री सुंदर सिंह, मनोज खंडेलवाल कुशल पाल राजावत ,आशीष खंडेलवाल ,नरेंद्र शर्मा, वीरेंद्र गुर्जर ,प्रवक्ता देवेंद्र चामड एवं दिनेश लवानिया ,कृष्णा जाट, मंडल अध्यक्ष अर्जुन दमदमा, वीरेंद्र गुर्जर ,आकाश हथेनी ,रोनू उपाध्याय, मनीष पहलवान, राजवीर सिंह घासोला, मोहित चतुर्वेदी, जूली सैनी, गौरव चरोरा ,कपिल खोखर, चिरौजा चाची,अभय गुर्जर ,राजकुमार ,कन्हैया जादौन सहित अनेक संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सभापति रविश खटाणा का स्वागत एवं आभार यात्रा कार्यक्रम आयोजित

शाहपुरा। नगरपरिषद शाहपुरा के प्रथम नवनिर्वाचित सभापति रविश खटाणा का स्वागत एवं आभार यात्रा कार्यक्रम का निकाय प्रभारी कन्हैया लाल मीणा, पूर्व विधायक आलोक बेनीवाल की उपस्थिति में अनाज मंडी शाहपुरा से भव्य शुभारंभ हुआ। भाजपा जयपुर जिला देहात उत्तर मीडिया प्रभारी सुभाष जोशी ने बताया कि इस दौरान अनाज मंडी शाहपुरा से नाथावाला, चिमनपुरा, रामपुरा, जाजैकला, माधोकाबास, लोबडावास, देवन, कांट, लाखणी, लेटकाबास, निठारा, राजपुरा, बिदारा, खोरी, शाहपुरा तक डीजे की धुन के साथ विशाल वाहन रैली का भव्य आयोजन हुआ। इस अवसर पर नगरपरिषद क्षेत्र में जगह जगह स्थानीय लोगों ने सभापति रविश खटाणा का माला, साफा पहनाते हुए मिठाई खिलाकर उनके उज्जवल भविष्य की कामना कर शुभकामनाएं देते हुए भाजपा जिंदाबाद, राव साहब जिंदाबाद, आलोक बेनीवाल जिंदाबाद, रविश खटाणा जिंदाबाद के नारों एवं भव्य आतिशबाजी से क्षेत्र को गुंजा दिया। इस दौरान नगरपरिषद शाहपुरा से उप सभापति पूजा गुप्ता, भाजपा पार्षद, जनप्रतिनिधि, हजारों की संख्या में भाजपा कार्यकर्ता, शुभचिंतक एवं स्थानीय लोग मौजूद रहे।

विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

मनोहरपुर। विश्व पर्यावरण स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर पर्यावरण को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित हुआ। इस अवसर पर क्षेत्र के सुप्रसिद्ध भामाशाह, पर्यावरण प्रेमी कांग्रेसी नेता नदीम पठान ने कहा कि पर्यावरण की सेहत ही इंसान की सेहत है। जिस तरह चेहरे पर मुस्कान मानव-सुख का प्रतीक है, उसी तरह हरा-भरा पेड़ और स्वच्छ हवा हमारे स्वास्थ्य का प्रतीक है। अगर पेड़ नहीं होंगे तो मुस्कान भी नहीं रहेगी। पठान ने कहा कि हमने जो पौधे लगाए थे, आज वही पौधे खिलाड़ियों को छाया दे रहे हैं। यही असली भामाशाही है।" इस मौके पर समाजसेवियों ने पौधारोपण करने का संकल्प लिया।

नशा मुक्त समाज का संकल्प लिया

निवाई। राजकीय महाविद्यालय की नई किरण नशा मुक्ति केंद्र एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान में पीएम राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में नशा मुक्ति जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के तहत महाविद्यालय के सखा-सखी समूह द्वारा विद्यार्थियों के सहयोग से नशा मुक्ति पर एक जागरूकता डॉक्यूमेंट्री फिल्म बनाई गई। डॉक्यूमेंट्री के माध्यम से नशे के दुष्प्रभाव, युवाओं में बढ़ती लत व इससे बचाव के उपायों को प्रभावी ढंग से दर्शाया गया। कार्यक्रम में नशा मुक्ति नोडल प्रभारी राजेश कुमार मीणा ने विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने व समाज को जागरूक करने की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि नशा केवल व्यक्ति को ही नहीं, बल्कि पूरे परिवार व समाज को बर्बाद कर देता है। युवा ही नशा मुक्त भारत के सच्चे सिपाही हैं। राष्ट्रीय सेवा योजना के जिला समन्वयक डॉ. सीएल मीणा ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना का उद्देश्य ही युवाओं में सामाजिक जिम्मेदारी की भावना पैदा करना है। राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी रूपा चौधरी ने बताया कि सखा-सखी समूह द्वारा आगे भी विभिन्न विद्यालयों में इस तरह के जागरूकता अभियान चलाए जाएंगे। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और नशा मुक्ति का संदेश दिया एवं नशा मुक्त समाज बनाने का संकल्प लिया।

हनुमान जी मंदिर चौमूं में फार्मासिस्ट दिवस का आयोजन

चौमूं / कालाडेरा । चौमूं उपखण्ड में राजस्थान फार्मासिस्ट कर्मचारी संघ एकीकृत की जयपुर ग्रामीण शाखा की तरफ से बहुत ही उत्साह उमंग के साथ कागल्या हनुमान जी मंदिर चौमूं में फार्मासिस्ट दिवस का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम संघ के संस्थापक महेश यादव और पूर्व प्रदेश अध्यक्ष तिलक शर्मा के मुख्य आतिथ्य एवं सान्निध्य में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिसमें जयपुर ग्रामीण एवं बाहर के जिलों से काफी संख्या में फार्मासिस्ट उपस्थित रहे। कार्यक्रम में नवचयनित एवं भावी फार्मासिस्ट (फार्मेसी स्टूडेंट्स) का स्वागत भी किया गया। कार्यक्रम में सभी उपस्थित फार्मासिस्ट साथियों ने फार्मेसी प्रोफेशन एवं सरकारी फार्मासिस्ट से संबंधित समस्याओं और मुद्दों पर व्यावहारिक, सार्थक एवं तथ्यपरक विचार विमर्श एवं समाधान के सुझाव इत्यादि दिए गए। अंत में उक्त शानदार एवं भव्य आयोजन स्नेहिल भोज एवं जिलाध्यक्ष राहुल चुलेट के धन्यवाद भाषण के साथ सम्पन्न हुआ ।

आंगनवाड़ी मिलन एवं गोद भराई कार्यक्रम का आयोजन

दूदू । निकटवर्ती चरासडा मैं संचालित आंगनबाड़ी केंद्र पर विकसित भारत जन सेवा अभियान के तहत आंगनवाड़ी मिलन एवं गोद भराई कार्यक्रम का आयोजन किया गया इस अवसर पर राजकीय बालिका प्राथमिक विद्यालय की शिक्षिका शीतल चौधरी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता वंदना कंवर सहायिका विनोद कंवर हेमा गुर्जर ने महिलाओं को समय-समय पर विभाग द्वारा लगाए जा रहे टीकाकरण के प्रति जागरूक रहने एवं स्वास्थ्य को स्वस्थ रखने की जानकारी दी तथा केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजना का लाभ लेने आंगनबाड़ी केंद्र पर पीएम एम वाई योजना के बारे में विस्तार से बताया तथा गांव में सफाई व्यवस्था पर जोर देने की बात कही।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं आशा सहयोगिनियों का सम्मान

कोटपूतली। विकसित भारत-जन सेवा अभियान के अंतर्गत 25 से 27 सितंबर 2026 तक जिले के सभी आंगनबाड़ी केन्द्रों पर तीन दिवसीय 'आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम' का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम के तहत शनिवार को जिले के 1,263 आंगनबाड़ी केन्द्रों पर मुख्य कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम के दौरान आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं एवं आशा सहयोगिनियों को उनके महत्वपूर्ण योगदान एवं सेवाओं के लिए सम्मानित किया गया। मानदेय कार्मिकों को माननीय प्रधानमंत्री द्वारा उनके कार्यों की प्रशंसा के लिए प्रेषित पत्र एवं प्लांटर प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर महिला एवं बाल विकास विभाग के उपनिदेशक श्री तेजप्रकाश अग्निहोत्री ने बहरोड़, नीमराणा एवं कोटपूतली परियोजनाओं में आयोजित कार्यक्रमों में सहभागिता करते हुए मानदेय कार्मिकों को प्रशंसा पत्र प्रदान

- **विकसित भारत-जन सेवा अभियान के तहत तीन दिवसीय 'आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम' का आयोजन**

किए तथा उनके कार्यों की सराहना की।

कार्यक्रम में जिला एवं ब्लॉक स्तर के अधिकारियों एवं कार्मिकों ने भी सहभागिता की। इस दौरान सीडीपीओ सुरज्ञान यादव, सीडीपीओ देवीराम मीणा, एएसओ गिरिराज यादव तथा मिशन बुनियाद कार्यक्रम के जिला समन्वयक राजेन्द्र यादव सहित अन्य कार्मिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के माध्यम से आंगनबाड़ी केन्द्रों से जुड़े कार्मिकों के योगदान को सम्मान देने के साथ ही समुदाय एवं आंगनबाड़ी केन्द्रों के बीच सहभागिता को और मजबूत करने का संदेश दिया गया।

भरतपुर कलेक्टर ने शहर के विकास कार्यों का निरीक्षण किया

भरतपुर। शहर में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों की प्रगति का जायजा लेने के लिए जिला कलेक्टर कमर चौधरी शनिवार को स्वयं फील्ड में उतरे। उन्होंने मुख्य रूप से लोक निर्माण विभाग द्वारा कराए जा रहे सड़क निर्माण कार्यों का विशेष निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अछनेरा रोड, नगला चांदमारी, सुभाष नगर काली बगीची के पीछे गौशाला वाली सड़क तथा मुरवाड़ा रोड सहित कई प्रमुख मार्गों का दौरा कर कार्यों की गुणवत्ता और गति की समीक्षा की। अधिकारियों को तय समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान जिला कलेक्टर कमर चौधरी ने बताया कि शहर के बीचों-बीच कई जगह विकास कार्य एक साथ चल रहे हैं। आज विशेष रूप से पीडब्ल्यूडी की सड़कों पर फोकस किया गया है। उन्होंने कहा कि दो-तीन विभाग

कलेक्टर कमर चौधरी ने शहर में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों की प्रगति का जायजा लिया।

आपस में समन्वय बनाकर काम कर रहे हैं, जिससे कहीं-कहीं समय लग रहा है। कई जगह अतिक्रमण हटाए गए हैं, तो कई जगह खुदाई का कार्य चल रहा है। इसके अलावा बिजली के पोल हटाने, डालियों की कटाई और अंडरग्राउंडिंग का कार्य भी साथ-साथ हो रहा है। अंडरग्राउंडिंग के बाद डिवाइडर बनाकर सड़क निर्माण किया जा रहा है, इसलिए प्रक्रिया में थोड़ा अधिक समय लगना स्वाभाविक है।

जिला कलेक्टर ने बताया कि बरसात के कारण कुछ समय के लिए कार्य प्रभावित हुए थे, लेकिन अब

- **कलेक्टर कमर चौधरी ने मार्च तक छोटे और जून तक बड़े काम पूरे करने के निर्देश दिये**

बरसात के बाद सभी कार्य पुनः गति पकड़ चुके हैं। सभी विभागों के टेंडर प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है और निर्माण सामग्री भी उपलब्ध करा दी गई है। अब सभी टीमें पूरी तरह मोबिलाइज हो चुकी हैं। उन्होंने कहा कि निरीक्षण का उद्देश्य यह देखना है कि कहां मार्गदर्शन की आवश्यकता है और कहां अतिरिक्त टीम भेजने की जरूरत है, ताकि आगामी सीजन से पहले कार्य समय पर पूरे किए जा सकें। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रत्येक सड़क की लंबाई और कार्य की प्रकृति अलग-अलग है।

किशनगढ़ बास बांके बिहारी मंदिर में भंडारा आज

किशनगढ़ बास। चुनाव जीतने के बाद अक्सर नेता जनता को भूल जाते हैं, लेकिन वार्ड 17 की नवनिर्वाचित पार्षद भारती ने जीत के बाद पहला कदम अपने वार्ड के आराध्य के दरबार में रखकर यह साबित कर दिया कि उनका रिश्ता सिर्फ वोट का नहीं, बल्कि परिवार का है। शहर के प्राचीन और ऐतिहासिक बांके बिहारी मंदिर पर रविवार को विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। यह भंडारा भारती के पार्षद बनने की खुशी में रखा गया है। भारती वार्ड 17 से कांग्रेस टिकट पर चुनाव जीतकर पार्षद निर्वाचित हुई हैं।वार्ड 17 की अपनी एक अलग ही पहचान है। यह शहर की सबसे पुरानी आबादी का हिस्सा है, जो राजा-महाराजाओं के समय से बसा हुआ है। यहां ऐतिहासिक किला है और उसी परिसर में प्राचीन बांके बिहारी मंदिर स्थित है। किले के निचले हिस्से में चारों ओर रिहायशी बस्ती है और सुरक्षा के लिए चारों ओर खाई बनी हुई है। इसी ऐतिहासिक विरासत को संजोए हुए वार्ड के लोगों ने भारती को अपना आशीर्वाद देकर पार्षद बनाया है।भंडारे के आयोजन को लेकर वार्डवासियों में खासा उत्साह है। लोगों का कहना है कि पार्षद ने जीत के बाद मंदिर में भंडारा रखकर वार्ड की संस्कृति और परंपरा का सम्मान किया है।

देवली में आंगन मिलन सेवा समारोह आयोजित

देवली। शनिवार को शहर के उप जिला चिकित्सालय में विकसित भारत जनसेवा अभियान के अंतर्गत आंगन मिलन सेवा समारोह का आयोजन किया गया है। इस दौरान देवली उप जिला अस्पताल के मुख्य चिकित्सा प्रभारी के द्वारा संस्थान के सभी आशा सहयोगिनीयों को सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई।

इस अवसर पर चिकित्सा प्रभारी डॉ रविराज सिंह और जन सेवा समिति के सदस्यों ने समारोह कार्यक्रम में उपस्थित सभी आशाओं को राजस्थान मुख्यमंत्री के संदेश का प्रशसित पत्र पारितोषिक के रूप दिया गया। इसी के साथ आशा सहयोगिनियों को पौधे के गमले और बैग भी वितरित किए गए। तो वही कार्यक्रम में आशाओं सहयोगिनियों का माल्यार्पण कर उन्हें सम्मानित भी किया गया। उल्लेखनीय है कि विकसित भारत-जन सेवा अभियान (2026) के तहत राजस्थान के विभिन्न जिलों में 25 सितंबर से 27 सितंबर तक आंगन मिलन सेवा समारोह एवं कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। जानकारी के अनुसार इस समारोह का मुख्य उद्देश्य सुशासन,सामाजिक सरोकार की भावना को मजबूत करना,

आंगन मिलन सेवा समारोह कार्यक्रम मे आशा सहयोगिनी को सम्मानित करते चिकित्सा प्रभारी और जन सेवा समिति सदस्य।

जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुंचाना और जनभागीदारी को बढ़ावा देना है। तो वही इन कार्यक्रमों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं और आशा सहयोगिनियों का जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों द्वारा अभिनंदन एवं सम्मान किया जा रहा है। इस कार्यक्रम में देवली उप जिला अस्पताल के चिकित्सा प्रभारी डॉ रविराज सिंह ने बताया कि आज आशा सहयोगिनीया समाज में मिल का पत्थर साबित हो रही है। आज आशा सहयोगिनियों के द्वारा गांव गांव ढाणी ढाणी मैं रहने वाली महिलाओं को उनकी सेहत और रहन-सहन के लिए जागरूक किया जा रहा है। इसी के साथ आशा सहयोगिनी कार्यकर्ता महिलाओं से जुड़ी बीमारियों के बचाव एवं उनके उपचार हेतु प्रेरित कर रही है। इसी के साथ आशा सहयोगिनी कार्यकर्ताओं के द्वारा

गर्भवती महिलाओं को उनके स्वस्थ बने रहने पर जागरूक किया जा रहा है। इस समारोह मैं प्रमुख चिकित्सा अधिकारी डॉ रविराज सिंह ने आशा सहयोगिनियों से कहा कि राजस्थान सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना ही हमारा लक्ष्य है।

पावटा में रामलीला कार्यक्रम को भव्य बनाने पर मंथन

पावटा। धर्म, संस्कृति और आस्था की पहचान बन चुकी आदर्श रामलीला मंडल पावटा की 75 वर्षों पुरानी गौरवशाली परंपरा को निरंतर बनाए रखने को लेकर गुरुवार को रामलीला समिति की बैठक का आयोजन मंडल संरक्षक उमेश चंद्र टांक की अध्यक्षता में किया गया। बैठक में मंडल संरक्षक स्वर्गीय अमरनाथ पटेल, सुरेश चंद्र शर्मा को दो मिनट का मौन रख श्रद्धांजलि देते हुए आगामी रामलीला मंचन की तैयारियों, व्यवस्थाओं एवं कार्यक्रमों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।समिति पदाधिकारियों ने सभी कार्यकर्ताओं एवं क्षेत्रवासियों से रामलीला को सफल बनाने में सहयोग का आव्हान किया।

कमेटी पदाधिकारियों ने कहा कि भगवान श्रीराम की लीला का आयोजन नगर की धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपरा का महत्वपूर्ण हिस्सा है। रामलीला के माध्यम से समाज में भगवान श्रीराम के आदर्शों,मर्यादा, सत्य और धर्म का संदेश पहुंचता है। साथ ही नगरवासियों से भी रामलीला महोत्सव में बढ़-चढ़कर सहभागिता करने की अपील की गई।

बैठक में वक्ताओं ने कहा कि 75 वर्षों का यह सफर किसी एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि कई पीढ़ियों के सामूहिक समर्पण की कहानी है। जिन लोगों ने अपने जीवन का महत्वपूर्ण समय रामलीला के आयोजन को दिया, उनका योगदान आज भी इस परंपरा की नींव के रूप में याद किया जाता है। बैठक में 3 अक्टूबर को गणेश पूजन के साथ रामलीला मंचन के शुभारंभ को लेकर मंच व्यवस्था, पात्र चयन, अनुशासन, प्रचार-प्रसार, दर्शकों की सुविधा एवं अन्य व्यवस्थाओं पर भी चर्चा की गई।

इस दौरान आदर्श रामलीला मंडल पावटा संरक्षक उमेश टांक, महासभा पावटा नगर अध्यक्ष सुरेश शर्मा, वरिष्ठ सदस्य रमाकांत गौड़, एडवोकेट विष्णु पटेल, अध्यक्ष योगेश शर्मा, डायरेक्टर मोहन गौड, उपाध्यक्ष दीपक पटेल, साँवर मल बोहारा , रामशरण बोहरा, सोनू अग्रवाल, कोषाध्यक्ष विकास पुजारी, ललित शर्मा, लक्की भारद्वाज, पंकज सैन, बिहारी सोनी, गुड्डू गुप्ता, सुभाष टीलावत, नितिन मुद्गल, अरविंद जांगिड, अमित बटवाल, जीतू कुमावत, गिरिराज, लक्ष्मीकांत शर्मा, सोमदत्त शर्मा, राघव टीलावत सहित पदाधिकारी व सदस्य मौजूद रहे।

कोटपूतली में गिरदावर सर्किल मुख्यालयों पर सेवा सेतु शिविर शुरू

कोटपूतली। विकसित भारत-जन सेवा अभियान-2026 के अंतर्गत जिले में 26 से 28 सितंबर तक गिरदावर सर्किल मुख्यालयों पर सेवा सेतु अभियान के शिविरों का शुभारंभ हुआ। शिविरों में आमजन को विभिन्न विभागों की योजनाओं एवं सेवाओं का लाभ एक ही स्थान पर उपलब्ध कराने के साथ-साथ लंबित प्रकरणों एवं समस्याओं का मौके पर निस्तारण किया जा रहा है। शिविरों का आयोजन प्रातः 9:30 बजे से सायं 6 बजे तक अथवा कार्य समाप्ति तक किया जा रहा है। संबंधित उपखंड अधिकारी शिविर प्रभारी तथा भू-अभिलेख निरीक्षक सह प्रभारी के रूप में विभिन्न विभागों के अधिकारियों एवं कार्मिकों के साथ समन्वय कर शिविरों का संचालन कर रहे हैं।

शिविरों में राजस्व विभाग द्वारा राजस्व अभिलेखों का शुद्धिकरण, आपसी सहमति से खातों का विभाजन, रास्ते एवं मूल निवास एवं हैसियत प्रमाण-पत्र जारी करने सहित फार्मर रजिस्ट्री के कार्य किए जा रहे हैं। इसी प्रकार प्रधानमंत्री आवास योजना-

- **एक ही स्थान पर 22 विभागों की योजनाओं एवं सेवाओं का मिल रहा लाभ, आमजन के प्रकरणों का होगा त्वरित निस्तारण**

ग्रामीण, स्वयं सहायता समूहों के गठन एवं बैंक खाते खुलवाने, स्वच्छता संबंधी कार्यों, वन विभाग की सेवाओं, कृषि योजनाओं एवं मृदा स्वास्थ्य कार्ड सहित विभिन्न सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। इसके साथ ही जनधन, जीवन ज्योति बीमा, सुरक्षा बीमा एवं अटल पेंशन योजना में पंजीयन, जनआधार संबंधी कार्य, खाद्य सुरक्षा योजना के लंबित प्रकरण एवं ई-केवाईसी, सामाजिक सुरक्षा पेंशन एवं पालनहार योजना का सत्यापन, यूडीआईडी कार्ड, महिला एवं बाल विकास की योजनाओं, आयुष चिकित्सा सेवाओं तथा पूर्व सैनिकों से संबंधित प्रकरणों का भी निस्तारण किया जा रहा है।

लालसोट : धर्म यात्रा में उमड़ा जैन समाज, भजनों और लहरियों से गूंजे मार्ग

लालसोट। भाद्रपद शुक्ल पक्ष के अंतिम तीन दिनों में सम्यक दर्शन, सम्यक ज्ञान और सम्यक चारित्र की प्राप्ति की भावना के साथ जैन समाज के तपस्वियों द्वारा की जा रही साधना के उपलक्ष्य में शनिवार को सामूहिक धर्म यात्रा निकाली गई। चंद्रप्रभु दिगंबर जैन मंदिर से शुरू हुई धर्म यात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होती हुई शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर एवं जैन नसियांजी पहुंची।

धर्म यात्रा के दौरान तपस्वियों का समाजबंधुओं ने जगह-जगह स्वागत-सत्कार किया। संगीत की मधुर स्वर लहरियों के साथ निकली यात्रा में महिला, पुरुष एवं बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। समाजजनों ने तपस्वियों की तपस्या की अनुमोदना करते हुए भगवान महावीर से उन्हें आगे भी तप, साधना और धर्म के मार्ग पर बढ़ने की शक्ति प्रदान करने की कामना की।

तपस्वी रत्नों में वीरेंद्र कुमार जैन-श्वेता जैन सोनी दंपती, नेहा जैन बैनाडा, आयुषी जैन सोनी, श्रेयश जैन गंगवाल,

तपस्वियों द्वारा की जा रही साधना के उपलक्ष्य में शनिवार को सामूहिक धर्म यात्रा निकाली ।

यमिश जैन बड़जात्या, नवांश जैन वैद, तनिष्क जैन बड़जात्या, प्रिया जैन सोनी, तरुण जैन सोनी एवं सुनीता जैन सोनी ने तीन एवं पांच दिवसीय साधना-उपवास कर भगवान जिनेंद्र के श्रीचरणों में बैठकर कर्मों की निर्जरा की भावना से तपस्या की। इनमें पांच दिवसीय पंचमेरु उपवास करने वाले तपस्वियों की भी समाज ने विशेष रूप से अनुमोदना की। धर्म यात्रा के दौरान सत्य, अहिंसा, अपरिग्रह, अचौर्य, ब्रह्मचर्य-नवकार मेरी सांस, जैन धर्म मेरा विश्वास, गुरुदेव मेरे प्राण, मोक्ष की मुझे तलाश जैसे धर्ममय संदेशों से वातावरण भक्तिमय बना रहा।

यात्रा मार्ग में वाइजर एकेडमी विद्यालय परिवार, प्रकाशचंद-महेंद्र कुमार जैन पाटनी परिवार, महेशकुमार-नरेशकुमार-दीपककुमार जैन सोनी परिवार, डॉ. प्रमोद कुमार-

- **चंद्रप्रभु दिगंबर जैन मंदिर से शुरू हुई धर्म यात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होती हुई शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर एवं जैन नसियांजी पहुंची**

वीरेंद्र कुमार जैन सोनी, अजीत कुमार-पुनीत कुमार जैन सोनी परिवार, राजेशकुमार-अनिल कुमार जैन परिवार, विजय छावड़ा परिवार, अनिल कुमार-अरुण कुमार बैनाडा परिवार एवं जैन नसियां परिवार सहित समाजबंधुओं ने तपस्वियों का स्वागत एवं सत्कार किया। जैन युवा संघ अध्यक्ष रविंद्र बड़जात्या ने बताया कि जिन दो तपस्वियों ने रत्नत्रय का तेला किया है, अनीता जैन एवं आकाश बड़जात्या का भी अगले दिन धर्म यात्रा के माध्यम से सम्मानपूर्वक घर पहुंचाकर अभिनंदन किया जाएगा।

डीसीपी रंजीता शर्मा ने सुनी आमजन की पीड़ा

जयपुर। पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व रंजीता शर्मा ने शनिवार को जवाहर सर्किल थाने में जनसुनवाई कर परिवादियों की समस्याएं सुनीं। दोपहर 1 से 3 बजे तक आयोजित जनसुनवाई में बड़ी संख्या में परिवादी पहुंचे और अपनी शिकायतें एवं समस्याएं पुलिस उपायुक्त के समक्ष रखीं। डीसीपी ने परिवादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। इस दौरान कई परिवादों का मौके पर ही समाधान कर परिवादियों को राहत प्रदान की गई। जनसुनवाई में बजाज नगर, मालवीय नगर, खोह नागोरियान, जवाहर सर्किल और एयरपोर्ट थाना क्षेत्रों से संबंधित परिवादी शामिल हुए। परिवादियों ने विभिन्न मामलों से जुडी अपनी समस्याएं पुलिस अधिकारियों के समक्ष रखीं। डीसीपी ने संबंधित थाना अधिकारियों से प्रकरणों की जानकारी लेते हुए नियमानुसार त्वरित कार्रवाई करने के निर्देश दिए। पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व रंजीता शर्मा ने अधिकारियों को परिवादियों की शिकायतों को प्राथमिकता से सुनने और उनका समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आमजन की समस्याओं का समाधान पुलिस की प्राथमिकता है और जनसुनवाई के माध्यम से लोगों को अपनी शिकायत सीधे पुलिस अधिकारियों के समक्ष रखने का अवसर मिलता है।

खोया पाया

मेरे भूखण्ड संख्या प्लाट नं. 82 गोपाल विहार गोनेर रोड जयपुर ओरिजनल रजिस्ट्री कहीं गुम हो गए है। मिलने पर सूचित करें। मनु भाई परमार पुत्र सोना भाई परमार 4356 बगला भवन अनाज मण्डी के पीछे नथमलजी चौक जौहरी बाजार, जयपुर फोन नं. 9887683778

नाम परिवर्तन

मैं वसीम खान, निवासी फ्लैट-89, सुंदर नगर, झोटवाड़ा खातीपुरा रोड, जयपुर घोषित करता हूँ कि मेरे पुत्र मोहम्मद अनीस पठान का नाम बदलकर मो. अनीश पठान हो गया है। दोनों नाम एक ही व्यक्ति के हैं। भविष्य में वह इसी नाम से जाना जाए।

मैं, सुनील कुमार बराला, निवासी 18A, वृंदावन विहार, माचेडा, हरमाड़ा, जयपुर, यह घोषणा करता हूँ कि मैंने अपना नाम सुनील कुमार से बदलकर सुनील कुमार बराला रख लिया है। अतः भविष्य में मुझे उपरोक्त सुनील कुमार बराला के नाम से ही जाना एवं पहचाना जाए।

मैं, पूनम आण्णासो शेजाळ पत्नी सेना क्रमांक JC732804P, पद सुबेदार, शेजाळ आण्णासो कृष्णाप्पा, निवासी ग्राम खलाटी, तहसील जत, जिला सांगली, महाराष्ट्र, ने अपने पति के सेवा अभिलेखों में अपना नाम पूनम शेजाळ से बदलकर पूनम आण्णासो शेजाळ कर लिया है, जो भविष्य में सभी उद्देश्यों के लिए मान्य होगा।

मैं, वैष्णवी आण्णासो शेजाळ पुत्री सेना क्रमांक JC732804P, पद सुबेदार, शेजाळ आण्णासो कृष्णाप्पा, निवासी ग्राम खलाटी, तहसील जत, जिला सांगली, महाराष्ट्र, ने अपने पिता के सेवा अभिलेखों में अपना नाम वैष्णवी शेजाळ से बदलकर वैष्णवी आण्णासो शेजाळ कर लिया है, जो भविष्य में सभी उद्देश्यों के लिए मान्य होगा।

मैं, आदित्य आण्णासो शेजाळ, पुत्र सेना क्रमांक JC732804P, पद सुबेदार, शेजाळ आण्णासो कृष्णाप्पा, निवासी ग्राम खलाटी, तहसील जत, जिला सांगली, महाराष्ट्र, ने अपने पिता के सेवा अभिलेखों में अपना नाम आदित्य शेजाळ से बदलकर आदित्य आण्णासो शेजाळ कर लिया है, जो भविष्य में सभी उद्देश्यों के लिए मान्य होगा।

I have changed my Name from Sareen Ahmed to Sarin Ahmed for all Future purposes. Sarin Ahmed D/o Late Shakeel Ahmed R/o 3684-85 Near Kabadia Masjid, Babu ka Tiba, Ramganj Bazar, Jaipur.

I Shashi Prabha legally wedded spouse of army no JC 752251L Ex NAIB SUB Late Ram awtar resident of plot no 1 Dev nagar A murlipura jaipur that I want to change my name from SASHI BALA to SHASHI PRABHA vide affidavit dated 21 sep 2026 before sub divisional magistrate Jaipur south

I have changed my name from Parekh Nishrin Abdullah to Nishrin A Ratlamwala. In the future, I should be known as Nishrin A Ratlamwala, wife of Shri Aliakbar Ratlamwala. Resident of: Flat No. 409, 4th Floor, Param Elegant, Vaishali Elegance, Lalarpura, Gandhi Path West, Jaipur, Rajasthan-302021.

नम्बर मिलाइए
8890333139
सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

एस.आई. परीक्षा में सेंधमारी का दावा करने वाला वीडियो फर्जी निकला

पुलिस जांच में सामने आया कि वायरल वीडियो आरपीएससी की एसआई परीक्षा का नहीं, बल्कि अगले दिन कलाम एकेडमी की ओर से आयोजित आरएएस के मॉक टेस्ट का था।

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) की उप निरीक्षक (एसआई)/प्लाटून कमांडर संयुक्त प्रतियोगी पुनः परीक्षा-2021 की सुरक्षा व्यवस्था में सेंधमारी का दावा कर सोशल मीडिया पर वायरल किए गए वीडियो की जांच में बड़ा खुलासा हुआ है। जयपुर दक्षिण जिला पुलिस की जांच में सामने आया कि वायरल वीडियो आरपीएससी की एसआई परीक्षा का नहीं, बल्कि अगले दिन कलाम एकेडमी की ओर से आयोजित आरएएस के मॉक टेस्ट का था।

पुलिस उपायुक्त जयपुर दक्षिण संजीव नैन ने बताया कि आरपीएससी की शिकायत पर अजमेर के सिविल लाइंस थाने में दर्ज जीरो नंबर एफआईआर जयपुर के महेश नगर थाने में स्थानांतरित होकर मिली थी। मामले में राजस्थान सार्वजनिक परीक्षा (भर्ती में अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम, 2022 की धारा 10(1) के तहत मामला दर्ज कर जांच अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त (एसआईयूसीएडब्ल्यू) जिज्ञासा को सौंपी गई।

> ■ **जांच में यह भी सामने आया कि संबंधित व्यक्ति ने 20 सितंबर को आरपीएससी की एसआई परीक्षा दी ही नहीं थी और वह 21 सितंबर को केवल कोचिंग का मॉक टेस्ट देने पहुंचा था। पुलिस अब वीडियो बनाने वाले व्यक्ति की पहचान और तलाश में जुटी है।**

20 सितंबर को प्रदेश के 11 जिलों में आरपीएससी की एसआई भर्ती पुनः परीक्षा आयोजित हुई थी। इसके बाद सोशल मीडिया पर एक अभ्यर्थी का वीडियो वायरल हुआ, जिसमें परीक्षा कक्ष के व्हाइट बोर्ड की रिकॉर्डिंग के साथ मोबाइल से प्रश्न-पत्र और ओएमआर शीट दिखाने का दावा किया गया। वीडियो में परीक्षा केंद्र कोड 16-0253 और रोल नंबर सीरीज 3796881 से 3796904 दिखाई दे रही थी। केंद्र कोड कल्याण पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल, गंगा विहार कॉलोनी, महेश नगर, जयपुर का था।

पुलिस जांच में सामने आया कि कल्याण पब्लिक स्कूल ने प्रतियोगी परीक्षाओं के मॉक टेस्ट के लिए कलाम एकेडमी, जयपुर से अनुबंध कर रखा है। गत 20 सितंबर को आरपीएससी की परीक्षा समाप्त होने के बाद स्कूल प्रशासन ने बेसमेंट-ए के व्हाइट बोर्ड पर लिखे केंद्र कोड और रोल नंबर सीरीज को नहीं मिटाया था।

अगले दिन 21 सितंबर को इसी स्थान पर कलाम एकेडमी ने आरएएस का मॉक टेस्ट आयोजित किया।

जांच के अनुसार आरोपी ने 21 सितंबर को मॉक टेस्ट के दौरान वीडियो बनाया। बोर्ड पर पहले दिन की आरपीएससी परीक्षा से संबंधित विवरण दिखाई देने के कारण उसने वीडियो को सोशल मीडिया पर गलत दावे के साथ प्रसारित कर दिया। जांच में यह भी सामने आया कि संबंधित व्यक्ति ने 20 सितंबर को आरपीएससी की एसआई परीक्षा दी ही नहीं थी और वह 21 सितंबर को केवल कोचिंग का मॉक टेस्ट देने पहुंचा था।

डीसीपी दक्षिण संजीव नैन के निर्देशन में महेश नगर थानाधिकारी हवा सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम वीडियो बनाने वाले व्यक्ति की पहचान और तलाश में जुटी है। पुलिस ने कहा कि परीक्षा को लेकर भ्रामक या फर्जी जानकारी सोशल मीडिया पर प्रसारित करने वालों के खिलाफ नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

6.80 करोड़ के ''बॉस स्कैम'' मामले में आरोपी लक्ष्मण सिंह बीकानेर से गिरफ्तार

खाते, एटीएम व सिम उपलब्ध कराने के साथ गिरोह के सदस्यों की लॉजिस्टिक व्यवस्था संभालता था आरोपी

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान पुलिस के सेंट्रल साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन जयपुर ने 6.80 करोड़ रुपए के चर्चित 'बॉस स्कैम' साइबर ठगी प्रकरण में एक और आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बीकानेर से लक्ष्मण सिंह उर्फ नीशू को पकड़ा है। आरोप है कि वह साइबर ठगों को बैंक खाते, एटीएम और सिम उपलब्ध कराने के साथ गिरोह के सदस्यों के रहने-ठहरने और अन्य लॉजिस्टिक इंतजाम करता था। इस मामले में अब तक 12 आरोपी गिरफ्तार किए जा चुके हैं। फिलहाल आरोपित से पूछताछ की जा रही है।

लक्ष्मण सिंह उर्फ नीशू

डीआईजी साइबर क्राइम शांतनु कुमार सिंह के अनुसार गिरोह साइबर ठगी की रकम को म्यूल बैंक खातों, एटीएम, चेक, यूपीआई, क्यूआर कोड, डिजिटल वॉलेट और यूएसडीटी क्रिप्टो करेंसी के जरिए अलग-अलग स्तरों पर घुमाता था। टेलीग्राम ग्रुप के माध्यम से बैंक खाते, पासबुक, एटीएम, चेकबुक और सिम की किट उपलब्ध कराई जाती थी। रकम आने के बाद उसे तत्काल नकद निकाला या दूसरे खातों में ट्रांसफर किया जाता था। कई खातों में लेयरिंग के बाद रकम को बिनेंस जैसे क्रिप्टो प्लेटफॉर्म और टेलीग्राम पर उपलब्ध क्यूआर कोड के जरिए यूएसडीटी में बदलकर आगे भेजा जाता था।गिरोह फर्जी पहचान अथवा वॉट्सऐप पर कंपनी के उच्च अधिकारी या बॉस की फोटो और नाम का इस्तेमाल कर कर्मचारियों को विश्वास में लेता था। इसके बाद भुगतान या ट्रांसफर के निर्देश देकर ठगी की रकम म्यूल खातों में पहुंचाई जाती थी। जांच में सामने आया है कि इस मामले में साइबर अपराधियों ने कंपनी के निदेशक की पहचान और पुरानी वॉट्सऐप बातचीत का इस्तेमाल कर अकाउंट्स हेड से करोड़ों रुपए ट्रांसफर करवाए थे।पूछताछ में लक्ष्मण सिंह ने पुलिस को बताया कि वह टेलीग्राम के 'एफटूएफ जयपुर दिल्ली' ग्रुप के जरिए साइबर ठगों के संपर्क में आया था। उसका काम रींगस और बीकानेर आने वाले गिरोह के सदस्यों को रिसीव करना, होटल में ठहराना और लॉजिस्टिक सुविधाएं उपलब्ध कराना था।

> ■ **पुलिस अब वॉट्सऐप, टेलीग्राम रिकॉर्ड, सीडीआर, आईपीडीआर और बैंकिंग मनी ट्रेल का विश्लेषण कर गिरोह के अन्य सदस्यों और नेटवर्क का पता लगा रही है।**

पुलिस के अनुसार 23 अगस्त 2026 को संदीप कुमार के रींगस आने पर लक्ष्मण ने दीपक सिंह और युवराज सिंह के जरिए उसे होटल में ठहराया। इसके बाद संदीप से बैंक खाता, एटीएम, पासबुक, चेकबुक और लिंक सिम लेकर उसकी जानकारी टेलीग्राम ग्रुप में साझा की गई। सिम को दूसरे मोबाइल में लगाकर एपीके लिंक के जरिए बैंकिंग लेन-देन कराया गया और ठगी की रकम ट्रांसफर की गई। इस काम के बदले लक्ष्मण को 1000 रुपए प्रतिदिन तथा काम सफल होने पर 5000 रुपए अतिरिक्त बोनस मिलता था।

पुलिस अब वॉट्सऐप, टेलीग्राम रिकॉर्ड, सीडीआर, आईपीडीआर और बैंकिंग मनी ट्रेल का विश्लेषण कर गिरोह के अन्य सदस्यों और नेटवर्क का पता लगा रही है।

सरोज कंवर बनीं जयपुर की पहली महिला उपमहापौर

150 में से 89 वोट मिले, कांग्रेस उम्मीदवार सलमान मंसूरी को मिले 58 वोट

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। जयपुर नगर निगम में शनिवार को उपमहापौर पद के लिए हुए चुनाव में भाजपा प्रत्याशी सरोज कंवर निर्वाचित हुईं। उन्होंने कांग्रेस प्रत्याशी सलमान मंसूरी को 31 मतों के अंतर से हराया। सरोज कंवर को 89 और सलमान मंसूरी को 58 वोट मिले। एक मत नोटा को गया, जबकि एक मत खारिज हुआ। कुल 150 पार्षदों में से 149 ने मतदान में हिस्सा लिया।

> ■ **एक पार्षद ने नोटा को वोट किया, जबकि एक वोट खारिज हुआ**

जयपुर की पहली उपमहापौर सरोज कंवर ने शनिवार को चुनाव जीतने के बाद पदभार ग्रहण किया।

नगर निगम सभासद भवन में रिटर्निंग अधिकारी आशीष कुमार के निर्देशन में मतदान और मतगणना की प्रक्रिया पूरी हुई। मतदान दोपहर 2.30 बजे शुरू हुआ।

चुनाव को देखते हुए नगर निगम मुख्यालय में थ्री-लेयर सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। मतदान के बाद मतगणना की गई। रिटर्निंग अधिकारी के अनुसार 148 मत विधिमान्य पाए गए, जबकि एक मत नोटा के पक्ष में था। सरोज कंवर को सर्वाधिक 89 मत मिलने पर उन्हें राजस्थान नगरपालिका नियमों की अनुसूची-6 के नियम 87 के उपनियम (6) के प्रावधानों के तहत विधिवत उपमहापौर निर्वाचित घोषित कर प्रमाणपत्र जारी किया गया।

पहली महिला उपमहापौर

सरोज कंवर जयपुर नगर निगम के इतिहास में उपमहापौर पद पर पहुंचने वाली पहली महिला हैं। वे पहली बार पार्षद चुनी गईं और इसके बाद उपमहापौर पद तक पहुंचीं।

सरोज कंवर भाजपा के पूर्व प्रदेश मंत्री रणजीत सिंह सोडाला की पत्नी हैं। रणजीत सिंह रावणा राजपूत समाज के प्रदेश अध्यक्ष भी हैं। भाजपा ने पहली बार सरोज कंवर को पार्षद का टिकट दिया था।

एक पार्षद नहीं पहुंची मतदान करने

कांग्रेस पार्षद वंदिता शर्मा पैर में चोट के कारण मतदान के लिए नगर निगम मुख्यालय नहीं पहुंच सकीं। इस कारण 150 में से 149 पार्षदों ने मतदान किया। मतदान में एक वोट नोटा और एक वोट खारिज हुआ।

बसों से निगम पहुंचे भाजपा पार्षद

भाजपा के पार्षद पिछले करीब 15 दिनों से प्रशिक्षण शिविर में थे। शनिवार को उन्हें बसों के जरिए एक साथ नगर निगम मुख्यालय लाया गया। मतदान और मतगणना पूरी होने के बाद भाजपा पार्षद प्रशिक्षण शिविर से अपने घरों के लिए रवाना हुए। कांग्रेस पार्षदों ने भी मतदान प्रक्रिया में हिस्सा लिया। चुनाव के दौरान भाजपा और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता नगर निगम मुख्यालय में मौजूद नहीं रहे।

मेयर पद भी भाजपा के पास

उपमहापौर चुनाव से एक दिन पहले शुक्रवार को हुए महापौर चुनाव में भाजपा के सुनील कोठारी ने कांग्रेस की सुनीता मावर को 29 मतों से हराया था। कोठारी को 89 और सुनीता मावर को 60 वोट मिले थे। उपमहापौर पद पर सरोज कंवर की जीत के साथ जयपुर नगर निगम के महापौर और उपमहापौर दोनों पद भाजपा के पास हैं।

संबंध खत्म करना, फोन ब्लॉक करना या किसी अन्य से संबंध होना आत्महत्या के लिए उकसाना नहीं : हाईकोर्ट

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने एक जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान माना है कि आपसी संबंध टूटना, बातचीत बंद कर फोन ब्लॉक करना या आरोपी का किसी अन्य महिला के साथ संबंध होना आत्महत्या के लिए उकसाने का अपराध नहीं माना जा सकता।

> ■ **संबंध खत्म करना, फोन ब्लॉक करना या किसी अन्य से संबंध होना आत्महत्या के लिए उकसाना नहीं : हाईकोर्ट**

इन परिस्थितियों को केवल भावात्मक आघात मान सकते हैं ना कि आत्महत्या के लिए उकसाना। हालांकि यह अलग बात है कि व्यक्तिगत संबंधों के स्तर पर आरोपी का ऐसा व्यवहार असंवेदनशील, दुखदायक या नैतिक रूप से निंदनीय माना जा सकता है, लेकिन यह मृतका को आत्महत्या के लिए कानूनी रूप से उकसाने के बराबर नहीं माना जा सकता। जस्टिस फरजंद अली ने यह आदेश आरोपी दिनेश मेहरा को जमानत देते हुए दिए।

अदालत ने कहा कि मृतका और आरोपी एक-दूसरे को अच्छी तरह जानते थे, उनके बीच लंबे समय तक संबंध रहे थे। घटना से पहले उनके बीच बातचीत बंद हो गई थी, आरोपी ने मृतका के फोन नंबर ब्लॉक कर दिए थे। मृतका इससे आहत थी कि आरोपी का जुड़ाव किसी अन्य महिला से है। अपनी मृत्यु से ठीक पहले बनाए वीडियो से भी मृतका की यही पीड़ा और आक्रोश झलकता है। अदालत ने मानवीय व्यवहार की जटिलता टिप्पणी करते हुए कहा कि रिश्तों में अलगाव, अस्वीकृति या ईर्ष्या के प्रति हर व्यक्ति की प्रतिक्रिया अलग-अलग होती है।

कानून हर उस परिस्थिति को दंडनीय अपराध नहीं बनाता जो किसी को गहरा भावनात्मक दुख या ठेस पहुंचाए। आपराधिक दायित्व के लिए विधिक तौर पर दोषपूर्ण आचरण का होना जरूरी है, न कि केवल नैतिक अस्वीकृति का। मामले से जुडे अधिवक्ता डॉ. विभूति भूषण शर्मा ने बताया कि आरोपी के खिलाफ पुलिस थाना सदर में आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में मामला दर्ज हुआ था। निचली कोर्ट से जमानत नहीं मिलने पर मामला हाईकोर्ट पहुंचा।

आम सूचना सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी अभिभाष्या उर्मिला शर्मा पत्नी रविन्द्र कुमार शर्मा, निवासी प्लाट नं0 63/32, हीरापथ, आई. सी.आई.सी.आई. बैंक के पास, मानसरोवर, जयपुर-302020 (राज0) आधार कार्ड संख्या 8630 0334 7529) की स्वअर्जित सम्पत्तियां 45/142, किरण पथ, मानसरोवर, जयपुर व 405, चौथा फ्लोर, विनायक होम्स 2 सोसायटी, पटेल मार्ग, मानसरोवर, जयपुर पर स्थित है। मेरी अभिभाष्या का पुत्र अविनाश शर्मा पुत्र श्री रविन्द्र कुमार शर्मा मेरी अभिभाष्या के कहने में नही हैं, मेरी अभिभाष्या ने अपने पुत्र अविनाश शर्मा एवं पुत्र वधु कोमल शर्मा को अपनी चल व ऊपर वर्णित दोनों अचल सम्पत्तियों से भी बेदखल कर दिया है, यदि कोई व्यक्ति अविनाश शर्मा व मेरी पुत्र वधु कोमल शर्मा से किसी प्रकार का संव्यवहार या लेन-देन करता है तो उसके लिए वह स्वयं जिम्मेदार होगा। मेरी अभिभाष्या की किसी प्रकार की कोई जिम्मेदारी नही होगी, कृपया सूचित रहे।

(नितिश कुमार भारद्वाज) एडवोकेट
दिनांक-26/9/26 मोबाईल : 9829659619

उत्तर पश्चिम रेलवे

ई-निविदा सूचना

डी.आर.एम./कर्षण वितरण, उ.प.रे. जोधपुर द्वारा भारत के राष्ट्रपति के वास्ते एवं मंडल की ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा आमंत्रित करते है। 1. सम्पूर्ण जानकारी के लिए वेबसाइट का पता : https://www.ireps.gov.in 2. ई- निविदा खोलने की तिथि व समय : 19.10.2026 को 15.00 बजे तक 3. ई-निविदा खोलने की तिथि व समय : 19.10.2026 को 15.00 बजे के बाद निविदा संख्या : GSU-ELECT-JU-04-2026-27 कार्य का नाम : Electrical TRD Work in connection with augmentation of DEMU maintenance facilities at DEMU Shed Merta Road. कार्य की अनुमानित लागत (रूपये) : Rs. 85020380.25 विस्तृत जानकारी हेतु कृपया https://www.ireps.gov.in पर विजिट करें। 1387-DI/26

हमें /NWRailways NWRailways_ पर फॉलो करें

''न्याय में देरी, न्याय से इंकार के समान'' यह कहावत नहीं राजस्व अदालतों की वास्तविकता है : हाईकोर्ट

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । राजस्थान हाईकोर्ट ने राजस्व अदालतों में कई सालों से लंबित मुकदमों को लेकर कडी टिप्पणी करते हुए चिंता जताई है। अदालत ने कहा कि कहावत है कि न्याय में देरी न्याय से इनकार के समान है। यह सिर्फ एक कहावत नहीं है, बल्कि राजस्व अदालतों की वास्तविकता है। यह दुखद स्थिति है कि आधी सदी से भी अधिक समय तक मामलों का निस्तारण नहीं होता है। वर्तमान मामला प्रणाली की उदासीनता और लापरवाही का एक ज्वलंत उदाहरण है कि प्रकरण का निस्तारण 63 साल से नहीं हुआ है। इतने समय में पीढियां बदल गई और मुकदमेबाज मर चुके हैं, लेकिन मामला फाइल पर अभी भी जीवंत है। अदालत ने कहा कि यह आश्चर्य की बात है कि कब्जे को लेकर दायर शिकायत का 63 साल से निपटारा नहीं हुआ है। इसके साथ ही अदालत ने एसडीएम मंडावर, दौसा को निर्देश दिए हैं कि वह लंबित शिकायत का तीन माह में निस्तारण करें। अदालत ने स्पष्ट किया है कि मामले में किसी भी पक्ष ने मामला स्थगित करने की प्रार्थना की तो उस पर कम से कम एक लाख रुपए की कोस्ट लगाई जाएगी। अदालत ने संबंधित पीठासीन अधिकारी को चेतावनी देते हुए कहा है कि यदि तय अवधि में मामला तय नहीं हुआ तो राजस्व मंडल व कार्मिक विभाग उचित कार्रवाई कर सकता है। जस्टिस अनूप कुमार की एकलपीठ ने यह आदेश जयराम की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।

> ■ **राजस्थान हाईकोर्ट ने राजस्व अदालतों में कई सालों से लंबित मुकदमों को लेकर कडी टिप्पणी करते हुए चिंता जताई**

याचिकाकर्ता से जुडे अधिवक्ता कवाल सिंह लोहा ने बताया कि यह पूरा विवाद दौसा के पाटरखेडा गांव में 238 बीघा भूमि से जुडा हुआ है। याचिकाकर्ता परिवार का दावा है कि इस जमीन में उनका छठा हिस्सा है। इस जमीन पर कब्जे को लेकर करीब 63 साल पहले सीआरपीसी की धारा 145 के तहत कार्रवाई आरंभ हुई थी। इसके बाद पूरी जमीन सरकारी निगरानी में चली गई और इस पर रिसीवर नियुक्त हो गया। इसके बाद से परिवार जमीन के स्वामित्व को लेकर कानूनी लड़ाई लड रहा है।

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)

कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर
राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को

मुकदमा नम्बर 740/2026
(नाम वर्णन तथा निवास स्थान)

चूंकि श्री राजदीप शर्मा, ग्राम मान्यावास, तहसील-सांगानेर, जयपुर ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास श्री गोविन्द देव जी (ठाकुर जी महाराज) मंदिर ट्रस्ट, ग्राम-मान्यावास, तहसील सांगानेर, जयपुर के सम्बन्ध में जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।

अतएवं धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही हैं में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।

और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।

आज दिनांक 25.09.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 25.11.2026

मोहर अदालत
सहायक आयुक्त (प्रथम)
देवस्थान विभाग जयपुर

आम सूचना जयपुर विकास प्राधिकरण, जयपुर

क्रमांक : जविप्रा/उपा./जोन-12/2026/डी- दिनांक : 26.09.2026

ग्राम श्रीरामगोपालपुरा उर्फ भोज्यावास, तहसील सांगानेर के खसरा नम्बर 190, 209, 230, 741/191, 742/191, 745/210 कुल किता 06 रकबा 1.5600 हैक्टयर भूमि में आवासीय योजना श्याम एन्कलेव का मानचित्र अनुमोदन [illegible] 05.2025 को [illegible]

उपायुक्त जोन-12

विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन

(आदेश 5 के नियम 1 और 5)
न्यायालय उपखण्ड अधिकारी चाकसू स्थान
जिला जयपुर

प्रभूलाल विरूद्ध रजय माथुर
वाद बाबत-....
वाद संख्या-6708 सन् 2026

बनाम राजेन्द्र भारद्वाज पुत्र स्व.नारायणलाल जाति ब्राह्मण स्थान नि. डी-82 श्याम नगर खातीपुरा रोड जयपुर

...ने आपके विरूद्ध.... के लिये वाद पंजीयत किया है आपको इस न्यायालय में तारीख 28 माह 09 सन् 2026 को दिन में 10.00 बजे दावे का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये वचन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते हैं जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों के उत्तर दे सकें या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्तिहो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सकें। आपको यह निर्देश भी दिया जाता हैं कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन दाखिल करें और उस दिन ऐसी सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में हैं पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हैं। और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो या न हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावे कें समर्थन मेंसाक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं तो आप ऐसे दस्तावेजों को लिखित कथन के साथ उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें।

आपको सूचित किया जाता हैं कि ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नही होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

यह आज ता. 23 माह 09 सन् 2026 को मेरे हस्ताक्षर सें और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

मोहर अदालत
रीडर
न्यायालय उपखण्ड अधिकारी
एवं उपखण्ड मजिस्ट्रेट चाकसू

विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन

(आदेश 5 के नियम 1 और 5)
न्यायालय उपखण्ड अधिकारी चाकसू स्थान
जिला जयपुर

प्रभूलाल विरूद्ध रजय माथुर
वाद बाबत-....
वाद संख्या-6708 सन् 2026

बनाम राधेश्याम पुत्र रामनिवास जाति बैरवा स्थान ग्राम लखेसरा तहसील सांगानेर जिला जयपुर

...ने आपके विरूद्ध.... के लिये वाद पंजीयत किया है आपको इस न्यायालय में तारीख 28 माह 09 सन् 2026 को दिन में 10.00 बजे दावे का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये वचन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते हैं जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों के उत्तर दे सकें या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्तिहो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सकें। आपको यह निर्देश भी दिया जाता हैं कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन दाखिल करें और उस दिन ऐसी सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में हैं पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हैं। और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो या न हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावे कें समर्थन मेंसाक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं तो आप ऐसे दस्तावेजों को लिखित कथन के साथ उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें।

आपको सूचित किया जाता हैं कि ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नही होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

यह आज ता. 23 माह 09 सन् 2026 को मेरे हस्ताक्षर सें और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

मोहर अदालत
रीडर
न्यायालय उपखण्ड अधिकारी
एवं उपखण्ड मजिस्ट्रेट चाकसू

जयपुर जिला दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लि.

गांधी नगर रेल्वे स्टेशन के पास, जयपुर-302015, Tele Fax : 0141-2711075
EPABX :0141-2713666-69, ई-मेल: jaipurdairy@jaipurdairy.com वेबसाइट : www.jaipurdairy.com

निविदा/ई-निविदा सूचना

1. NIB No :CDF2627A0743 जयपुर दुग्ध संघ द्वारा Operation & Maintenance of MVR Evaporator & ATFD Plant Of Capacity-40 KLD At Jaipur Dairy के कार्य हेतु **2. NIB No : CDF2627A0744** जयपुर दुग्ध संघ द्वारा इच्छुक पार्टियों से जयपुर डेयरी से जम्मू कश्मीर क्षेत्र, लेह लददाख क्षेत्र, राजस्थान और आस-पास के राज्यों का क्षेत्र, उत्तर पूर्व क्षेत्र में सेना के विभिन्न डिपो और डेरा व्यास अमृतसर (पंजाब) में UHT MAP MILK के परिवहन के लिए **3. NIB No : CDF2627A0745** जयपुर दुग्ध संघ के जयपुर संयंत्र में Different Varieties Of Sweet Manufacturing & Packing Work At Jaipur Dairy के कार्य हेतु **4. NIB No : CDF2627A0746** जयपुर दुग्ध संघ में Ice Cream Cone/ Candy/Shrikhand Packing Material, General Hardware/Plumbing/Safety Items/ Tools and Consumables Items, Steam/Water Valve, Cfc For 100Gm Dahi Cup Ammonia Gas, Hose Pipe For Water/Steam/Milk की आपूर्ति हेतु **5. NIB No CDF2627A0747** जयपुर दुग्ध संघ में Ghee Tin 1 Ltr, Adulteration Testing Kit, M.S. Angle/Channel/ Flat/Round Rod/SS Sheet/GI/MS Fitting Etc., ETP Chemical, Metalised Paneer Bag For 200Gm/1Kg की आपूर्ति हेतु **6. NIB No CDF2627A0749** जयपुर दुग्ध संघ द्वारा इच्छुक पार्टियों से जयपुर डेयरी संघ परिसर मे निकलने वालें टिन स्क्रेप की नीलामी निविदा के माध्यम से टू बिड़ सिस्टम (Two Bid System) के अन्तर्गत डिजिटल हस्ताक्षर युक्त ई-टेण्डर के माध्यम से ऑनलाइन (इक्ट्रोनिक प्रारूप मे) दरे आमन्त्रित की जाती है। **7. NIB No : CDF2627A0750** जयपुर दुग्ध संघ द्वारा डेयरी संयत्र से परिवहन 0 से 60 कि.मी. की परिधि में घी-पाऊड़र एवं अन्य सरस उत्पाद के भण्डार हेतु दो वर्ष के लिए गोदाम किराये हेतु **8. NIB No : CDF2627A0751** जयपुर दुग्ध संघ द्वारा इच्छुक पार्टियों से जयपुर डेयरी संघ परिसर मे निकलने वालें पुराने प्लास्टिक जरीकेन (25/50 ली.) स्क्रैप की नीलामी निविदा के माध्यम से टू बिड़ सिस्टम (Two Bid System) के अन्तर्गत डिजिटल हस्ताक्षर युक्त, **9. NIB No : CDF2627A0748** जयपुर दुग्ध संघ में Paneer Manufacturing & Packing Work व Dahi Packing & Manufacturing Work की सेवाओं हेतु, **10. NIB No : CDF2627A0757** पशु आहार संयन्त्र कालाडेरा पर LITHUIM GREASE की आपूर्ति, **11. NIB No : CDF2627A0758** पशु आहार संयन्त्र कालाडेरा पर BAG CLOSING YARN की आपूर्ति। उपरोक्त कार्यो के लिये निविदाएं/ई-निविदाएं आमन्त्रित की जाती है। जिनकी विस्तृत जानकारी, शर्तें एवं महत्वपूर्ण दिनांक इत्यादि संघ की वेबसाईट **www.jaipurdairy.com, http://eproc.rajasthan.gov.in** एवं **sppp.rajasthan.gov.in** पर भी देखी जा सकती हैं।

प्रबन्ध संचालक

जीवन में भरे रस, हमारा प्यारा सरस

राजस्थान के स्थानीय निधि अंकेक्षण विभाग को गोल्ड स्कॉच अवार्ड

नई दिल्ली/जयपुर। राजस्थान सरकार के स्थानीय निधि अंकेक्षण विभाग को ऑडिट मैनेजमेंट सिस्टम (एएमएस) के सफल क्रियान्वयन के लिए ''गोल्ड स्कॉच अवार्ड'' से सम्मानित किया गया है। इंडिया हैबिटेट सेंटर के सिल्वर ऑक हॉल में आयोजित स्कॉच फाउंडेशन के 109वें समिट में फाउंडेशन के अध्यक्ष समीर कोचर ने यह पुरस्कार स्थानीय निधि अंकेक्षण विभाग के निदेशक अपूर्व जोशी तथा विभागीय प्रतिनिधियों ओम प्रकाश शर्मा, गौरव गुप्ता एवं सुनीता बराड़ को प्रदान किया।

स्कॉच फाउंडेशन के अध्यक्ष समीर कोचर ने राजस्थान सरकार के स्थानीय निधि अंकेक्षण विभाग को गोल्ड स्कॉच अवार्ड से नवाजा। यह पुरस्कार विभाग के निदेशक अपूर्व जोशी तथा विभागीय प्रतिनिधियों ओम प्रकाश शर्मा, गौरव गुप्ता एवं सुनीता बराड़ ने ग्रहण किया।

ज्ञात रहे कि स्थानीय निधि अंकेक्षण विभाग ने केंद्र और राज्य सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के पारदर्शी क्रियान्वयन तथा हितग्राही परिणाम सुनिश्चित करने के उद्देश्य से ए.एम.एस. विकसित किया है।

इसके माध्यम से पंचायती राज, नगरीय निकाय, विश्वविद्यालयों और देवस्थान विभाग सहित विभिन्न संस्थाओं के ऑडिट की ऑनलाइन व्यवस्था विकसित की गई है।

एएमएस के जरिए अंकेक्षण दलों का गठन, अंकेक्षण की प्लानिंग, एक्जीक्यूशन और अनुपालन संबंधी कार्य ऑनलाइन किए जा रहे हैं। इससे अंकेक्षण प्रक्रिया में पारदर्शिता एवं जवाबदेही बढ़ाने तथा सरकारी व्यवस्था को राज्य सरकार की प्राथमिकताओं के अनुरूप अधिक प्रभावी बनाने में मदद मिल रही है।

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

विकसित गांव विकसित राजस्थान

विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण)

(VB-G RAM G)

देश में अग्रणी राज्यों में राजस्थान

प्रत्येक पात्र ग्रामीण परिवार को 100 दिवस के स्थान पर प्रतिवर्ष 125 दिवस का रोजगार

अब तक का सर्वाधिक बजटीय प्रावधान वित्तीय वर्ष 2026-27 के बजट में योजना के लिए

₹12,636.44 करोड़ का प्रावधान

शिक्षा विभाग, राजस्थान ग्रामीण आजीविका विकास परिषद, पंचायती राज विभाग, आयुर्वेद विभाग, युवा मामले एवं खेल विभाग, स्वच्छ भारत मिशन, पशुपालन विभाग, जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग, जल जीवन मिशन और जल ग्रहण विकास एवं भू-संरक्षण विभाग के साथ कन्वर्जेंस के माध्यम से

₹3700 करोड़ के कार्य करवाया जाना प्रस्तावित

राज्य में 75,782 कार्यों पर **8.51 लाख** श्रमिक नियोजन	**338.22 लाख** मानव दिवस सृजित	मानव दिवस सृजन में राजस्थान देश में **दूसरे स्थान पर**	श्रमिक नियोजन में राजस्थान देश में **तीसरे स्थान पर**

रोजगार के स्थायी अवसरों का सृजन सुनिश्चित

योजना में जल संबंधी कार्य (जल सुरक्षा के लिए), मूल ग्रामीण अवसंरचना, आजीविका संबंधी अवसंरचना, आपदा प्रबंधन के **375 प्रकार के अनुमत कार्य**

वर्षभर पर्याप्त कार्य उपलब्ध कराने के उद्देश्य से राज्य में **6 लाख से अधिक कार्य जीआईएस** आधारित युक्तधारा पोर्टल पर सम्मिलित

गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन के लिए प्रशासनिक व्यय **6% के स्थान पर 9%**

ग्राम पंचायत में औसतन **55 से अधिक कार्यों** की उपलब्धता

राजस्थान संवाद

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, राजस्थान

आईसीसी टूर्नामेंट में अलग-अलग टीमों, मैदानों और परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है, इसलिए खिलाड़ियों को अपनी तैयारी और सोच में भी बदलाव करना होता है। - रोहित शर्मा

भारतीय बल्लेबाज, विश्वकप को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

विराट कोहली

भारतीय क्रिकेट टीम के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली ने कहा है कि दक्षिण अफ्रीका में होने वाला 2027 आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप भारत के लिए उनका आखिरी विश्व कप होगा और उनका लक्ष्य इस टूर्नामेंट को जीतना है। यह भारत के लिए मेरा आखिरी विश्व कप होगा और यही मेरी प्रेरणा है। मैं अपना सब कुछ देना चाहता हूं। जाहिर तौर पर लक्ष्य विश्व कप जीतना है और इसके लिए जो कुछ भी करना पड़ेगा, मैं उसके लिए पूरी तरह तैयार हूं। कोहली और रोहित शर्मा अब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के केवल एक प्रारूप में खेल रहे हैं।

क्या आप जानते हैं ?... पी टी उषा ने 1986 के एशियाई खेल में ट्रैक पर शानदार प्रदर्शन किया। उस साल भारत के द्वारा जीते गए पांच में से चार स्वर्ण पदक जीते पी टी उषा ने जीते थे।

आरसीए चुनाव : अध्यक्ष पद के लिये धनंजय सिंह, डीडी कुमावत, पराक्रम सिंह और बृजकिशोर उपाध्याय ने भरा नामांकन

// चुनाव में अंतिम रणनीति सरकार के निर्देशों के आधार पर तय होने की संभावना //

(जाकिर हुसैन)

जयपुर, 26 सितंबर। राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन की नई कार्यकारिणी के चुनाव के लिए बुधवार से नामांकन प्रक्रिया शुरू हो गई थी। पहले ही दिन दौसा जिला क्रिकेट संघ की अध्यक्ष शोभना गुर्जर ने कार्यकारी सदस्य पद के लिए नामांकन दाखिल किया। उपलब्ध चुनावी जानकारी में इसे आरसीए के इतिहास में पहली बार किसी महिला द्वारा कार्यकारिणी पद के लिए नामांकन दाखिल किए जाने के रूप में बताया गया। आज अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, संयुक्त सचिव, कोषाध्यक्ष और एक कार्यकारी सदस्य समेत छह पदों के लिए नामांकन किए गये। 27 सितंबर को नामांकन पत्रों की जांच के बाद पात्र उम्मीदवारों की सूची जारी की जाएगी, जबकि 28 सितंबर तक नाम वापस लिए जा सकेंगे। आवश्यकता पड़ने पर 29 सितंबर को मतदान और उसी दिन मतगणना होगी। 29 सितंबर को आरसीए की 2026-29 कार्यकारिणी के छह पदों का फैसला होना है। अभी विभिन्न पदों के लिए कई नाम चर्चा में हैं, लेकिन 26 सितंबर को नामांकन बंद होने, 27 को जांच और 28 सितंबर को नाम वापसी के बाद ही अंतिम चुनावी तस्वीर सामने आएगी। इसलिए फिलहाल संभावित दावेदारों और औपचारिक उम्मीदवारों के बीच अंतर महत्वपूर्ण है।

नेताओं के बेटों की एंट्री हुई

स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर के बेटे धनंजय सिंह खींवसर और पूर्व चिकित्सा मंत्री राजेंद्र राठौड़ के बेटे पराक्रम सिंह राठौड़ ने अध्यक्ष पद पर, शिक्षा मंत्री मदन दिलावर के बेटे पवन दिलावर ने उपाध्यक्ष, राज्यसभा सांसद घनश्याम तिवाड़ी के बेटे आशीष तिवाड़ी ने कोषाध्यक्ष के लिए नामांकन भरा है। भाजपा विधायक जसवंत यादव के बेटे मोहित यादव ने सचिव और उपाध्यक्ष पद पर नामांकन दाखिल किया है।

आरसीए चुनाव में 3 गुट आमने-सामने

चुनाव में 3 गुट बन गए हैं। पहला गुट स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर के बेटे धनंजय सिंह खींवसर का है। दूसरा गुट पूर्व चिकित्सा मंत्री राजेंद्र राठौड़ के बेटे पराक्रम सिंह राठौड़ का है। तीसरा गुट बृज किशोर उपाध्याय का है।

तीसरे गुट के बृजकिशोर शर्मा ने अध्यक्ष पद पर, रतन सिंह उपाध्यक्ष (वाइस प्रेसिडेंट) पद पर, पिंकेश पोरवाल सचिव (सेक्रेटरी, राजेश सारस्वत संयुक्त सचिव (जॉइंट सेक्रेटरी), विष्णु अग्रवाल कोषाध्यक्ष, अरिष्ट सिंघवी ने कार्यकारी सदस्य (एग्जीक्यूटिव मेंबर) के पद पर नामांकन किया है।

दूसरे गुट के लिए पूर्व चिकित्सा मंत्री राजेंद्र राठौड़ के बेटे पराक्रम सिंह राठौड़ ने अध्यक्ष पद के लिए नामांकन दाखिल किया। उपाध्यक्ष पद पर मनोज शर्मा, कोषाध्यक्ष के पद पर सुशील जैन, जॉइंट सेक्रेटरी के पद पर सुशील जैन और रतन सिंह, सदस्य के पद पर धर्मवीर सिंह ने नामांकन दाखिल किया।

इसी बीच स्वास्थ्य मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर के बेटे धनंजय सिंह खींवसर ने नामांकन दाखिल करने पहुंचकर चुनावी समीकरणों को और गरमा दिया। धनंजय सिंह ने कहा- हमारे पास सरकार की ओर से कोई सूचना नहीं आई है, इसलिए हम नामांकन भरने पहुंचे हैं।

सरकार और संगठन जो कहेगा, वही करेंगे

भाजपा समर्थित जिला संघों की ओर से यह संकेत दिया जा रहा है कि चुनाव में अंतिम रणनीति सरकार और संगठन के निर्देशों के आधार पर तय की जाएगी। यही वजह है कि नामांकन प्रक्रिया शुरू होने के साथ ही चुनाव में पैनल, समर्थन और समीकरणों को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। आरसीए में लंबे समय बाद हो रहे चुनाव पहले ही विवादों और तैयारियों को लेकर चर्चा में हैं। अब बड़े राजनीतिक परिवारों से जुड़े नामों की एंट्री और सरकार-संगठन के निर्देशों को लेकर सामने आ रहे बयान ने मुकाबले को और दिलचस्प बना दिया है। नामांकन के पहले ही दिन जिस तरह से अध्यक्ष पद को लेकर अलग-अलग दावेदारी और पैनल के समीकरण सामने आए हैं, उससे साफ है कि आने वाले दिनों में आरसीए की चुनावी जंग और तेज होने वाली है।

राजेंद्र राठौड़ के बेटे ने अध्यक्ष पद के लिए भरा नामांकन

पूर्व चिकित्सा मंत्री राजेंद्र राठौड़ के बेटे पराक्रम सिंह राठौड़ ने अध्यक्ष पद के लिए नामांकन दाखिल किया है। उपाध्यक्ष पद पर मनोज शर्मा, कोषाध्यक्ष के पद पर सुशील जैन, जॉइंट सेक्रेटरी के पद पर सुशील जैन और रतन सिंह जबकि सदस्य के पद पर धर्मवीर सिंह ने नामांकन दाखिल किया।

आरसीए कार्यकारिणी चुनावों के नामांकन के अंतिम दिन प्राप्त नामांकन

जयपुर, 26 सितंबर। राजस्थान क्रिकेट संघ के चुनावों को संपन्न कराने के लिए नियुक्त चुनाव अधिकारी ऐ के पांडे, पूर्व राज्य निर्वाचन आयुक्त व पुष्पेंद्र सिंह हाडा (सहायक चुनाव अधिकारी) को आज नामांकन के अंतिम दिन आरसीए कार्यकारिणी के 6 पदों के लिए प्राप्त नामांकन :-

अध्यक्ष पद :- धनञ्जय सिंह खींवसर, डी डी कुमावत, पराक्रम सिंह राठौड़, राजेश सारस्वत, ब्रिज किशोरउपाध्याय।

उपाध्यक्ष पद :- पवन दिलावर, मोहित यादव, मनोज कुमार शर्मा, रतन सिंह शेखावत, मनोज चौधरी।

सचिव पद :- पिंकेश कुमार जैन, मोहित यादव, आशीष तिवाडी, सुमेन्द्र तिवाड़ी, मनोज कुमार शर्मा, ब्रिज किशोरउपाध्याय।

संयुक्त सचिव पद :- गोविंद स्वरुप उपाध्याय, विनोद सहारण, रतन सिंह शेखावत, सुशील जैन, राजेश सारस्वत।

कोषाध्यक्ष पद :- आशीष तिवाड़ी, पिंकेश कुमार जैन, विष्णु प्रकाश अग्रवाल, सुशील जैन, राजेश कुमार माथुर।

कार्यकारिणी सदस्य पद :- शोभना गुर्जर, राजेश चौधरी, अरिष्ट सिंघवी, धर्मवीर सिंह शेखावत।

29 को वोटिंग 11.30 से 1.30 बजे तक होगी, रिजल्ट उसी दिन आ जाएंगे : पांडेय

जयपुर, 26 सितंबर। राजस्थान क्रिकेट संघ के चुनावों को संपन्न कराने के लिए नियुक्त चुनाव अधिकारी ऐ के पांडे, पूर्व राज्य निर्वाचन आयुक्त व पुष्पेंद्र सिंह हाडा (सहायक चुनाव अधिकारी) ने बताया कि हमने अलग-अलग पोस्ट के लिए नए नामांकर के लिए रिक्वेस्ट की थी। आज नामांकर का आखिरी दिन है और आज शाम 5 बजे तक टाइम खत्म हो गया है। सारे नामांकर आ गए हैं, उनकी काउंटिंग चल रही है, उनका ट्रिप्यूलेशन चल रहा है और उसके आधार पर कल उनकी स्क्रूटनी होगी। लेकिन मोटे तौर पर, मैं आपको बता सकता हूं कि एग्जीक्यूटिव पोस्ट के लिए 5 लीडर्स में से हमें कुल लगभग 6 पोस्ट मिले हैं। हम वैलिड कैंडिडेट्स के बारे में रिपोर्ट करेंगे। अगर कोई 28 तारीख को अपना नाम वापस देना चाहता है, तो वह दे सकेगा। और 29 तारीख को हम फाइनल वोटिंग करेंगे। क्या कोई ग्रुप होगा? हमारे लिए एकमात्र ग्रुप आरसीए है। रूल्स में लिखा है कि आरसीए के सभी ऑफिशियल्स इलेक्शन लड़ने के लिए ऑथराइज्ड हैं तो वे उसी कैपेसिटी में काम कर रहे हैं। 29 तारीख को वोटिंग 11:30 से 1:30 बजे तक होगी। रिजल्ट उसी दिन आ जाएंगे।

टीम आरपीसी रही जयपुर जूनियर ओपन अंडर-21 टूर्नामेंट की विजेता

जयपुर, 26 सितंबर। वार्षिक सितम्बर जयपुर पोलो सीज़न 2026 के अंतर्गत शनिवार को राजस्थान पोलो क्लब (आरपीसी) ग्राउंड पर फ्लडलाइट्स की रोशनी में जयपुर जूनियर ओपन अंडर-21 टूर्नामेंट का फाइनल मुकाबला खेला गया। इस नाइट पोलो के मुकाबले में टीम आरपीसी ने 7-3 के स्कोर से टीम आमेर को हराकर टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम कर लिया। विजेता टीम आरपीसी की ओर से दिव्यमान सिंह दुजोद ने 4 गोल और लक्षयराज सिंह राजावत ने 3 गोल हासिल किए। टीम से रुक्मणी कुमारी और हर्षोदय सिंह भी खेले। वहीं, टीम आमेर के लिए अयान अली ने 2 गोल और भानु सुधीर प्रताप सिंह ने 1 गोल किया। टीम में अविष्का पालीवाल और ग्रंथ रोहिल्ला भी शामिल रहे।

रोशिबिना का जोरदार स्वागत

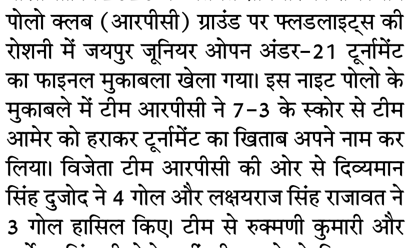

जयपुर, 26 सितंबर। रोशिबिना का एशियन गेम्स में वूशु खेल में सिल्वर मेडल जीतकर स्वदेश लौटने पर एयरपोर्ट पर और मेरठ होटल गॉडविन ग्रुप में शानदार स्वागत किया। जकार्ता जापान में आयोजित एशियन गेम्स में वूशु में लगातार तीसरी बार मेडल जीतने पर रोशिबिना का दिल्ली एयर पोर्ट पर भारतीय वूशू संघ के चेयरमैन भूपेंद्र सिंह बाजवा, अध्यक्षी जितेंद्र सिंह बाजवा, सीईओ सोहेल अहमद, भारतीय वूशू संघ के उपाध्यक्ष हीरानन्द कटारिया, संयुक्त सचिव सुदर्शन, राजस्थान वूशु संघ के कोषाध्यक्ष विजय सिंह शेखावत सहित खेल प्रेमियों ने ढोल नगाड़ों और फूल माला बुके भेंट कर जोरदार स्वागत किया। रोशी बिना के स्वागत के लिए काफी संख्या में खेल प्रेमी मौजूद रहे । भारतीय वूशू संघ के चेयरमैन भूपेंद्र सिंह बाजवा ने आशीर्वाद देते हुए कहा कि रोशिबिना ने वूशु खेल में एशियन गेम्स में लगातार पदक जीतकर इतिहास के पन्नों में अपना नाम दर्ज कराया है।

एशियाई खेल : ईरान को हराकर भारत ने जीता पुरुष कबड्डी का रिकॉर्ड नौवां स्वर्ण

भारत ने कबड्डी में रचा इतिहास, महिला और पुरुष दोनों टीमों ने जीता स्वर्ण

तोकाई, 26 सितंबर। भारत ने एशियाई खेल 2026 में कबड्डी में स्वर्णिम डबल पूरा करते हुए शनिवार को इतिहास रच दिया। भारतीय पुरुष टीम ने रोमांचक फाइनल में ईरान को 40-34 से हराकर लगातार दूसरी बार एशियाई खेलों का स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इससे कुछ घंटे पहले भारतीय महिला टीम ने भी ईरान को 37-34 से हराकर अपना खिताब बरकरार रखा था।

पुरुष टीम की जीत के साथ भारत ने एशियाई खेलों में नौवीं बार पुरुष कबड्डी का स्वर्ण पदक जीतकर अपना रिकॉर्ड और मजबूत किया। कबड्डी को 1990 में एशियाई खेलों में शामिल किए जाने के बाद भारत केवल 2018 जकार्ता खेलों में स्वर्ण जीतने में नाकाम रहा था, जहां टीम को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा था। हांगझोऊ 2022 में भारत ने फिर स्वर्ण पदक अपने नाम किया था। तोकाई सिटीजन जिम्नेजियम में खेले गए रोमांचक फाइनल में दोनों टीमों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली। पहले हाफ में ईरान ने भारतीय टीम को कड़ी चुनौती दी और 18-17 की बढ़त के साथ मध्यांतर तक पहुंचा। ईरान ने एक ऑलआउट हासिल किया, जबकि भारत की ओर से डिफेंस ने दो सुपर टैकल अंक जुटाए।

हालांकि, दूसरे हाफ में भारतीय खिलाड़ियों ने शानदार वापसी करते हुए मुकाबले पर पूरी तरह नियंत्रण हासिल कर लिया। सुमित और अर्जुन देशवाल ने टीम की वापसी में अहम भूमिका निभाई भारत ने 20-20 की बराबरी के बाद डिफेंस में शानदार प्रदर्शन किया। सुमित ने प्रभावी टैकल करते हुए ईरानी रेडरों पर दबाव बनाए रखा। इसके बाद राहुल के निर्णायक टैकल की मदद से भारत ने ईरान को ऑलआउट कर 29-24 की बढ़त हासिल कर ली। इसके बाद भारतीय खिलाड़ियों ने लगातार अंक जुटाए और मुकाबले को अपने पक्ष में कर लिया। अंततः भारत ने 40-34 से जीत दर्ज कर स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। इससे पहले महिला कबड्डी टीम ने भी बेहद रोमांचक फाइनल में ईरान को 37-34 से शिकस्त दी। मुकाबले के अंतिम क्षणों में ईरान ने वापसी की कोशिश की लेकिन भारतीय डिफेंस ने शानदार प्रदर्शन किया। मैच खत्म होने से करीब एक मिनट पहले ईरान को अंक की जरूरत थी लेकिन भारत ने आयनाज पर महत्वपूर्ण टैकल कर मुकाबले को लगभग अपने नाम कर लिया।

राजस्थान तैराकी टीम का चयन ट्रायल 5-6 को शाहपुरा में

जयपुर, 26 सितंबर। भारतीय तैराकी संघ की ओर से पहली शॉर्ट कोर्स सीनियर राष्ट्रीय तैराकी प्रतियोगिता-2026 का आयोजन 25 से 28 अक्टूबर तक अहमदाबाद (गुजरात) में किया जाएगा। प्रतियोगिता में राजस्थान की पुरुष एवं महिला टीम के चयन के लिए 5 और 6 अक्टूबर को शाहपुरा स्थित नगरपालिका तरणताल में चयन ट्रायल आयोजित किए जाएंगे। राजस्थान राज्य तैराकी संघ के अध्यक्ष अनिल व्यास ने बताया कि इस संबंध में राज्य तैराकी संघ की सभी संबद्ध इकाइयों को ट्रायल के संबंध में सूचना जारी की गी है। ट्रायल में पुरुष एवं महिला वर्ग के तैराक विभिन्न स्पर्धाओं में अपनी दावेदारी पेश करेंगे। प्रतियोगिता में फ्रीस्टाइल में 50, 100, 200, 400, 800 और 1500 मीटर, बैकस्ट्रोक में 50, 100 और 200 मीटर, ब्रेस्टस्ट्रोक में 50, 100 और 200 मीटर तथा बटरफ्लाई में 50, 100 और 200 मीटर की स्पर्धाएं होंगी। इसके अलावा व्यक्तिगत मेडले में 100, 200 और 400 मीटर की स्पर्धाएं आयोजित की जाएंगी। व्यास ने कहा कि राज्य संघ ने ट्रायल में भाग लेने वाले तैराकों के लिए फेडरेशन की ओर से जारी वैध यूआईडी 2026-27 को अनिवार्य किया है। एक तैराक अधिकतम पांच इवेंट में ही भाग ले सकेगा। जबकि प्रत्येक इवेंट में अधिकतम चार प्रविष्टियां भेजी जा सकेंगी। राजस्थान टीम की प्रविष्टियां निर्धारित प्रपत्र में 30 सितंबर तक भेजना अनिवार्य है। इसके बाद किसी भी प्रविष्टि को स्वीकार नहीं किया जाएगा।

क्वार्टर फाइनल मैच में जयपुर व कोटा जीती

जयपुर, 26 सितंबर। राजस्थान क्रिकेट संघ के तत्वाधान में खेली जा रही राज्य स्तरीय अंडर 16 एक दिवसीय क्रिकेटप्रतियोगिता क्वाटर फाइनल के आज उदयपुर में खेले गए मैच का परिणाम-:- जयपुर - भरतपुर मैच (जयपुर जीती), कोटा - टोंक मैच (टोंक जीती)। **रणजी संभावित तीन दिवसीय प्रैक्टिस मैचों के पहले दिन का स्कोर :- टीम बी पारी** 347 / 8 (80 ओवर), टीम के लिए अजय गिगना 75, आर्यन जैन 66, आयुष अमेरिया नाबाद 52, अभिजीत 45 व दर्शन जैन 34 रन, टीम सी के गेंदबाज हिमांशु नेहरा 86 / 3, दीपेंद्र सिंह 35 /2 व भूपेंद्र कुमार शर्मा 49 /2, **टीम डी पारी** 350 /4, टीम के लिए सचिन यादव 113 (रिटायर्ड हर्ट), करण लाम्बा नाबाद 61, राम मोहन 53, मुकुल चौधरी 51 व निशांत शर्मा 48 रन, **टीम ए** के गेंदबाज जय गोयल 47 /2

तेजराज ने अनंतजीत नरुका का स्वागत किया

जयपुर, 26 सितंबर। एशियन गेम्स-2026 में दो कांस्य पदक जीतकर जयपुर लौटे अनंतजीत सिंह नरुका का राजस्थान राज्य क्रीड़ा परिषद की ओर जनसंपर्क अधिकारी तेजराज सिंह ने स्वागत किया एवं बधाई दी। इस अवसर पर अनंतजीत सिंह नरुका के पिता पूर्व निशानीबाज़ दलपत सिंह उनियारा एवं राजस्थान राइफल शूटिंग संघ के उपाध्यक्ष गिरधर प्रताप सिंह खंडेला भी मौजूद थे।

// एशियाई खेल //

अभय फाइनल में, ऐतिहासिक स्वर्ण और लॉस एंजिलिस ओलंपिक टिकट से एक कदम दूर

नागोया, 26 सितंबर। भारत के अभय सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एशियन खेल 2026 के पुरुष एकल स्क्वैश के फाइनल में जगह बना ली है। अभय ने शनिवार को सेमीफाइनल में पाकिस्तान के मुहम्मद इरफान को सीधे गेमों में 11-3, 12-10, 11-6 से हराया। इसके साथ ही वह एशियन खेल के पुरुष एकल फाइनल में पहुंचने वाले सिर्फ दूसरे भारतीय खिलाड़ी बन गए। विश्व रैंकिंग में 26वें स्थान पर काबिज अभय से पहले सौरव घोषाल ने एशियन खेल के पुरुष एकल फाइनल में जगह बनाई थी। घोषाल ने 2014 और 2023 में रजत पदक जीता था। अब अभय के पास भारत के लिए इस स्पर्धा में पहला एशियन खेल स्वर्ण पदक जीतने का मौका है।

अनाहत सिंह ने महिला स्क्वैश फाइनल में बनाई जगह

आइची-नगोया, 26 सितंबर। भारतीय स्क्वैश खिलाड़ी अनाहत सिंह ने शानदार वापसी करते हुए जापान की विश्व नंबर छह सातोमी वातानाबे को 3-2 से हराकर एशियन गेम्स 2026 के महिला एकल फाइनल में जगह बना ली। अनाहत ने सेमीफाइनल में शुरुआती दो गेम गंवाने के बाद लगातार तीन गेम जीतकर मुकाबला अपने नाम किया। विश्व रैंकिंग में 17वें स्थान पर काबिज अनाहत को वातानाबे ने शुरुआती दोनों गेम में कड़ी चुनौती दी। जापानी खिलाड़ी ने अपनी गति में बदलाव, कोण और विविध शॉट्स का प्रभावी इस्तेमाल करते हुए पहला गेम 11-9 और दूसरा गेम 13-11 से जीत लिया। दो गेम से पिछड़ने के बाद अनाहत ने तीसरे गेम में शानदार धैर्य दिखाया। वह एक समय 8-10 से पीछे थीं और वातानाबे के पास गेम जीतने के दो मौके थे, लेकिन भारतीय खिलाड़ी ने दोनों गेम प्वाइंट बचाते हुए लगातार अंक जुटाए और तीसरा गेम 12-10 से अपने नाम कर लिया। तीसरे गेम की जीत के बाद अनाहत का आत्मविश्वास बढ़ा और उन्होंने चौथे गेम में आक्रामक खेल दिखाते हुए 11-6 से जीत दर्ज की। मुकाबला 2-2 से बराबर होने के बाद निर्णायक गेम में भी भारतीय खिलाड़ी ने दबाव बनाए रखा। अनाहत ने पांचवां गेम 11-3 से जीतकर 3-2 से मुकाबला अपने नाम किया और फाइनल में प्रवेश किया। अनाहत अब स्वर्ण पदक के लिए महिला एकल के फाइनल में उतरेंगी।

प्राची ने 400 मीटर में जीता कांस्य, किरण पयाल पांचवें स्थान पर

आइची-नागोया 26 सितंबर। भारत की प्राची चौधरी ने एशियाई खेल 2026 में महिलाओं की 400 मीटर दौड़ में कांस्य पदक जीतकर भारत के लिए एथलेटिक्स में एक और पदक जोड़ा। प्राची ने फाइनल में 53.21 सेकंड का समय निकालकर तीसरा स्थान हासिल किया। बहरीन की सलवा नासेर ने 49.20 सेकंड के एशियाई खेल रिकॉर्ड समय के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि जहरा मनौजन जरेई ने 52.38 सेकंड के समय के साथ रजत पदक अपने नाम किया। भारत की दूसरी धाविका किरण पहल 53.41 सेकंड के समय के साथ पांचवें स्थान पर रहीं।

कपिल क्वार्टर फाइनल में पहुंचे, साम एस्ताकी को 5-0 से हराया

आइची-नगोया, 26 सितंबर। भारतीय मुक्केबाज कपिल पोखरिया ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एशियन गेम्स 2026 की पुरुषों की 91 किग्रा भार वर्ग स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। कपिल ने शनिवार को राउंड ऑफ 16 मुकाबले में ईरान के साम एस्ताकी को 5-0 से हराया। क्वार्टर फाइनल में कपिल का सामना दक्षिण कोरिया के किम गिचाए और पाकिस्तान के इरफान खान के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से 28 सितंबर को होगा।

जोशना चिनप्पा और वेलावन सेंथिलकुमार को मिश्रित युगल में कांस्य पदक

आइची-नगोया, 26 सितंबर। भारत की अनुभवी स्क्वैश खिलाड़ी जोशना चिनप्पा और वेलावन सेंथिलकुमार ने एशियाई खेल 2026 में मिश्रित युगल स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। भारतीय जोड़ी को शनिवार को सेमीफाइनल में हांगकांग की ली का यी और तांग मिंग हांग की जोड़ी से रोमांचक मुकाबले में 10-11, 11-2, 10-11 से हार का सामना करना पड़ा। निर्णायक गेम में हांगकांग की जोड़ी ने 5-2 की बढ़त बनाई, लेकिन भारतीय खिलाड़ियों ने वापसी करते हुए स्कोर 6-6 कर दिया। इसके बाद जोशना और वेलावन ने लगातार अंक जुटाते हुए 10-7 की बढ़त हासिल कर ली और उन्हें जीत के लिए सिर्फ एक अंक चाहिए था। हालांकि, ली का यी और तांग मिंग हांग ने शानदार वापसी करते हुए लगातार चार अंक हासिल किए और निर्णायक गेम 11-10 से जीतकर फाइनल में जगह बना ली। सेमीफाइनल में हार के साथ जोशना और वेलावन को कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा।

प्रिया ने ओह को हराया

निशियो, 26 सितंबर। राष्ट्रमंडल खेलों की स्वर्ण पदक विजेता प्रिया घंघास ने शनिवार को एशियाई खेलों में शानदार प्रदर्शन करते हुए महिलाओं के 60 किग्रा वर्ग के प्री-क्वार्टर फाइनल में दक्षिण कोरिया की दो बार की विश्व पदक विजेता ओह योनजी को एकतरफा अंदाज में 5-0 से हरा दिया। निशियो जिम्नेजियम में खेले गए मुकाबले में प्रिया ने तीनों राउंड में दबदबा बनाए रखा। पांचों जजों ने भारतीय मुक्केबाज के पक्ष में फैसला दिया। तीन जजों ने 30-27 और दो जजों ने 29-28 का स्कोर दिया।

तजिंदरपाल ने जीता रजत, लगातार तीसरे स्वर्ण की हैट्रिक से चूके

आइची-नागोया, 26 सितंबर। भारत के स्टार गोला फेंक खिलाड़ी तजिंदरपाल सिंह तूर का एशियाई खेलों में लगातार तीसरा स्वर्ण पदक जीतने का सपना शनिवार को पूरा नहीं हो सका। उन्होंने पुरुषों की गोला फेंक स्पर्धा में 20.64 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रयास के साथ रजत पदक जीता। दो बार के गत चैंपियन तूर ने पहले प्रयास में 20.06 मीटर की दूरी तय की, जबकि दूसरे प्रयास में 20.26 मीटर तक पहुंचे। इसके बाद उन्होंने अपने प्रदर्शन में सुधार करते हुए 20.64 मीटर का सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया और रजत पदक पक्का किया।

जापान को हराकर भारतीय पुरुष हॉकी टीम सेमीफाइनल में

गिफू, 26 सितंबर। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने शनिवार को एशियाई खेलों के पूल ए मुकाबले में मेजबान जापान को 2-0 से हराकर सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली। गिफू प्रीफेक्चरल ग्रीन स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में भारत के लिए अभिषेक और कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने गोल किए।

पहले क्वार्टर के अंतिम मिनट में अभिषेक ने गोल कर भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। इसके बाद तीसरे क्वार्टर में कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर भारत की बढ़त 2-0 कर दी।

जापान ने कई बार गोल करने के मौके बनाए लेकिन भारतीय गोलकीपर सूरज करकेरा और मोहित एच. एस. ने शानदार बचाव करते हुए मेजबान टीम को गोल करने से रोक दिया और भारत का क्लीन शीट बरकरार रखा।

जापान की पेनल्टी कॉर्नर डिफेंस भी प्रभावी रही और उसने भारतीय ड्रैगफ्लिकरों को लंबे समय तक गोल करने से रोके रखा। हालांकि, तीसरे क्वार्टर में हरमनप्रीत ने आखिरकार जापान के मजबूत डिफेंस को भेदते हुए भारत की बढ़त दोगुनी कर दी।

पूरे मुकाबले के दौरान हल्की बारिश होती रही, जिससे दोनों टीमों को गेंद पर नियंत्रण बनाए रखने में परेशानी हुई। दूसरे क्वार्टर में जापान ने लगातार हमले किए, लेकिन दूसरे गोल के बाद भारत ने खेल पर अधिक नियंत्रण हासिल कर लिया।

चार पूल मैचों में चार जीत के साथ भारत के 12 अंक हो गए हैं। जापान और दक्षिण कोरिया के खाते में नौ-नौ अंक हैं और दोनों टीमें अपने अंतिम पूल मुकाबले में आमने-सामने होंगी। भारत का पूल चरण का आखिरी मुकाबला बांग्लादेश के खिलाफ होगा।

मुख्यमंत्री ने उदयपुर संभाग के विकास कार्यों का प्रतापगढ़ में लोकार्पण, शिलान्यास किया

मुख्यमंत्री की पहल पर वन उत्पादों के विपणन व बिक्री के लिए कॉनफैड के साथ एमओयू हुआ

प्रतापगढ़ /जयपुर, 26 सितंबर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि जनजातीय कला एवं समृद्ध सांस्कृतिक परंपराएं प्रदेश की विशिष्ट पहचान और बड़ी ताकत हैं। राज्य सरकार इस जनजातीय विरासत को संरक्षित करने के साथ ही, स्थानीय उत्पादों को प्रोत्साहित करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। इसी कड़ी में राजससंघ और कॉनफैड के माध्यम से जनजातीय भाई-बहनों को उनके उत्पादों का सही मूल्य, बेहतर बाजार और आजीविका के नए अवसर उपलब्ध होंगे।

■ मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि बम्बोरी में ग्राम विकास चौपाल के समय उन्हें जनजाति की संस्कृति, परम्पराओं और लोगों की आवश्यकताओं पर ग्रामीणों के साथ चर्चा करने व समझने का अवसर मिला था।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को प्रतापगढ़ में उदयपुर संभाग के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इस अवसर पर उन्होंने 'वनगिरि' ब्राण्ड के प्रथम शहद उत्पाद 'आदिपराग' (वाइल्ड फॉरेस्ट हनी) को लॉन्च किया।

मुख्यमंत्री शनिवार को प्रतापगढ़ में उदयपुर संभाग के विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण एवं शिलान्यास समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान, मुख्यमंत्री ने बम्बोरी में ग्राम विकास चौपाल का उल्लेख करते हुए कहा कि इससे उन्हें स्थानीय संस्कृति, परंपराओं और लोगों की आवश्यकताओं पर ग्रामीणों से चर्चा करने का अवसर मिला।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने समारोह में उदयपुर संभाग के 7 जिलों में 924 करोड़ रुपये से अधिक के 1,452 विकास कार्यों का शिलान्यास एवं लोकार्पण किया।

समारोह में मुख्यमंत्री ने राजस्थान जनजाति क्षेत्रीय विकास सहकारी संघ लिमिटेड (राजससंघ) द्वारा जनजातीय क्षेत्र की लघु वन उपज के संग्रहण, मूल्य संवर्धन और विपणन को प्रोत्साहित करने के लिए 'वनगिरि' ब्राण्ड के प्रथम शहद उत्पाद 'आदिपराग' (वाइल्ड फॉरेस्ट हनी) को लॉन्च किया। साथ ही, प्रदेश के वन-धन विकास केन्द्रों द्वारा निर्मित उत्पादों के विपणन एवं बिक्री को बढ़ावा देने के लिए राजससंघ एवं कॉनफैड के मध्य एमओयू का आदान-प्रदान किया गया।

इससे पहले मुख्यमंत्री ने प्रतापगढ़ के दीपेश्वर महादेव मंदिर में पंचामृत से अभिषेक किया तथा प्रदेश की सुख-समृद्धि और खुशहाली के लिए कामना की। प्रतापगढ़ पहुंचने पर मुख्यमंत्री का पारंपरिक गैर नृत्य के साथ स्वागत किया गया।

ममता गुट के विधायक कुणाल घोष की कार पर हमला

कोलकाता, 26 सितंबर। पश्चिम बंगाल के हुगली में ममता गुट के विधायक पर हमला हो गया है। दरअसल, विधायक कुणाल घोष ममता बनर्जी की रैली में शामिल होने जा रहे थे, इसी बीच उत्तर पारा इलाके में उनकी कार को कुछ लोगों ने घेर लिया और अंडे बरसाने शुरू कर दिए और उनकी गाड़ी पर पत्थरों और लाठियों से भी हमला किया। खुद कुणाल घोष ने ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की हैं। हमले के वीडियो में लोग कार पर अंडे मारते और धमकाते नजर आ रहे हैं। साथी ही, उपद्रवी, कुणाल घोष से हाथ से इशारा करके वापस जाने के लिए भी कहते हुए दिख रहे हैं। इस दौरान, कुणाल घोष और उनके साथ मौजूद लोग कार में ही बैठे रहे और मोबाइल से घटना का वीडियो रिकॉर्ड किया।

जयपुर, जोधपुर, कोटा में भाजपा के उपमहापौर चुने गए

जयपुर में सरोज कंवर पहली महिला डिप्टी मेयर बनीं, विवेक राजवंशी कोटा में निर्विरोध जीते

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । जयपुर, जोधपुर और कोटा नगर निगम में शनिवार को हुए मतदान के बाद तीनों जगहों पर भाजपा के उपमहापौर बन गए हैं। जयपुर में भाजपा की सरोज कंवर पहली महिला डिप्टी मेयर बनी हैं। उन्होंने कांग्रेस के सलमान मंसूरी को 31 वोट से हराया। सरोज कंवर को 89 वोट और सलमान मंसूरी को 58 वोट मिले। यहां कुल 150 में से 149 पार्षदों ने वोट दिया था, जिनमें से एक नोटा था।

इसी तरह, जोधपुर में भी भाजपा के विजय सिंह पंवार उपमहापौर बने है।

■ खाटूश्याम जी नगर पालिका में कांग्रेस की विनीता पालिका अध्यक्ष बनी। कोटा जिले में भाजपा के विकास चौहान उपाध्यक्ष पद पर विजयी हुए।

उन्होंने कांग्रेस के प्रत्याशी अब्दुल करीम जॉनी को 4 वोट से हराया। यहां कुल 100 पार्षदों ने विजय सिंह पंवार को 52 वोट और अब्दुल करीम जॉनी को 48 वोट दिए।

वहीं, दूसरी ओर कोटा में भाजपा के विवेक राजवंशी निर्विरोध उपमहापौर बने है। कांग्रेस ने यहां पर उपमहापौर का कोई प्रत्याशी ही नहीं उतारा था।

उधर सीकर की खाटूश्यामजी नगर पालिका में पालिकाध्यक्ष के चुनाव में कांग्रेस की विनीता ने भाजपा की प्रेमदेवी को 1 वोट से हराया।

कोटा की सुकेत नगर पालिका में उपाध्यक्ष के चुनाव में भाजपा के विकास चौहान ने कांग्रेस के अब्दुल इस्लाम को 1 वोट से हराया।

न्यायपालिका छात्रों के शांतिपूर्ण प्रदर्शन व मौलिक अधिकार की रक्षा करेगी- सीजेआई

भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत ने चाणक्य नेशनल लॉ युनिवर्सिटी में ओपन हाउस संवाद में यह कहा

पटना, 26 सितंबर। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने शनिवार को कहा कि न्यायपालिका छात्रों के शांतिपूर्ण प्रदर्शन के मौलिक अधिकार की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि यदि इस अधिकार के उल्लंघन से जुड़े मामले अदालत के सामने आते हैं तो न्यायपालिका आंखें नहीं मूंदेगी।

सीजेआई पटना स्थित चाणक्य नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी के दौरे पर थे। इस दौरान उन्होंने छात्रों के साथ पहली बार ओपन हाउस संवाद किया। उन्होंने कहा कि वे छात्रों के साथ औपचारिक बातचीत के बजाय, बेबाक सवाल-जवाब करना पसंद करेंगे।

ओपन हाउस संवाद के दौरान एक छात्रा ने शांतिपूर्ण छात्र प्रदर्शनों के दौरान पुलिस की प्रतिक्रिया को लेकर सवाल किया। इस पर सीजेआई ने कहा कि पुलिस की कथित कठोर कार्रवाई से जुड़े मामलों में अदालतें आंखें नहीं मूंदेंगी। उन्होंने छात्रों के शांतिपूर्ण तरीके से प्रदर्शन करने के अधिकार की रक्षा के लिए न्यायपालिका की प्रतिबद्धता दोहराई। बातचीत के दौरान एक छात्र ने सीजेआई से पूछा कि कोलीजियम के भीतर असहमति से जुड़े विचारों को दर्ज तो किया जाता है, लेकिन उन्हें सार्वजनिक क्यों नहीं किया जाता। इस पर सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि ऐसी जानकारी का खुलासा, भले ही उसका उद्देश्य अच्छा हो, संबंधित व्यक्ति को मुश्किल स्थिति में डाल सकता है। उन्होंने कहा कि जब किसी व्यक्ति की गरिमा का सवाल हो तो पारदर्शिता की भी एक सीमा होती है। सीजेआई ने सवाल किया कि यदि कोलीजियम की कार्यवाही में किसी मुख्य न्यायाधीश या न्यायाधीश के बारे में नकारात्मक टिप्पणी दर्ज हो और वह सार्वजनिक हो जाए तो वह अपने पद पर किस तरह काम कर पाएगा।

■ मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि पुलिस की कथित कठोर कार्यवाही से जुड़े मामलों में अदालतें आंख नहीं मूंदेगी।

सीजेआई सूर्यकांत ने सीएनएलयू के कुलपति और वरिष्ठ विधिवेत्ता फैजान मुस्तफा के उस प्रस्ताव की भी सराहना की, जिसमें पांच साल की लॉ डिग्री को चार साल की अकादमिक पढ़ाई और अंतिम वर्ष में अनिवार्य कोर्ट अप्रेंटिसशिप के साथ पूरा करने की बात कही गई है। सीजेआई ने इस प्रस्ताव को नई और स्वागत योग्य सोच बताया। उनके अनुसार, इस व्यवस्था से न्यायिक सेवा परीक्षाओं के लिए अलग से एक साल की प्रैक्टिस की आवश्यकता को खत्म करने में मदद मिल सकती है। इस दौरान पटना हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश वी. कामेश्वर राव भी उपस्थित थे। वे विश्वविद्यालय के चांसलर भी हैं।

पंजाब की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उनका राजनीतिक करियर समाप्त हो गया है। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई का उदाहरण दिया, जो 81 वर्ष की उम्र में प्रधानमंत्री बने थे। पूर्व क्रिकेटर बिशन सिंह बेदी की स्मृति में लिखी गई पुस्तक "बिशन विद लव" के विमोचन के अवसर पर सिंह ने कहा, "मैं 84 साल का हूं, लेकिन मोरारजी देसाई भी 92 के थे..."

कार्यक्रम में मौजूद जम्मू-कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि वे चाहते हैं कि सिंह फिर से पंजाब के मुख्यमंत्री बनें और उन्होंने इसके लिए अपनी शुभकामना व्यक्त की। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला भी पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में शामिल हुए।

उनके अलावा, विमोचन समारोह में पूर्व क्रिकेटर कपिल देव, सैयद किरमानी और मदन लाल सहित, अन्य प्रमुख लोग भी मौजूद थे। 117 सदस्यीय पंजाब विधानसभा के लिए अगले वर्ष चुनाव होने हैं।

अमेरिका में राष्ट्रपति ट्रंप की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मुकाबले, 2024 में कमला हैरिस का समर्थन करने वाले वोटर मिडटर्म चुनावों पर ज्यादा करीबी नजर रख रहे हैं और कांग्रेस पर नियंत्रण को ज्यादा अहमियत दे रहे हैं।

इस बदलाव ने चुनावी मुकाबले का दायरा बढ़ा दिया है। ओहायो, अलास्का, आयोवा और टेक्सास जैसे परंपरागत रूप से कंज़र्वेटिव राज्य सीनेट की लड़ाई में अहम हो गए हैं।

अर्थव्यवस्था और विदेश नीति से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों पर डेमोक्रेट्स को रिपब्लिकन से बढ़त मिली है। अर्थव्यवस्था के मुद्दे पर मतदाता डेमोक्रेट्स को 42 प्रतिशत-38 प्रतिशत की बढ़त देते हैं, गैस की कीमतों पर 40 प्रतिशत-27 प्रतिशत और विदेश नीति पर 42 प्रतिशत-36 प्रतिशत की बढ़त देते हैं। इमिग्रेशन के मुद्दे पर डेमोक्रेट्स 41 प्रतिशत-38 प्रतिशत से आगे हैं।

यह फरवरी 2024 की स्थिति से उलट है, जब रिपब्लिकन 42 प्रतिशत-30 प्रतिशत की बढ़त पर थे। रिपब्लिकन उम्मीदवार अब उन मुद्दों पर ट्रंप प्रशासन से दूरी बनाते दिखाई दे रहे हैं, जो वोटरों के लिए चिंता का विषय हैं। कुछ लोगों ने इमिग्रेशन कानूनों को लागू करने के कुछ तरीकों की आलोचना की है। वहीं, आयोवा और मिशिगन में रिपब्लिकन सीनेट उम्मीदवारों ने ईरान युद्ध समाप्त करने और बढ़ती कीमतों से राहत देने के लिए फ्यूल टैक्स (ईंधन कर) को कुछ समय के लिए हटाने की मांग की है।

ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी और जनता में बढ़ते असंतोष के बीच यह सर्वेक्षण उन राजनीतिक चुनौतियों को सामने लाता है, जिनका सामना मिडटर्म चुनाव अभियान के अंतिम हफ्तों में रिपब्लिकन उम्मीदवारों को करना पड रहा है।

निम्स अस्पताल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में शॉर्ट सर्किट को आग लगने की वजह माना जा रहा है। पुलिस और संबंधित एजेंसियां घटना के कारणों की जांच कर रही हैं।

मूसलाधार बरसात से यूपी में 53 लोगों की जान गई

लखनऊ, 26 सितंबर। उत्तर प्रदेश में बृहस्पतिवार आधी रात के बाद शुरू हुआ बारिश का सिलसिला शनिवार शाम तक भी नहीं थमा। बारिश लोगों के लिए आफत बन गई। कई जगह कच्चे मकान ढह गए। जगह-जगह पेड़, पोल गिरने से रास्ते बाधित हो गए। बिजली के पोल उखड़ने और लाइन टूटने से बिजली आपूर्ति बाधित हुई।

बारिश के कारण हुए हादसों में प्रदेश भर में 53 लोगों की जान चली गई। मौसम विभाग के अनुसार, रविवार को भी प्रदेश के 13 जिलों में भारी बारिश के संकेत हैं।

भजन क्लबिंग, भजनों ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लेकिन जवाबदेही पर उनकी चुप्पी रहती है।"

भाजपा प्रवक्ता सी.आर. केशवन ने पलटवार करते हुए कांग्रेस पर भारत की भजन और भक्ति की सभ्यतागत विरासत का मजाक उड़ाने का आरोप लगाया। उन्होंने लिखा, जूनियर खड़गे से इससे बेहतर और क्या उम्मीद की जा सकती है, जो केवल स्वार्थी कांग्रेस के प्रथम परिवार की प्रशंसा के गीत गाने में माहिर हैं।" उन्होंने खड़गे को कांग्रेस के चुनावी रिकॉर्ड को लेकर भी चुनौती दी।

एक पृथक घटनाक्रम के अंतर्गत, भाजपा के वरिष्ठ नेता मुरली मनोहर जोशी ने 19-20 सितंबर को बद्रीनाथ मंदिर से सटे टूरिस्ट अराइवल प्लाजा में आयोजित दो दिवसीय "देवभूमि सांस्कृतिक महोत्सव" पर आपत्ति जताई। यह आयोजन सेना के "ऑपरेशन सद्भावन" के तहत हुआ था। कार्यक्रम में तेज संगीत और प्रस्तुतियां हुई थीं। जोशी ने ऐसे कंसर्ट की अनुमति को "न केवल सांस्कृतिक मर्यादा का उल्लंघन, बल्कि मंदिर की पवित्रता पर सीधा हमला बताया। उन्होंने कहा कि आदि शंकराचार्य द्वारा शांतिपूर्ण भक्ति के लिए स्थापित इस स्थल पर परंपरागत रूप से शंख बजाना भी निषिद्ध है और देवभूमि को व्यावसायिक संस्कृति का केन्द्र बनाने के खिलाफ चेतावनी दी। उन्होंने केन्द्र और राज्य सरकारों से ऐसे आयोजनों पर रोक लगाने का आग्रह किया।

एसआईआर का नोटिस पाने वालों के घर बीएलओ जवाब लेने जायेंगे

नई दिल्ली, 26 सितंबर। चुनाव आयोग ने विशेष गहन पुनरीक्षण (स्पैशल इन्टैन्सिव रिविज़न /एसआईआर) के दौरान 'अनमैप्ड' या तार्किक विसंगतियों के कारण नोटिस पाने वाले मतदाताओं को राहत देते हुए शनिवार को फैसला किया कि बूथस्तर के अधिकारी (बीएलओ) ऐसे लोगों के घर जाकर दस्तावेज एकत्र करेंगे और उन्हें ईसीआई नेट पर अपलोड करेंगे। ऐसे मतदाताओं को सामान्य परिस्थितियों में सुनवाई के लिए चुनाव पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ) या सहायक ईआरओ के कार्यालय नहीं बुलाया जाएगा।

■ चुनाव आयोग ने शनिवार की बैठक में नोटिस पाने वाले मतदाताओं को राहत दी।

आयोग ने कहा कि केवल असाधारण परिस्थितियों में ईआरओ के निर्णय के अनुसार सुनवाई की जाएगी और इसे प्राथमिकता के आधार पर ऑनलाइन कराया जाएगा। जरूरत पड़ने पर मतदाता, परिवार के किसी वयस्क सदस्य को अपनी ओर से सुनवाई में शामिल होने के लिए अधिकृत कर सकता है। आयोग ने ऑनलाइन सुनवाई की सुविधाओं को भी मजबूत करने का फैसला किया है।

भाजपा के नये प्रदेश प्रभारियों की बैठक 29 को

इस बैठक में संगठन को मजबूत करने व पार्टी के विस्तार को लेकर व्यापक चर्चा होगी

नई दिल्ली, 26 सितंबर। भारतीय जनता पार्टी के नवनियुक्त प्रदेश प्रभारियों और सह-प्रभारियों की पहली अहम बैठक 29 सितंबर को नई दिल्ली स्थित भाजपा के राष्ट्रीय मुख्यालय में आयोजित की जाएगी। बैठक की अध्यक्षता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन करेंगे। इसमें पार्टी की ओर से विभिन्न राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों के लिए हाल ही में नियुक्त किए गए सभी 36 प्रदेश प्रभारी और सह-प्रभारी शामिल होंगे।

सूत्रों के मुताबिक, बैठक में भाजपा के संगठन को जमीनी स्तर पर और मजबूत करने तथा पार्टी के विस्तार को लेकर व्यापक चर्चा होगी। नए प्रदेश प्रभारियों और सह-प्रभारियों को उनके संबंधित राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों में संगठनात्मक जिम्मेदारियों, प्राथमिकताओं और आगामी कार्यक्रमों को लेकर दिशा-निर्देश दिए जा सकते हैं।ष्बैठक ऐसे समय हो रही है, जब भाजपा ने हाल ही में संगठनात्मक स्तर पर बड़ा फेरबदल करते हुए राज्यों और केन्द्र शासित प्रदेशों के लिए नई जिम्मेदारियां तय की हैं।

■ सूत्रों के अनुसार बैठक के एजेंडा में आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियां भी प्रमुख मुद्दा रहेगी। बैठक में हाल ही में नियुक्त किये गये सभी 36 प्रदेश प्रभारी व सह-प्रभारी शामिल होंगे।

सूत्रों के मुताबिक, बैठक के एजेंडे में आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारियां भी प्रमुख मुद्दा रह सकती है। संबंधित राज्यों में संगठन की स्थिति, बूथ स्तर तक पार्टी की सक्रियता, कार्यकर्ताओं की भूमिका और चुनावी तैयारियों को लेकर प्रभारियों से फीडबैक लिया जा सकता है।

विश्वसनीय सूत्रों के अनुसार, बैठक में भाजपा शासित राज्यों में पार्टी की सरकारों के कामकाज की भी समीक्षा की जाएगी।

मध्यप्रदेश के सड़क हादसे में एक परिवार के 5 लोगों की मौत

छतरपुर, 26 सितंबर। मध्य प्रदेश के छतरपुर जिले में सागर-कानपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर मातगुवां थाना क्षेत्र के चौका गांव के पास शनिवार शाम को बोलेरो और ट्रक की भीषण टक्कर में एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत हो गई। मृतकों में तीन महिलाएं और दो पुरुष शामिल हैं। हादसे में बोलेरो चालक गंभीर रूप से घायल हुआ है। उसे उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया।

टक्कर इतनी जोरदार थी कि बोलेरो का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें सवार लोग फंस गए। सूचना मिलते ही मातगुवां पुलिस और प्रशासन की टीम मौके पर पहुंचीं और रेस्क्यू शुरू किया। स्थानीय लोगों ने वाहन में फंसे लोगों को बाहर निकालने में मदद की। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, सभी लोग बिजावर क्षेत्र के रहने वाले थे और बगौता में एक रिश्तेदार के अंतिम संस्कार में शामिल होने जा रहे थे।

यूएनजीए में ईरान ने काफी हद ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ईरान के राष्ट्रपति महमूद पेजेशकियन ने कहा कि युद्धविराम सम्मानजनक होना चाहिए और किसी धमकी के दबाव में नहीं होना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि ईरान धमकी और ताकत के आगे नहीं झुकेगा। तेहरान में उनके इस रुख को काफी समर्थन मिलने की संभावना थी।

अमेरिकी राजनयिक वार्ताकारों के साथ बातचीत शुरू करने को लेकर ईरानी रिवोल्यूशनरी गाड्र्स कॉर्प्स के कट्टरपंथियों ने पेजेशकियन और ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची की कड़ी आलोचना की।

इससे पहले यूएनजीए सत्र के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने ईरान को चेतावनी दी थी कि यदि उसने किसी समझौते पर पहुंचने का विकल्प नहीं चुना तो उसे पूरी तरह तबाह कर दिया जाएगा। हमेशा की तरह ट्रंप के इस आक्रामक बयान का वैश्विक कूटनीतिक हलकों पर ज्यादा असर नहीं पड़ा और इससे उन्हें कुछ खास कूटनीतिक लाभ भी नहीं मिला।

इसके विपरीत, संयुक्त राष्ट्र में ईरानी प्रतिनिधिमंडल और यूएनजीए के लिए उसकी तैयारियां प्रभावी रहीं और उसने अपने उद्देश्य हासिल किए। इनमें पूरी दुनिया तक ईरान का पक्ष पहुंचाना और बाकी दुनिया का यह भरोसा हासिल करना शामिल था कि ईरान एक जिम्मेदार देश है, जिस पर मनमाने ढंग से हमला किया जा रहा है।

बहरहाल, यदि संयुक्त राष्ट्र महासभा के इस कूटनीतिक मुकाबले में किसी एक स्पष्ट विजेता की बात की जाए, तो कूटनीति का ताज छोटे से हिमालयी देश नेपाल के नाम जाता है। नेपाल के युवा प्रधानमंत्री ने बेहद सरल और प्रभावशाली ढंग से अपने देश का पक्ष रखा। उससे यूएनजीए और अंतरराष्ट्रीय कूटनीतिक समुदाय को उनके संदेश पर ध्यान देना पड़ा।

उन्होंने सीधे कहा कि विकसित देशों की बेलगाम नीतियों का खामियाजा नेपाल को भुगतना पड़ रहा है, जिससे पर्यावरणीय तबाही पैदा हो रही है। हाल में हिमालयी क्षेत्र में आई अचानक बाढ़ में भारी जनहानि हुई और दर्जनों गरीब नेपाली नागरिकों की जान चली गई। यह नुकसान इतना ज्यादा और गंभीर था कि इसे नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता था। हिमालय की नदियों में आई भीषण बाढ़, जिसे जलवायु परिवर्तन की प्रक्रिया से जुड़ा माना जा रहा है, इस बात का संकेत थी कि प्रकृति के संतुलन के साथ छेड़छाड़ करने पर उसकी प्रतिक्रिया कितनी विनाशकारी हो सकती है। ऐसी रिपोर्टें हैं कि चीन इन हिमालयी नदियों पर बड़े बांध बना रहा है और पर्यावरण की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्रों में विशाल जलाशय तैयार कर रहा है, जिससे ऊपरी हिमालयी क्षेत्रों का पूरा पारिस्थितिकी तंत्र प्रभावित हो रहा है।

नेपाल ने जोर देकर कहा कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय को अपने कार्यों के प्रभावों पर विचार करना चाहिए। साथ ही, उसने यह भी कहा कि हिमालयी बाढ़ से हुए भारी नुकसान की भरपाई के लिए नेपाल को मुआवजा दिया जाना चाहिए। उनका यह सरल संदेश यूएनजीए में मौजूद नेताओं के लिए नज़रअंदाज़ करना मुश्किल था।

जिस देश के फैसले और कार्य नेपाल में आई बाढ़ में सीधे योगदान देने वाले कारकों में शामिल हो सकते थे, उस देश (चीन) के राष्ट्राध्यक्ष पूरी कार्यवाही से अनुपस्थित रहे। उनके स्वास्थ्य को लेकर अफवाहें हैं, जिन्हें उनकी उसी समय हुई वॉशिंगटन की राजकीय यात्रा के दौरान सामने आए कुछ असहज क्षणों से और बल मिला, जब न्यूयॉर्क में यूएनजीए का सत्र चल रहा था।

शी जिनपिंग पूरे यूएनजीए सत्र के दौरान अनुपस्थित रहे और उन्होंने चीन की कथित महाशक्ति बनने की महत्वाकांक्षाओं के संभावित प्रतिकूल परिणामों को सुनने की भी जरूरत नहीं समझी।

ट्रंप ने ईरान ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मंत्री अब्बास अराघची ने शुक्रवार को संयुक्त राष्ट्र में पत्रकारों को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा, "अब फैसला अमेरिका के हाथ में है। ईरान दबाव, धमकी या डराने-धमकाने को स्वीकार नहीं करता और दबाव में अपने संप्रभु अधिकारों से समझौता नहीं करेगा।" इसके कुछ घंटे बाद "द वॉल स्ट्रीट जर्नल" ने मामले से परिचित अमेरिकी अधिकारियों के हवाले से खबर दी कि ट्रंप ने इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप ने संदेह जताया कि तेहरान उनकी मांगों को पूरा करेगा।

मुख्य स्कूल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

स्कूल शिक्षा सचिव कृष्ण कुणाल की ओर से उपस्थित होने के लिए उन्हें कोई निर्देश नहीं हैं।

इस पर अदालत ने प्रमुख स्कूल शिक्षा सचिव को जमानती वारंट से तलब किया है।

अवमानना याचिका में अधिवक्ता आमिर खान ने अदालत को बताया कि महात्मा गांधी व विवेकानंद मॉडल स्कूल में पूर्व शिक्षकों को चयन और साक्षात्कार के बाद भी नई जगह पर नियुक्ति के लिए कार्यमुक्त नहीं किया गया था।

इस पर याचिकाकर्ताओं ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर चुनौती दी थी, जिस पर हाईकोर्ट ने 8 सितंबर, 2025 को याचिकाकर्ताओं को राहत देते हुए विभाग को निर्देश दिए थे। इस आदेश की पालना नहीं होने पर हाईकोर्ट में अवमानना याचिका दायर की गई।

गत सुनवाई पर अदालत की ओर से अवमानना नोटिस जारी कर संबंधित अफसरों को तलब किया गया, लेकिन नोटिस तामील होने के बावजूद, प्रमुख शिक्षा सचिव की ओर से कोई पेश नहीं हुआ।

एसओजी के एएसपी के लिए 2 करोड़ रूपए की रिश्वत लेते दलाल ट्रैप

एसीबी के अनुसार, दलाल सज्जन कुमार एडीशनल एसपी मुकेश कुमार सोनी के लिए रिश्वत राशि लेते हुए पकड़ा गया

जयपुर, सितंबर। एन्टी करप्शन ब्येरो (एसीबी) उदयपुर ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एसओजी के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार सोनी के लिए कथित तौर पर 2 करोड रुपए की रिश्वत लेते उनके दलाल सज्जन कुमार को ट्रैप किया है। एसीबी के अनुसार, यह रिश्वत एक मुकदमे में मदद करने की एवज में मांगी जा रही थी।

एसीबी की ओर से की गई कार्रवाई में सीआई डॉ. सोनू शेखावत के नेतृत्व में टीम ने कार्रवाई को अंजाम दिया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, आरोपी सज्जन कुमार कथित रूप से एसओजी के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार सोनी के लिए रिश्वत राशि लेने पहुंचा था। इसी दौरान एसीबी टीम ने उसे ट्रैप कर लिया।

■ एसीबी के पास एक मुकदमे में मदद करने के नाम पर दो करोड़ रूपए की रिश्वत की मांग की शिकायत प्राप्त हुई। शिकायत के सत्यापन के बाद एसीबी ने दलाल को रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ा।

बताया जा रहा है कि संबंधित मुकदमे में मदद करने के नाम पर 2 करोड रुपए की रिश्वत राशि की मांग की गई थी। शिकायत के सत्यापन के बाद एसीबी ने कार्रवाई की और कथित दलाल को रिश्वत लेते पकड लिया।

एसीबी ने मामले में आगे की कार्रवाई और अनुसंधान शुरू कर दिया है। प्रकरण में रिश्वत की मांग, राशि के लेन-देन तथा इसमें अन्य व्यक्तियों की भूमिका को लेकर अग्रिम अनुसंधान जारी है। एसीबी की जांच के बाद ही मामले से जुड़े अन्य तथ्यों और आरोपों की स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

ज्ञानेश प्रकरण ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

मुख्य चुनाव आयुक्त द्वारा उसके इशारे पर बड़े पैमाने पर "वोट चोरी" की गई है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- प्लाट नम्बर H1-4, इन्डस्ट्रीयल एरिया फैस प्रथम, जालौर, (राज.) फोन नम्बर 226422, 226423, जालौर। फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908